@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 24 अगस्त 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 290 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'हाथ में तिरंगा, अंतरिक्ष और 140 करोड़ का सपना हमारा संकल्प'

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने आह्वान किया कि बड़े सपने देखें, अधिक नई चीजें बनाएं और नई सीमाओं को पार करें। पीएम मोदी ने कहा कि हाथ में तिरंगा है, अंतरिक्ष है, 140 करोड़ देशवासियों का सपना है, वही हम सबका संकल्प है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की शुभकामनाएं। आइए, और भी बड़े सपने देखें, अधिक नई चीजें बनाएं और नई सीमाओं को पार करें।' इस अवसर पर पीएम मोदी ने एक वीडियो भी जारी किया। उन्होंने कहा, 'मैंने अयोध्या में कहा था कि ये नए कालचक्र की शुरुआत है। यह एक नए कालचक्र का उद्गम है। इस नए काल क्षेत्र में ग्लोबल ऑर्डर में भारत अपना स्पेस लगातार बड़ा बना रहा है। यह हमारे स्पेस प्रोग्राम में भी साफ-साफ दिखाई दे रहा है। हम सबने मिलकर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में स्पेस सेक्टर की भूमिका बहुत बड़ी है।

उन्होंने कहा, 'आज ये जेन-जी इंजीनियर्स, जेन-जी डिजाइनर, जेन-जी कोडर और जेन-जी साइंटिस्ट नई-नई टेक्नोलॉजी बना रहे हैं। प्रोपल्शन सिस्टम हो, कंपोजिट मटेरियल हो, रॉकेट स्टेजेज हो, सैटेलाइट प्लेटफॉर्म्स हो, भारत का युवा आज उन क्षेत्रों में काम कर रहा है, जिनकी कुछ साल पहले कल्पना भी संभव नहीं थी।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'भारत का प्राइवेट स्पेस टैलेंट पूरी दुनिया में अपनी अलग पहचान बना रहा है। आज ग्लोबल इंवेस्टर्स के लिए भारत का स्पेस सेक्टर एक आकर्षक जगह बन रहा है। इसरो की सफलता देखकर कितने ही बच्चों के मन में ये बात आती है कि बड़ा होकर मैं भी वैज्ञानिक बनूंगा।'

उन्होंने आगे कहा, 'वो रॉकेट का काउंटडाउन लाखों बच्चों को प्रेरित करता है। हर घर में कागज के हवाई जहाज उड़ाने वाला जो एयरोनॉटिकल इंजीनियर है, वो बड़ा होकर आप जैसा इंजीनियर बनना चाहता है, साइंटिस्ट बनना चाहता है। हाथ में तिरंगा है, अंतरिक्ष है और 140 करोड़ देशवासियों का सपना है, वही हम सबका संकल्प है।'

भारत बनेगा दुनिया का शिपबिल्डिंग हब... बंगाल में बोले राजनाथ सिंह, 3500 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का किया उद्घाटन

राजनाथ सिंह ने भारत को ग्लोबल शिपबिल्डिंग हब बनाने की संभावनाएं बताईं. उन्होंने कहा कि बंगाल में 3500 करोड़ के पांच प्रोजेक्ट से शिपबिल्डिंग और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग को नई रफ्तार मिलेगी.

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पास ग्लोबल शिपबिल्डिंग हब बनने का बड़ा मौका है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि पारंपरिक शिपबिल्डिंग देशों में इंडस्ट्री के भीतर पैदा हो रहे वैक्यूम का फायदा उठाकर भारत वैश्विक जहाज निर्माण केंद्र बन सकता है. उन्होंने कहा कि देश में बड़ी वर्कफोर्स, मजबूत स्टील इंडस्ट्री और नई तकनीक अपनाने की क्षमता मौजूद है.

राजनाथ सिंह कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (तत्रस्थ) और यंत्र इंडिया लिमिटेड के पांच विस्तार प्रोजेक्ट्स की वर्चुअली आधारशिला रखने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. इन परियोजनाओं पर पश्चिम बंगाल में करीब 3,500 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे.

रक्षा मंत्री ने कहा कि शिपबिल्डिंग टेक्नोलॉजी तेजी से बदल रही है और पारंपरिक मैन्युफैक्चरर्स धीरे-धीरे अपना उत्पादन कम कर रहे हैं. ऐसे में भारत के लिए ग्लोबल शिपबिल्डिंग सेक्टर में अपनी जगह मजबूत करने का बड़ा अवसर है.

उन्होंने कहा कि देश में पर्याप्त मैनपावर, स्टील कंपनियों की मौजूदगी और नई तकनीक अपनाने की इच्छाशक्ति भारत को इस क्षेत्र में आगे ले जा सकती है.

बंगाल में 3,500 करोड़ के पांच प्रोजेक्ट

कोलकाता में आयोजित कार्यक्रम में पांच परियोजनाओं की नींव रखी गई. इनमें तत्रस्थ की तीन और यंत्र इंडिया लिमिटेड की दो सुविधाएं शामिल हैं. इन प्रोजेक्ट्स से शिपबिल्डिंग और डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग की क्षमता बढ़ाने के साथ रोजगार और सहायक उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है.

राजनाथ सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में विकास की नई शुरुआत हो रही है. उन्होंने कहा कि पहले राज्य में फैक्ट्रियों के बंद होने और लॉकआउट की खबरें आती थीं, लेकिन अब नए प्रोजेक्ट शुरू हो रहे हैं.

नौ साल में रक्षाबंधन पर 2 करोड़ महिलाओं ने किया मुफ्त में सफर

लखनऊ। रक्षाबंधन पर पिछले नौ वर्षों में 2 करोड़ से अधिक महिलाओं ने मुफ्त में सफर किया। कुल 2.01 करोड़ निशुल्क टिकट जारी किए गए। इस पर कुल 188.41 करोड़ रुपये खर्च हुए। परिवहन विभाग ने रविवार को इसके आंकड़े जारी किए। आंकड़ों के मुताबिक 2017 में 11.16 लाख महिलाओं ने निशुल्क बस यात्रा का लाभ लिया था। इसके बाद यह संख्या लगातार बढ़ती गई। 2018 में 11.69 लाख, 2019 में 12.04 लाख और 2020 में 7.36 लाख महिलाओं ने यात्रा की। 2021 में 9.63 लाख, 2022 में 22.32 लाख, 2023 में 29.29 लाख और 2024 में 19.78 लाख महिलाओं को सुविधा मिली। 2025 में सरकार ने महिला के साथ एक सहयात्री को भी निशुल्क यात्रा की सुविधा दी। 8 अगस्त 2025 की सुबह छह बजे से 10 अगस्त 2025 की मध्यरात्रि तक 66 घंटे में करीब 63.14 लाख महिलाओं और 15.11 लाख से अधिक सहयात्रियों ने निशुल्क यात्रा की।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

रक्षाबंधन भाई की कलाई पर बंधने वाला ***रक्षा-सूत्र मात्र नहीं, अपितु स्नेह, विश्वास और संकल्प का पावन पर्व है, जो परिवार को जोड़ता है,*** *समाज में आत्मीयता जगाता है तथा बहन-बेटियों के सम्मान, सुरक्षा एवं स्वाभिमान के प्रति अपने दायित्व का स्मरण कराता है। 'श्रावण पूर्णिमा' के पावन अवसर पर इस वर्ष 28 अगस्त को मनाया जाने वाला यह पर्व हमारे सनातन संस्कारों की इसी सुदृढ़ परंपरा का प्रतीक है।*

इस पर्व से जुड़ी कथाएं भी स्नेह और संरक्षण के इसी भाव को साकार करती हैं। लोक परंपरा में कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहता देख द्रौपदी ने अपनी साड़ी का किनारा फाड़कर बांध दिया। ***द्रौपदी के इस स्नेह का प्रत्युत्तर श्रीकृष्ण ने संकट के समय उनकी रक्षा करके दिया।*** *इसी प्रकार, राजा बलि को रक्षा-सूत्र बांधकर माता लक्ष्मी ने उन्हें अपना भाई बनाया और भगवान विष्णु को अपने साथ ले आईं। ये प्रसंग बताते हैं कि स्नेह केवल संबंध नहीं बनाता, वह दायित्व और संरक्षण का भाव भी जगाता है।*

आज जब नई पीढ़ी तकनीकी उन्नयन के साथ आगे बढ़ रही है, तब इन संस्कारों को अपने आचरण का अंग बनाना और विवेक, सद्भाव एवं सामाजिक एकता को महत्व देना पहले से अधिक आवश्यक है। *यही संस्कार हमारे परिवारों को सुदृढ़ करते हैं, समाज को एकजुट रखते हैं और संविधान की प्रस्तावना में निहित समानता, बंधुता और सामाजिक समरसता के भाव को सशक्त करते हुए राष्ट्र को शक्ति प्रदान करते हैं।*

रक्षा का यही भाव एक संवेदनशील सरकार के संकल्प में भी दिखाई देता है। ***हमारी सरकार ने विगत साढ़े नौ वर्षों में बहन-बेटियों की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।*** *मिशन शक्ति तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना ने बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और प्रगति को गति दी है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह और निराश्रित महिला पेंशन योजना से सामाजिक सुरक्षा मिली है। महिला उद्यमी क्रेडिट कार्ड आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।* ***रक्षाबंधन पर वर्ष 2017 से प्रारंभ की गई माताओं-बहनों के लिए निःशुल्क बस यात्रा की सुविधा इस वर्ष भी 27 से 29 अगस्त तक मिलेगी। इससे सुगम एवं सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित होगी।***

सभी प्रदेशवासियों को रक्षा बंधन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। *मेरा आप सबसे आग्रह है कि रक्षा-सूत्र के संकल्प को अपने आचरण का हिस्सा बनाएं।* ***प्रत्येक बहन-बेटी के सम्मान और सुरक्षा का संकल्प लें। सुरक्षाबल, पुलिसकर्मियों और आपदा राहतकर्मियों को रक्षा-सूत्र बांधकर उनके प्रति अपनत्व और कृतज्ञता प्रकट करें। साथ ही, स्थानीय स्तर पर निर्मित राखियों एवं उपहारों को प्राथमिकता दें।*** *आपका यह प्रयास स्थानीय श्रम, कौशल और उद्यम को प्रोत्साहन देगा तथा आत्मनिर्भर एवं विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प को और सुदृढ़ करेगा।*

आपका
योगी आदित्यनाथ

सशक्त नारी, समृद्ध प्रदेश

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर नितिन गडकरी और सीएम योगी समेत कई नेताओं ने दी बधाई

'हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इनोवेटर्स की प्रतिभा, लगन और साहस को सलाम है'

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर केंद्रीय मंत्रियों और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने बधाई दी है। बता दें कि वर्ष 2023 में 'चंद्रयान-3' की ऐतिहासिक सफलता ने पूरी दुनिया को भारत की अंतरिक्ष क्षमता का परिचय कराया। यह उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और अदम्य संकल्प का परिणाम है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'आज हम अंतरिक्ष में भारत की असाधारण यात्रा का सम्मान करते हैं, जिसमें शुरुआती मिशनों से लेकर चंद्रयान और उससे आगे के मिशन शामिल हैं। हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इनोवेटर्स की प्रतिभा, लगन और साहस को सलाम है। उनकी उपलब्धियां हर युवा भारतीय में जिज्ञासा जगाएं और अगली पीढ़ी को नई सीमाओं को खोजने के लिए प्रेरित करें।' केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने पोस्ट किया, 'भारत के समस्त वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। वर्ष 2023 में आज ही के दिन देश के महान वैज्ञानिकों ने अपनी उत्कृष्ट शोध-क्षमता, असाधारण कौशल और अथक परिश्रम से चंद्रमा पर सफलतापूर्वक 'चंद्रयान-3' की सॉफ्ट लैंडिंग कराकर अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान रचा था।' उन्होंने लिखा, 'आज 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' के अवसर पर हम इसरो के सभी वैज्ञानिकों और उनकी टीम का अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने स्वदेशी के सामर्थ्य से भारत को वैश्विक पटल पर एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है।' राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की सभी वैज्ञानिकों और प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने लिखा, 'यह दिवस चंद्रमा से लेकर अंतरिक्ष की अनंत संभावनाओं तक भारत की साहसिक उड़ान, वैज्ञानिक सामर्थ्य और नवाचार की अद्भुत यात्रा का उत्सव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में विज्ञान, अनुसंधान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करता नया भारत, 'विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को नई गति और वैश्विक पहचान प्रदान कर रहा है।' दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने लिखा, 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त 2023 को चांद पर चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक लैंडिंग की याद में मनाया जाता है। यह एक ऐसा पल था, जिसने भारत को दुनिया के सबसे आगे अंतरिक्ष में जाने वाले देशों में शामिल कर दिया। आज, हम अपने वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की दूर की सोच, हिम्मत और काबिलियत को सलाम करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत का अंतरिक्ष मिशन नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है और नई पीढ़ी को सीमाओं से आगे सपने देखने के लिए प्रेरित किया है। दिल्ली छात्रों के बीच एसटीईएम लर्निंग और वैज्ञानिक जिज्ञासा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।' हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, 'एक सपना था, चांद तक पहुंचने का। 23 अगस्त 2023 को वह सपना भारत के इतिहास का गौरव बन गया। चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता ने दुनिया को भारत की वैज्ञानिक क्षमता, दृढ़ संकल्प और अंतरिक्ष में बढ़ती शक्ति का परिचय दिया। 'विक्रम' की सुरक्षित लैंडिंग से लेकर 'प्रज्ञान' की चंद्र सतह पर यात्रा तक, यह मिशन भारत की वैज्ञानिक यात्रा में एक मील का पत्थर बन गया। हमारे महान राष्ट्र की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की स्मृति में मनाए जाने वाले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आइए, उस ऐतिहासिक उपलब्धि को नमन करें जिसने भारत के अंतरिक्ष सपनों को नई उड़ान दी।' गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने लिखा, 'चंद्रमा पर तिरंगे की शान और भारत के वैज्ञानिक सामर्थ्य की पहचान। वर्ष 2023 में 'चंद्रयान-3' की ऐतिहासिक सफलता ने पूरी दुनिया को भारत की अंतरिक्ष क्षमता का परिचय कराया।

एक आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। घायल बच्ची का नाम शिवांशी रामेश्वर घोलप बताया जा रहा है। कुत्ते के हमले में उसके चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं और चेहरे पर 12 टांके लगाए गए हैं। फिलहाल शिवांशी का नगर नाका इलाके के जनाई हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है। बच्चों को घर से बाहर खेलने भेजते समय भी माता-पिता को अब आवारा कुत्तों के हमले का डर सता रहा है। पिछले सप्ताह बीड शहर के मोमीनपुरा पेठ इलाके में भी आवारा कुत्तों के आतंक की जानकारी सामने आई थी। कई नागरिकों को कुत्तों के हमले का सामना करना पड़ा है।इसके अलावा, पिछले महीने भी धानोर रोड इलाके में घर के दरवाजे पर खड़ी एक मासूम बच्ची पर आवारा कुत्तों के झुंड ने हमला किया था। कुत्ते बच्ची को घर के दरवाजे से घसीटकर सड़क तक ले गए थे। इस घटना का सीसीटीवी वीडियो सामने आने के बाद नगरपालिका प्रशासन के खिलाफ नागरिकों में काफी आक्रोश देखने को मिला था। वहीं, एक बार फिर धांडे नगर में मासूम बच्ची पर कुत्ते के हमले की घटना सामने आने से नगरपालिका प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं के बीच नागरिक सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर नगरपालिका प्रशासन आवारा कुत्तों के बंदोबस्त के लिए क्या कदम उठा रहा है? नागरिकों की मांग है कि आवारा कुत्तों का तत्काल बंदोबस्त किया जाए और खासकर छोटे बच्चों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाए।

मप्र के बालाघाट में 24 बच्चों की मौत के बाद दो अधिकारियों को हटाया गया, राष्ट्रीय एससी आयोग ने मांगा जवाब

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के बिरसा विकासखंड के आदिवासी अंचल में महामारी फैलने से बीते दो माह में 24 बच्चों की मौत हो गई। इन मौतों का मुख्य कारण टीकाकरण में कमी, मलेरिया और कुपोषण बताया जा रहा है। प्रभावित गांवों का दौरा करने पहुंचे उप मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस मामले में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की। उन्होंने टीकाकरण अधिकारी डॉ परेश उपलप और मलेरिया अधिकारी मनीषा जुनेजा को तत्काल प्रभाव से उनके प्रभार से हटा दिया। वहीं देर शाम इस मामले में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने भी संज्ञान लिया है।उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बालाघाट जिले के दौरे पर पहुंचे थे। उन्होंने संरक्षित बैगा जनजाति के बीमारी से पीड़ित बच्चों के परिवारों से बालाघाट जाकर भेंट की।

दिल्ली-एनसीआर में तेज हवा के साथ बरसा पानी, 25 राज्यों को चेतावनी

● उत्तर और मध्य भारत के कई राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों के कुछ हिस्सों में मानसून फिर पूरी रफ्तार से सक्रिय है। इससे मैदानी इलाकों से लेकर पहाड़ी राज्यों तक मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। दिल्ली-एनसीआर और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में सुबह लगभग साढ़े चार बजे से बारिश हुई। बारिश के साथ तेज हवा भी चली हैं। भारत मौसम एवं विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर और मध्य भारत के कई राज्यों में भारी बारिश का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश के नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद में आसमान में बादलों का डेरा है। विभाग ने कहा कि इन स्थानों पर ठंडी हवाओं के साथ दिनभर जोरदार बारिश होने की पूरी संभावना है।इससे तापमान में भारी गिरावट आएगी और लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिलेगी। मौसम एवं विज्ञान विभाग के अनुसार, आज देश के 25 राज्य उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड,

हिमाचल, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, गुजरात, महाराष्ट्र, असम, त्रिपुरा, मेघालय, सिक्किम और नागालैंड में भारी बारिश-आंधी आने का पूर्वानुमान है।

मैदानी राज्यों में उत्तर प्रदेश और बिहार के अधिकांश जिलों में गरज-चमक के साथ मूसलाधार बारिश होगी। उत्तर प्रदेश और बिहार के अलावा मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के भी कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बरसात होने का अनुमान जताया गया है। बारिश ने पहाड़ी राज्यों में मुश्किलें काफी बढ़ा दी हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में लगातार हो रही बारिश की वजह से जमीन धंसने और पहाड़ों पर लैंडस्लाइड (भूस्खलन) का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों और संपर्क मार्गों पर चट्टानें गिरने के कारण कई जगहों पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया है। इससे सैकड़ों पर्यटक और स्थानीय लोग रास्ते में ही फंस गए हैं।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू का प्रकोप, सरकार ने जारी की स्वास्थ्य एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) के बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने नागरिकों के लिए एक विस्तृत स्वास्थ्य एडवाइजरी जारी की है। इस वर्ष अब तक 1,777 से अधिक एच1एन1 संक्रमणों सहित कुल 2,300 से अधिक इन्फ्लुएंजा-ए के मामले सामने आ चुके हैं, जिसके बाद प्रशासन ने लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की है। एडवाइजरी में श्वसन संबंधी स्वच्छता अपनाने, भीड़भाड़ वाली जगहों से बचने और बुखार, खांसी, गले में खराश या सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण दिखने पर तत्काल डॉक्टरी सलाह लेने का आग्रह किया गया है। लोगों को खांसते-छींकते समय मुंह ढकने, नियमित हाथ धोने, भीड़भाड़ में मास्क पहनने और बीमार लोगों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी गई है। इसके साथ ही, आंखों-नाक को छूने से बचने, सार्वजनिक स्थानों पर न थूकने और पर्याप्त तरल पदार्थ लेने पर जोर दिया गया है। बिना डॉक्टरी सलाह के दवा लेने से बचने को भी कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने इन्फ्लुएंजा से निपटने की पूरी तैयारी होने का दावा किया है, जिसमें अस्पतालों में पर्याप्त बिस्तर, दवाएं और मेडिकल उपकरण मौजूद हैं। 35 अस्पतालों को विशेष निगरानी में रखा गया है, जबकि एम्स और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र को रेफरल प्रयोगशालाएं बनाया गया है। शुक्रवार तक दिल्ली में इन्फ्लुएंजा के कुल 2,602 मामले सामने आए हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे. पी. नड्डा के साथ बैठक में तैयारियों की समीक्षा भी की।

गुजरात में नकली शराब से मौतों का सिलसिला, 15 की मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले में जहरीली नकली शराब पीने से मौतों का सिलसिला थम नहीं रहा है। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। शनिवार को इलाज के दौरान तीन और लोगों की मौत हुई। इनमें भावनगर के दो मरीज और सूरत में भर्ती एक सुरक्षा जवान भी शामिल है। इस मामले में जहरीली शराब में मेथनॉल मिलाए जाने की बात सामने आई है। शराब को एक लोकप्रिय विदेशी शराब ब्रांड की नकली बोतलों में भरकर बेचने का आरोप है। पुलिस ने अब तक 21 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गुजरात पुलिस ने मध्य प्रदेश से मुख्य आरोपी रईस को गिरफ्तार किया है। ताजा जानकारी के अनुसार 17 लोग अभी अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। वह आईसीयू में उपचाररत हैं। वहीं 17 मरीजों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है। पुलिस को आशंका है कि इस जहरीली शराब के निर्माण में इस्तेमाल कच्चा माल मध्य प्रदेश और अहमदाबाद से लाया गया था। जांच में पूरे नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास जारी है।

दिल्ली पुलिस के जवानों को लोगों ने लाठी-डंडों से पीटा, मिर्ची पाउडर भी डाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की कार्रवाई से नाराज कुछ लोगों ने जवानों पर लाठी-डंडों से अटैक कर दिया। आरोपियों ने मिर्च पाउडर भी जवानों पर फेंका। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें स्पष्ट तौर पर देखा जा सकता है कि आरोपी किस तरह से कानून-व्यवस्था को अपने हाथों में लेते हुए पुलिस के जवानों पर निर्ममता से लाठियां बरसा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक आउटर नॉर्थ जिले के भलस्वा डेयरी इलाके में ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मियों पर हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि बाइक को दस्तावेज नहीं होने के कारण पुलिस द्वारा जब्त किए जाने से नाराज कुछ लोगों ने पुलिसकर्मियों की आंखों में मिर्ची पाउडर फेंका और ईंट-पत्थर व लाठी-डंडों से हमला कर दिया। पुलिस ने मौके से एक किशोर को पकड़ है, जबकि अन्य आरोपी फरार हैं।

सीएम का पुतला फूंकने की कोशिश में पुलिस से झड़प, 15 बीजेपी कार्यकर्ता हिरासत में

गिरिडीह (एजेंसी)। झारखंड के गिरिडीह में सीएम हेमंत सोरेन का पुतला फूंकने की कोशिश करते समय बीजेपी कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। इसके बाद बीजेपी के 15 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया। बीजेपी की नगर इकाई के अध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने सीएम का पुतला लेकर जुलूस निकाला था। बीजेपी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनसे पुतला छीन लिया, जिसके बाद झड़प हुई। गिरिडीह के अनुमंडल दंडाधिकारी ने बताया कि 15 बीजेपी के लोगों को हिरासत में लिया गया है। बाद में कई लोगों ने गिरफ्तारी दी। बाद में छोड़ दिया। बाद में कुछ कार्यकर्ताओं ने सीएम की तस्वीर वाला एक अन्य पुतला टावर चौक के पास फूंक दिया। इस बीच हजारीबाग जिले में सैकड़ों छात्रों ने पुलिस के कथित लाठीचार्ज के विरोध में 'मौन जुलूस' निकाला। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने पुलिसकर्मियों को गुलाब के फूल दिए। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि गुलाब देने का उद्देश्य यह संदेश देना था कि पुलिस लाठीचार्ज करे या पानी की बौछार मारे, फिर भी हमारा प्रदर्शन जारी रहेगा।

एक देश एक चुनाव की कवायद तेज, इसी आम चुनाव में होगा लागू?

एक चुनाव के लिए 2034 की डेडलाइन घटाकर 2029 करने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।
देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ कराने को लेकर कवायद तेज हो गई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक देश, एक चुनाव को लेकर बनाई गई संसद की संयुक्त समिति ने भी सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने इस बारे में सलाह लेनी शुरू कर दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सरकार एक देश एक चुनाव के लिए 2034 की डेडलाइन को घटाकर 2029 ही करना चाहती है। यानी अगला लोकसभा चुनाव बिल्कुल अलग अंदाज में हो सकता है। इसके साथ ही विधानसभा के चुनाव भी करवाए जा सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो एक साथ ही सभी राज्य की विधानसभाओं को भंग कर दिया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी योजना का मुख्य उद्देश्य देश के चुनाव चक्र को सुव्यवस्थित करना, चुनावी खर्च को कम करना और बार-बार होने वाली आदर्श आचार संहिता के कारण विकास कार्यों में आने वाली बाधाओं को दूर करना है।

इस समय देश के 22 राज्यों में एनडीए की सरकार है। इनमें से 11 राज्यों में अगले दो सालों में विधानसभा का चुनाव होना है। चार ऐसे राज्य हैं जिनमें लोकसभा चुनाव के साथ ही चुनाव हो सकते हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और ओडिशा का नाम शामिल है। 2024 में एक देश एक चुनाव को लेकर जो कमेटी बनाई गई थी उसका टारगेट यही था कि 2034 में साथ में चुनाव कराने को लेकर रणनीति तैयार की जाए। अब सरकार इस प्रयास में है कि इसके लिए ज्यादा इंतजार ना किया जाए और इसे जल्द से जल्द लागू किया जाए। इसका मतलब यह है कि देश की चुनावी प्रणाली में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है, जिससे राजनीतिक परिदृश्य भी प्रभावित होगा।

संयुक्त संसदीय समिति पिछले दो साल से अपने काम में लगी है और इस शीत सत्र में संसद में रिपोर्ट जमा कर सकती है। संविधान का अनुच्छेद 174 2, बी राज्यपाल को विधानसभा भंग करने का अधिकार देता है। ऐसे में अगर एक साथ चुनाव करवाने होंगे तो जनवरी में ही राज्यों की विधानसभा भंग कर दी जाएगी। जिन राज्यों में एनडीए की सरकार है वहां यह आसान होगा, क्योंकि मंत्रिपरिषद की सलाह पर ही राज्यपाल विधानसभा भंग कर सकते हैं। यह प्रक्रिया कई राज्यों में संवैधानिक और राजनीतिक चुनौतियां भी पैदा कर सकती है, खासकर उन राज्यों में जहां सरकार का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ है।

संसद का शीतकालीन सत्र आमतौर पर नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होता है और क्रिसमस से पहले संपन्न हो जाता है। यह 41 सदस्यीय समिति एक देश, एक चुनाव व्यवस्था को लागू करने के लिए संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 पर विचार-विमर्श कर रही है। समिति 2029 तक, लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने के प्रस्ताव पर देश भर में परामर्श कर रही है। इस योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए कई संवैधानिक संशोधनों और व्यापक राजनीतिक सहमति की आवश्यकता होगी। बीजेपी के कुछ मुख्यमंत्रियों ने पहले ही लोकसभा चुनाव के साथ ही विधानसभा के चुनाव कराने की इच्छा जाहिर की है। गोवा, हरियाणा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों ने इसका समर्थन किया है। इसके साथ ही दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी 1 जुलाई को कमेटी के साथ बैठक की थी। यह पहल देश में शासन और चुनावी प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस : दिग्गजों ने सराहना कर वैज्ञानिकों को दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर देश भर के केंद्रीय मंत्रियों और कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भारत के वैज्ञानिकों को बधाई दी है। यह दिवस वर्ष 2023 में चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता की स्मृति में मनाया जाता है, जिसने पूरी दुनिया को भारत की अंतरिक्ष क्षमता का परिचय कराया था। यह उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक परिश्रम और अदम्य संकल्प का परिणाम है, जिसने भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इस अवसर पर अपने संदेश में कहा, आज हम अंतरिक्ष में भारत की असाधारण यात्रा का सम्मान करते हैं, जिसमें शुरुआती मिशनों से लेकर चंद्रयान और उससे आगे के मिशन शामिल हैं। हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और इनोवेटर्स की प्रतिभा, लगन और साहस को सलाम। उनकी उपलब्धियां हर युवा भारतीय में जिज्ञासा जगाएं और अगली पीढ़ी को नई सीमाओं को खोजने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम की प्रगति और भविष्य की संभावनाओं पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा, भारत के समस्त वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। वर्ष 2023 में आज ही के दिन देश के महान वैज्ञानिकों ने अपनी उत्कृष्ट शोध-क्षमता, असाधारण कौशल और अथक परिश्रम से चंद्रमा पर सफलतापूर्वक चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग कराकर अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान रचा था। उन्होंने आगे लिखा, आज राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर हम सभी वैज्ञानिकों और उनकी टीम का अभिनंदन करते हैं, जिन्होंने स्वदेशी के सामर्थ्य से भारत को वैश्विक पटल पर एक प्रमुख अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की सभी वैज्ञानिकों और प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए लिखा, यह दिवस चंद्रमा से लेकर अंतरिक्ष की अनंत संभावनाओं तक भारत की साहसिक उड़ान, वैज्ञानिक सामर्थ्य और नवाचार की अद्भुत यात्रा का उत्सव है। प्रधानमंत्री के यशस्वी नेतृत्व में विज्ञान, अनुसंधान और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित करता नया भारत, विकसित भारत-आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई गति और वैश्विक पहचान प्रदान कर रहा है।

कांग्रेस हिंदू विरोधी नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर रही: बीजेपी

-राहुल गांधी को धर्मग्रंथों को पॉलिटिकल नजरिए से नहीं देखना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी।
राहुल गांधी ने पुणे में मनु-स्मृति को लेकर कहा था कि उसमें महिलाओं के अपमान को लेकर श्लोक लिखा है। उन्होंने कहा था कि मनु-स्मृति में महिलाओं को जीवन के हर चरण में पुरुष रिश्तेदारों के अधीन रहने की बात कही गई है। इस मामले पर बीजेपी ने कहा कि कांग्रेस हिंदू विरोधी नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी के अमित मालवीय ने एक्स पोस्ट के जरिए कहा कि कांग्रेस की आधिकारिक पोस्ट इस बात का एक और उदाहरण है कि वह हिंदू-विरोधी नैरेटिव बनाने के लिए हिंदू धर्मग्रंथों को अपनी सुविधा के मुताबिक पेश करती है। हिंदुओं को यह बताने से पहले कि हिंदू धर्म महिलाओं के बारे में क्या कहता है, राहुल गांधी को पहले पूरी मनुस्मृति पढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर राहुल गांधी बहस करना चाहते हैं, तो उन्हें धर्मग्रंथों को ईमानदारी से पढ़ना चाहिए, न कि उन्हें पॉलिटिकल नजरिए से देखना चाहिए। भारत की सभ्यता को अंग्रेजी के चश्मे से संविधान समझने का दावा नहीं किया जा सकता। हिंदू धर्म को राहुल गांधी से सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। वहीं निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा- बहन प्रियंका गांधी आपसे ज्यादा समझदार हैं, अपनी गद्दी दे दीजिए। सिद्धांत और उपदेश अपने घर से नहीं, दूसरों पर लागू होता है।

दो देशों के रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए साझा हित जरूरी: जयशंकर

बांग्लादेश और पाकिस्तान को लेकर विदेश मंत्री की दो टूक

नई दिल्ली, एजेंसी।
विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत के उसके पड़ोसी देशों के साथ रिश्तों पर खुलकर बात की है। उन्होंने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद दोनों देशों के संबंधों को लेकर कहा कि किसी भी रिश्ते को आगे बढ़ाने के लिए साझा हित जरूरी होते हैं। वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तान पर तंज कसते हुए जयशंकर ने कहा कि वह दुनिया का ऐसा अनोखा देश है, जो अपने पड़ोसी पर हमला करने के लिए सुनियोजित आतंकवाद का प्रयोग करता है। यह टिप्पणी भारत की विदेश नीति में पारदर्शिता और पड़ोसी देशों के प्रति उसके दृष्टिकोण को दर्शाती है।

एक फोरम में अपनी बात को रखते हुए विदेश मंत्री ने भारत की विदेश नीति पर भी चर्चा की। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को प्रत्यर्पित करने के बारे में सोच रहा है। इस सवाल का सीधा जवाब न देते हुए विदेश मंत्री ने कहा, मैं इतना कह सकता हूं कि किसी भी रिश्ते को आगे बढ़ने के लिए उसे पारस्परिक हित की कसौटी पर खरा उतरना होगा। यह हमारे लिए भी हितकारी होना चाहिए। इस बयान से स्पष्ट होता है कि भारत अपने कूटनीतिक संबंधों में यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाता है और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देता है। विदेश मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बहुप्रतीक्षित भारत यात्रा को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक दोनों पक्ष अगले कुछ सप्ताह में इस यात्रा की संभावना तलाशने के लिए पर्दे के पीछे बातचीत जारी रखे हुए हैं। विदेश मंत्रालय ने इस महीने की शुरुआत में घोषणा की थी कि भारत ने रहमान को द्विपक्षीय यात्रा के साथ-साथ नई दिल्ली में होने वाले आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संपर्क सत्र में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। पाकिस्तान को लेकर बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान दुनिया का सबसे अनोखा देश है। जयशंकर ने कहा, वह इसलिए अनोखा है क्योंकि आज के दौर में ऐसा कोई दूसरा देश नहीं है, जो किसी अन्य पड़ोसी देश पर हमला करने और दबाव बनाने के लिए लगातार और इतने सुनियोजित तरीके से आतंकवाद का इस्तेमाल करता हो। पाकिस्तान द्वारा हाल ही में तुर्किए और सऊदी अरब के साथ किए गए मक्का समझौते पर भी अपनी राय का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया में अभी युद्ध के हालात हैं। ऐसे में इस समझौते का कहां है। वहीं, पाकिस्तान

और अमेरिका के संबंधों का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंधों का लंबा इतिहास रहा है। उन्होंने कहा, अब काफी हद तक हमने अमेरिका के साथ अपने संबंध खुद विकसित किए हैं, लेकिन यहां महत्वपूर्ण बात यह है कि पाकिस्तान सिर्फ इसलिए अनोखा नहीं है कि वह भारत का पड़ोसी है। हमारे अन्य पड़ोसी भी हैं। ऐसे दूसरे देश भी हैं, जिनके बीच मतभेद हैं।

वंदे मातरम् पर कांग्रेस केवल दो छंदों पर कायम: शशि थरूर

मायावती ने समाजवादी पार्टी पर लगाए कई आरोप, कहा-माफी मांगे अखिलेश

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश में वंदे मातरम् को लेकर जारी विवाद के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपनी पार्टी का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी 1937 के अधिवेशन में पारित प्रस्ताव के तहत अपने कार्यक्रमों में वंदे मातरम् के केवल दो छंदों का ही प्रयोग करती रही है। थरूर ने स्पष्ट किया कि इसे लेकर कोई विवाद नहीं होना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यदि किसी राष्ट्रीय या सरकारी कार्यक्रम में पूरा वंदे मातरम् बजाया जाता है, तो सभी सम्मानपूर्वक खड़े होकर उसका सम्मान करेंगे।

थरूर ने एक बातचीत में देश में जारी इस विवाद पर कांग्रेस की स्थिति को बिल्कुल साफ बताया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी की स्थिति बिल्कुल स्पष्ट है। कांग्रेस पार्टी अपने कार्यक्रमों में परंपरा का ही पालन कर रही है। मेरा मानना है कि अगर कोई राष्ट्रीय या सरकारी कार्यक्रम होता है, तो हम सभी इस दौरान खड़े रहेंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पार्टी वंदे मातरम् को लेकर अपने 1937 वाले फैसले पर ही कायम है। उनके अनुसार, कांग्रेस 1937 से लेकर अब तक अपने कार्यक्रमों में राष्ट्रगान का सिर्फ एक पद और वंदे मातरम् के दो पद ही बजाती रही है, और उनका रुख यही बना हुआ है।

भाजपा लगातार वंदे मातरम् को पूरा न गाए जाने को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधती आ रही है। इस विवाद ने तब और जोर पकड़ लिया, जब स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस कार्यालय में वंदे मातरम् बजाए जाने के दौरान सोनिया गांधी और राहुल गांधी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। भाजपा ने इस वीडियो को लेकर कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और पार्टी की नई कार्यकारिणी ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के लिए एक अभियान का भी ऐलान किया है।भाजपा ने वंदे मातरम् के महत्व को आगे बढ़ाने के लिए एक 10-सूत्रीय अभियान की घोषणा की है। पार्टी ने संकल्प लिया है कि वह देश की जनता के सामने जाकर वंदे मातरम् के महत्व को उजागर करेगी। वह यह बताएगी कि कैसे महात्मा गांधी ने वंदे मातरम् को साम्राज्यवाद-विरोधी नारा और राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत बताया था। इसके साथ ही, भाजपा कांग्रेस की उस मानसिकता का भी जिक्र करेगी, जो कथित तौर पर केवल सांप्रदायिक दबाव और राजनीतिक तुष्टीकरण के लिए इसे गाने से इनकार करती है।

स्कूल निरीक्षण विवाद पर आशुतोष समेत 60 पर एफआईआर

-सीजेपी नेता रेखा ने भी की मारपीट तोड़फोड़ की शिकायत, दोनों पक्षों पर क्रॉस केस

जयपुर, एजेंसी।
जयपुर ग्रामीण के रामपुरा कंवरपुरा गांव के सरकारी स्कूल के निरीक्षण को लेकर हुआ विवाद अब कानूनी मोड़ ले चुका है। स्कूल निरीक्षण में गांव वालों और कॉकरोच जनता पार्टी के नेताओं-कार्यकर्ताओं के बीच हुए विवाद के मामले में दोनों पक्षों की ओर से क्रॉस एफआईआर दर्ज हुई है। एक मामले में सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका समेत 50 से 60 अन्य लोगों के खिलाफ मारपीट, जानलेवा हमले, गाली-गलौज और जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल के आरोप में एससी-एसटी एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज किया गया है। वहीं सीजेपी नेता रेखा शर्मा की शिकायत पर गांव के लोगों के खिलाफ मारपीट, पथराव और वाहनों के शीशे तोड़ने समेत कई आरोपों में एफआईआर दर्ज की गई है। बता दें रामपुरा कंवरपुरा गांव के सरकारी स्कूल के निरीक्षण के लिए 21 अगस्त को सीजेपी की टीम पहुंची थी। इसी दौरान गांव वालों के साथ विवाद और मारपीट का आरोप सामने आया। मामले में गांव के दलित युवक भगवान सहाय धानका की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर जयपुर के शिवदासपुरा थाने में सीजेपी प्रवक्ता आशुतोष रांका और 50 से 60 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। शिकायत में आरोप लगाया कि आशुतोष रांका और सीजेपी लोग गांव में आए और वहां हंगामा किया। आरोप है कि इस दौरान महिलाओं और पुरुषों के साथ गाली-गलौज की गई और उनके साथ मारपीट की गई। शिकायत में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप भी लगाया गया है। दूसरी तरफ सीजेपी नेता रेखा शर्मा की तहरीर पर भी रामपुरा कंवरपुरा गांव के लोगों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किया गया है। रेखा की शिकायत में कहा गया है कि सीजेपी की टीम स्कूल ठीक करो मुहिम के तहत रामपुरा कंवरपुरा गांव में भैंसों के तबेले में चलने वाले सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने जा रही थी। टीम के स्कूल तक पहुंचने से पहले ही कुछ अराजक तत्वों ने उन्हें घेर लिया। उनके साथ जमकर मारपीट की गई। इस दौरान पथराव करने और गाड़ियों के शीशे तोड़े गए हैं।इस पूरे मामले में दोनों पक्षों की ओर से एफआईआर दर्ज होने के बाद अब कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। सीजेपी की तरफ से आरोप लगाया जा रहा है कि पूरे घटनाक्रम के वीडियो फुटेज मौजूद हैं और उनसे साफ है कि हमला गांव के लोगों ने किया था। उनके कार्यकर्ताओं की मारपीट की कोई तस्वीर सामने नहीं आई है। पार्टी का आरोप है कि उसके खिलाफ दर्ज की गई क्रॉस एफआईआर सिर्फ मामले को कमजोर करने के लिए दर्ज कराई गई है। अब पूरे मामले में पुलिस की जांच अहम होगी। दोनों पक्षों के आरोपों, मौके के वीडियो फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों की जांच के बाद ही यह साफ हो सकेगा कि रामपुरा कंवरपुरा गांव में स्कूल निरीक्षण के दौरान घटनाक्रम किस तरह हुआ और दोनों पक्षों की शिकायतों में लगाए गए आरोप कितने सही हैं।

भारत में हाफिज सईद के खिलाफ चलेगा मुकदमा, उधर पाक ने कर दिया कैद

नई दिल्ली, एजेंसी।
मुंबई में हुए 26/11 आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ता और वैश्विक आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद की सुरक्षा पाकिस्तान में बेहद कड़ी कर दी गई है। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब भारत में उसके खिलाफ मुकदमा शुरू हो रहा है, जिसमें उसकी गैरमौजूदगी में सुनवाई चलेगी। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के खुफिया आकलन बताते हैं कि सईद पर खतरे की आशंका काफी बढ़ गई है, जिसके बाद पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) ने उसकी सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया है। रिपोर्टों के अनुसार, पिछले कुछ वर्षों में सईद को निशाना बनाने की कई कोशिशें हुई हैं, जिनमें उसके कई करीबी सहयोगी भी मारे जा चुके हैं। इसी आशंका के चलते पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों को लगता है कि अब सईद खुद एक बड़ा निशाना बन सकता है।

पाकिस्तान के एक खुफिया अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि हालिया सुरक्षा समीक्षा के बाद सईद के आसपास तैनात सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है। लश्कर-ए-तैयबा के जिन सदस्यों को उससे मिलने की इजाजत है, उन्हें भी कड़ी सुरक्षा जांच और स्क्रीनिंग से गुजरना पड़ता है। हाल के महीनों में सईद को लेकर खतरे की धारणा काफी बढ़ी है, जिसके चलते उसकी आवाजाही पर भी सख्त पाबंदी लगा दी गई है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर और सईद को निशाना बनाने की कथित कोशिशों के बाद आईएसआई ने उसे बाहर निकलने से पूरी तरह रोक दिया है।इस पाबंदी का असर लश्कर-ए-तैयबा के संगठनात्मक कार्यक्रमों पर भी पड़ा है। पहले हाफिज सईद आतंकी संगठन के प्रशिक्षण और कट्टरता फैलाने वाले शिविरों में जाकर कैडर को संबोधित करता था, लेकिन अब कथित तौर पर उसे इन जगहों पर जाने की अनुमति नहीं है। उसकी वास्तविक लोकेशन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पाकिस्तान का आधिकारिक रुख है कि सईद 2019 से लाहौर की कोट लखपत जेल में बंद है। हालांकि, भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के आकलन के अनुसार, वह वास्तव में लाहौर के मोहल्ला जौहर इलाके में एक किलेबंद सेफ हाउस में रखा गया है। खतरे का स्तर बढ़ने पर उसे कथित तौर पर लाहौर के मियां मीर कैंटोनमेंट इलाके में स्थित एक और बेहद सुरक्षित ठिकाने पर ले जाया जाता है। यदि यह आकलन सही है, तो सईद की वास्तविक स्थिति को लेकर पाकिस्तान के आधिकारिक दावों पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगते हैं। यह उसकी गिरफ्तारी और जेल में होने के पाकिस्तानी दावों को खोखला साबित करता है। सईद की सुरक्षा ऐसे समय में बढ़ाई गई है जब रिपोर्टों के मुताबिक लश्कर-ए-तैयबा अपने नेटवर्क को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर

रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लश्कर के प्रमुख ठिकानों में शामिल मुरीदके का प्रशिक्षण केंद्र भी निशाना बना था, जिससे संगठन को बड़ा झटका लगा था। इसके बाद पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में संगठन की बैठकों और प्रशिक्षण शिविरों की गतिविधियां फिर से शुरू होने की बात सामने आई है।

पशु चोरी करने वालों ने की थी कारोबारी से छिनैती की वारदात

कौशांबी। सीमांत विहार निवासी बेकरी कारोबारी राजेश को पिस्टल व चाकू दिखाकर चेन छिनैती करने वाले कार सवार आरोपियों को पुलिस ने रविवार सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया मामले का खुलासा किया। आरोपी दिल्ली के राजपार्क स्थित मंगोलपुरी निवासी सुजल, बेगमपुरी के कैलाश विहार का रहने वाले संदीप और विशाल हैं। मुठभेड़ में आरोपी सुजल के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने 25 अगस्त की सुबह बेकरी कारोबारी से छिनैती करने की बात स्वीकार की है। तीनों के पास से वारदात में इस्तेमाल हुई कार, चाकू, तमंचा व कुछ नकदी बरामद हुई है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सात सितंबर की सुबह 2/5 की पुलिया पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक कार को चेकिंग के लिए रोकने का प्रयास किया था। कार चालक ने गाड़ी रोकने की जगह दूसरे रास्ते पर दौड़ा दिया लेकिन कुछ दूरी पर ही कार टकराने की वजह से रुक गई। तीनों आरोपी गाड़ी से निकलकर फायरिंग करते हुए भागे। जवाबी कार्रवाई में एक गोली आरोपी सुजल के पैर में लगी। इसके बाद पुलिस ने तीनों को दबोच लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि तीनों मिलकर गाजियाबाद व दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में लूट, छिनैती और चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। एसीपी ने बताया कि तीनों आरोपी मुख्यरूप से पशु चोर हैं। अधिकतर घरों के बाहर बंधे पशुओं को चुराकर उन्हें बेचने का काम करते हैं। पशु चोरी के कई मामले तीनों के खिलाफ दर्ज हैं। जिस कार में आरोपी घूम रहे थे वह कार आरोपी सुजल की थी, जिस पर नकली नंबर प्लेट लगाकर वारदातों को अंजाम देते थे। बताया कि सुजल के खिलाफ लूट, छिनैती व चोरी का माल बरामद होने व आर्म्स एक्ट में एक दर्जन मामले दर्ज हैं। आरोपी संदीप के खिलाफ आधा दर्जन और विशाल पर भी इन अपराधों में आधा दर्जन मुकदमे हैं।

हिसाब गलत बताकर होटल कारोबारी को धमकाया

इंदिरापुरम। वसुंधरा सेक्टर तीन स्थित होटल हवेली पैलेस के मालिक विकास जैन ने पेंटर के भाई पर अकरम नाम के व्यक्ति पर धमकी देने और दबाव बनाकर ज्यादा रुपये मांगने का आरोप लगाया है। आरोप है कि तीन सितंबर को आरोपी ने उनके कार्यालय पहुंचकर उनके कर्मचारी को भी धमकी दी। छह सितंबर को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दर्ज मुकदमे में होटल कारोबारी विकास जैन ने बताया कि उनका पेंटर के साथ रुपयों का हिसाब-किताब चल रहा है। बताया कि वह सही हिसाब मानने से इन्कार करते हुए ज्यादा रुपयों की मांग कर रहा है।

मानस के सिर के पार हो गई थी गोली, तूलिका-दिव्या के शरीर में मिली

लखनऊ। बैंक अफसर मानस, उसकी पत्नी दिव्या और बहन तूलिका के शव का शुक्रवार को डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम कराया गया। दोपहर बाद दिव्या के बहनोई भरत यादव शव लेकर रवाना हो गए। बैंकुंठ धाम पर शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। पिता सतीश चंद्र मिश्र ने बेटी को मुखाग्नि दी। उधर, मानस और तूलिका के शव के पोस्टमार्टम में देरी होने से परिजन नाराज हो गए और हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों के हंगामे के बाद चौक और ठाकुरगंज थाने की पुलिस वहां पहुंची और लोगों को शांत कराया। हंगामे के बाद डॉक्टरों के पैनल को फिर से बुलाया गया और दोनों शवों का पोस्टमार्टम शुरू हुआ। शाम को पांच बजे के बाद पुलिस ने मानस के मामा को दोनों के शव सौंप दिए। पोस्टमार्टम हाउस पर दिव्या और मानस के रिश्तेदार एक-दूसरे से दूरी बनाए रखे। मामा अवधेश ने देर शाम भांजे और भांजी की अंतिम संस्कार बैकुंठ धाम पर कर दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में गोली लगने से मौत की पुष्टि हुई है। सिर में गाली फंसी मिली। वहीं, तूलिका के सिर में भी गोली फंसी थी, जबकि मानस के सिर से गोली आरपार हो गई थी। दिव्या के चेहरे व सिर पर चोट के छह निशान मिले हैं। तीनों का विसरा जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। दिव्या ने पारिवारिक न्यायालय में वाद दायर किया था। इस मामले में 18 अगस्त को कोर्ट में सुनवाई थी। पुलिस यह पता लगा रही है कि आखिर 18 अगस्त को ऐसा क्या हुआ था, जिसके बाद से मानस ने खतरनाक फैसला ले लिया। जानकारी जुटाई जा रही है कि कोर्ट परिसर में दंपति के बीच कहासुनी तो नहीं हुई थी। पुलिस 18 अगस्त को कोर्ट परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी खंगाल रही है। तूलिका को अकेला नहीं छोड़ना चाहता था। मानस के रिश्तेदारों ने बताया कि मानस अपनी बहन से बहुत प्रेम करता था। तूलिका की तबीयत बिगड़ने के बाद वह उसका पूरा ध्यान रखता था। आरोप है दिव्या चाहती थी कि मानस उसके साथ अकेले रहे। वह तूलिका के साथ नहीं रहना चाहती थी। इस बात को लेकर दोनों में कई बार विवाद हुआ था। मानस ने स्पष्ट किया था कि कुछ भी हो जाए वह बहन को अकेला नहीं छोड़ेगा। यही वजह है कि मानस ने पत्नी की हत्या के बाद आत्महत्या से पहले बहन की जान ले ली क्योंकि तूलिका का ध्यान रखने वाला परिवार में कोई और नहीं था। दिव्या की बहन प्रज्ञा ने मानस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रज्ञा का आरोप है कि मानस उनकी बहन को प्रताड़ित करता था इसलिए वह उससे अलग होना चाहती थी। ऑनलाइन टमाटर मंगाने पर अगर उसमें कोई टमाटर खराब निकल आता था तो उसके लिए भी पिटाई करता था। आरोप है कि फैमिली कोर्ट में काउंसलर के साथ भी मानस की झड़प हुई थी। प्रज्ञा का कहना है कि शादी के अगले ही दिन मानस ने घर के खर्चों की लिस्ट तैयार कर दिव्या से आधा खर्च उठाने की शर्त रखी थी। पहले एक साल से दिव्या घर का खर्च नहीं उठा रही थी। मानस के नजर में ये चीटिंग हो सकती है। आरोप है कि मानस साइको था लेकिन इतना बड़ा इसका अंदाजा नहीं था।

फुटपाथ पर बनी दरगाह तोड़ने पर फिर विचार के निर्देश, अदालत ने केस धार्मिक समिति को वापस किया

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने प्राचीन दरगाह हजरत भूरे शाह को ध्वस्त करने के मामले को दिल्ली सरकार की रिलिजियस कमेटी को वापस भेज दिया है। कोर्ट ने कमेटी को निर्देश दिया कि वह मामले की नए घटनाक्रमों को देखते हुए पुनः जांच करे। यह दरगाह मथुरा रोड पर नीला गुम्बद के पास अमीर खुसरो पार्क में स्थित है, जहां फुटपाथ पर कब्रों के कारण पैदल यात्रियों को असुविधा का मुद्दा है। याचिकाकर्ता यूसुफ बैग, जो खुद को दरगाह का केयरटेकर बताते हैं, ने अप्रैल 2023 में दिल्ली सरकार और अन्य अधिकारियों के खिलाफ याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि था कि 1 अप्रैल 2023 को बिना नोटिस के दरगाह की संरचना को तोड़ दिया गया, जिससे उन्हें 10 लाख रुपये का मुआवजा मांगा। कोर्ट ने 19 अप्रैल 2023 को यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया और विभिन्न विभागों- पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी), म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी), डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट साउथ-ईस्ट, लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एलएंडडीओ), दिल्ली वक्फ बोर्ड और याचिकाकर्ता के प्रतिनिधि से साइट का निरीक्षण कर रिपोर्ट मांगी। दिल्ली वक्फ बोर्ड की शुरुआती रिपोर्ट में इसे 1976 की गजट अधिसूचना में सूचीबद्ध वक्फ संपत्ति बताया गया। इसमें 1000 वर्ग गज क्षेत्र का उल्लेख है, लेकिन बाद में दाखिल लिखित सबमिशन में बोर्ड ने अपना रुख बदलते हुए कहा कि कोई अधिकृत संरचना का रिकॉर्ड नहीं है और कब्रों की स्थानांतरण की सिफारिश का विरोध नहीं करता। बोर्ड ने यह भी माना कि फुटपाथ पर कब्रें पैदल यात्रियों के लिए असुविधाजनक हैं और उन्हें पास की उपयुक्त जगह पर स्थानांतरित किया जा सकता है। कोर्ट ने रिलिजियस कमेटी की 17 जुलाई 2023 की बैठक के मिनट्स का हवाला दिया, जिसमें कमेटी ने कब्रों को फुटपाथ से हटाने और दूसरी जगह स्थानांतरित करने की सिफारिश की थी। कमेटी ने नोट किया कि एक व्यक्ति (सैयद भूरे शाह) के नाम पर कई मजार होने से सवाल उठते हैं और यह पैदल यात्रियों के लिए बाधा हैं। निरीक्षण रिपोर्ट में पीडब्ल्यूडी, एसडीएम और एलएंडडीओ ने स्पष्ट किया कि दरगाह मथुरा रोड के राइट ऑफ वे में आती है और यह सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण है। रिपोर्ट के अनुसार, फुटपाथ पर 7 कब्रें या मजार हैं, जो लगभग 15 मीटर क्षेत्र को कवर करती हैं और पैदल यात्रियों के लिए बाधा हैं। एलएंडडीओ ने कहा कि यह भूमि पीडब्ल्यूडी के रखरखाव में है और कोई आवंटन दरगाह के नाम पर नहीं किया गया।

मच्छरों का दिमाग पढ़ेंगे आईआईटी कानपुर के वैज्ञानिक, इंसानी गंध और खून पीने के व्यवहार पर शुरू हुआ शोध

कानपुर। रोबोटिक्स, ड्रोन, कम्यूनिकेशन, साइबर और सुरक्षा तकनीक जैसे क्षेत्रों में अपनी धाक जमाने के बाद अब भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (द्धद्धञ्ज) कानपुर के विशेषज्ञ एक बिल्कुल अनूठे विषय पर शोध कर रहे हैं। संस्थान के वैज्ञानिक अब %मच्छरों का दिमाग% पढ़ना चाह रहे हैं। वे इस बात का अध्ययन कर रहे हैं कि मच्छर किस तरह इंसानों की ओर आकर्षित होते हैं, खून पीने के बाद उनके मस्तिष्क में किस प्रकार के बदलाव आते हैं और उनका व्यवहार कैसा रहता है। ओडिशा के रहने वाले शोधार्थी कार्तिक राउत संस्थान के %मेहता फैमिली सेंटर फॉर इंजीनियरिंग इन मेडिसिन% में प्रो. नितिन गुप्ता के मार्गदर्शन में मच्छरों के मस्तिष्क और उनकी सूंघने की क्षमता पर गहराई से रिसर्च कर रहे हैं। कार्तिक के इस शोध की प्रेरणा कोविड लॉकडाउन के दौरान मिली थी, जब वे मच्छरों को देखकर यह सोचने लगे कि आखिर ये जीव इंसानों तक कैसे पहुंच जाते हैं। उनकी यही जिज्ञासा उन्हें आईआईटी कानपुर तक ले आई। उनका यह शोध मुख्य रूप से एडीज एजिप्टी प्रजाति के मच्छरों पर केंद्रित है। यही वे मच्छर हैं जो डेंगू, चिकनगुनिया और येलो फीवर जैसी गंभीर बीमारियों के प्रसार के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार माने जाते हैं। इस अध्ययन के जरिए यह समझने का प्रयास किया जा रहा है कि मच्छर इंसानी गंध को कैसे पहचानते हैं तथा खून पीने से पहले और बाद में उनके मस्तिष्क की कार्यप्रणाली और न्यूरोलॉजिकल गतिविधियों में क्या-क्या बदलाव आते हैं। इस शोध के परिणाम भविष्य में मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम और उनके नियंत्रण के नए तरीके खोजने में बेहद मददगार साबित हो सकते हैं।

सिर में गंभीर चोट, कुछ दूर पड़ी मिली बालिका की लाश

आगरा। आगरा के बरहन में रेलवे लाइन के पास युवती और बालिका के मिले शवों की पहचान नहीं हो सकी। पुलिस की 4 टीमें प्रयास में लगी हैं। दोनों के ट्रेन से गिरने या फेंके जाने की आशंका है। उनके सिर और हाथ में चोट लगी थी। सिर से अत्यधिक खून बहने से मौत हुई। बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम में मौत की वजह का खुलासा हुआ। पहचान नहीं होने पर पुलिस ने लावारिस में अंतिम संस्कार करा दिया। शिनाख्त के लिए आसपास के जिलों और राज्यों की पुलिस की मदद ली जा रही है। 16 अगस्त को दिल्ली-हावड़ा रेल लाइन के किनारे मितावली से बरहन के बीच महिला और बालिका के शव 4 किलोमीटर के अंतराल पर मिले थे। बालिका की उम्र 10 तो महिला की 25 वर्ष मानी गई। चेहरे से दोनों के एक ही परिवार के होने की आशंका है।

प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह कपड़े के थैले का करे इस्तेमाल

यमुनानगर। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने वीरवार को सब्जी मंडी एसोसिएशन व मंडी आढ़तियों व विक्रेताओं की बैठक ली। उन्होंने सभी को स्वच्छता अभियान में सहयोग देने की अपील की और प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने, खुले में गंदगी न फैलाने, सड़कों पर सामान रखकर अतिक्रमण करने के बारे में समझाया। उन्होंने सभी को निर्देश दिए कि वे कचरा रखने के लिए कूड़ेदान का प्रयोग करें। प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल, कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल पॉलिथीन या कपड़े के थैलों का इस्तेमाल करें। उन्होंने सभी को समझाया कि अभी नगर निगम हाथ जोड़कर सभी से प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने और खुले में कचरा न फैलाने की अपील कर रहा है। फिर भी जो नहीं मानेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने प्रतिबंधित पॉलिथीन के नुकसान बताते हुए सभी को इसका बैठक ली। उन्होंने सभी को स्वच्छता अभियान में सहयोग देने की अपील की और प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने, खुले में गंदगी न फैलाने, सड़कों पर सामान रखकर अतिक्रमणइस्तेमाल न करने के बारे में समझाया। उन्होंने बताया कि पॉलिथीन के इस्तेमाल से जहां कैंसर जैसी घातक बीमारी होती है, वहीं, इसे खाने से पशुओं की भी मौत हो सकती है। क्योंकि कुछ लोग खाने समेत पॉलिथीन को फेंक देते है। सब्जी विक्रेता भी सड़ी हुई सब्जी या उसके अवशेष पॉलिथीन में डालकर फेंक देते है। जिससे पशु खा लेते है। यह पॉलिथीन उसके पेट में पचती नहीं। जिससे पशु बीमार होते है। नाले व नालियां जाम होने का सबसे बड़ा कारण भी पॉलिथीन है। उन्होंने सभी सब्जी व फल विक्रेताओं, मंडी आढ़तियों व पॉलिथीन विक्रेताओं को पॉलिथीन बंद करने में अपना योगदान देने की अपील की।

उन्होंने कहा कि अपने थोड़े से लाभ के लिए इसका इस्तेमाल कर आमजन की जिंदगी से न खेले। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे प्रतिबंधित पॉलिथीन के स्थान पर सरकार द्वारा स्वीकृत 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल या कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल (मकई से बनी हुई) पॉलिथीन या कपड़े के थैले का इस्तेमाल करें। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि वे घर से सब्जी, फल या अन्य सामान खरीदने जाते समय कपड़े का थैला साथ लेकर जाए। खुले में गंदगी न फैलाएं।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। तीस हजारी कोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर संदीपा विर्क की न्यायिक हिरासत अवधि को 15 सितंबर तक बढ़ा दिया है। उनकी पिछली न्यायिक हिरासत खत्म होने पर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। उसके बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विजय शंकर की अदालत ने 14 दिन और न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। संदीपा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 12 अगस्त को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी हिरासत की मांग की जा सकती है। ईडी की जांच के अनुसार, संदीपा ने धोखाधड़ी और झूठे वादों के जरिए अपने नाम पर अचल संपत्ति खरीदी। वह खुद को हाइबूकेयर डॉट कॉम नामक वेबसाइट की मालिक बताती हैं जो कथित तौर पर एफडीए-स्वीकृत ब्यूटी प्रोडक्ट्स बेचने का दावा करती हैं। हालांकि, ईडी ने पाया कि वेबसाइट पर दिखाए गए उत्पाद अस्तित्व में ही नहीं हैं। एजेंसी ने आरोप लगाया कि वेबसाइट पर न तो यूजर रजिस्ट्रेशन की सुविधा है और न ही भुगतान गेटवे ठीक से काम करता है। साइट पर सोशल मीडिया पर भी बहुत कम गतिविधि है, व्हाट्सएप नंबर निष्क्रिय पाया गया और संगठनात्मक विवरण भी पारदर्शी नहीं हैं।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

सरकारी स्कूलों में आधारभूत ढांचा मजबूत करने को राज्यव्यापी अभियान: 14,300 से अधिक विद्यालयों का हुआ माइक्रो निरीक्षण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों और शिक्षकों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए एक व्यापक राज्यव्यापी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत प्रदेश के 14,300 से अधिक सरकारी विद्यालयों निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और भौतिक ढांचे की स्थिति का विस्तृत आकलन किया गया।

एग्री-स्टैक के माध्यम से विशिष्ट पहचान संख्या बनवाना जरूरी: डॉ आनंद कुमार शर्मा

करनाल। उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि एग्री-स्टैक, कृषि तथा किसान कल्याण विभाग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विकसित एक प्रमुख कृषि डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना है। जो देश के सभी किसानों का भूमि रिकॉर्ड, विशिष्ट पहचान संख्या फसल विवरण और सरकारी योजनाओं का एक एकीकृत डेटाबेस स्थापित करके खेती प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य किसानों के लिए एक विशिष्ट पहचान संख्या बनाना है जो आधार से जुड़ी होगी। किसानों को उनकी भूमि रिकॉर्ड तक आसान पहुंच प्रदान करना जिससे ऋण और बीमा पाना आसान होगा। किसानों को सभी सरकारी योजनाओ जैसे पी.एम. किसान, कृषि इनपुट (खाद, बीज इत्यादि) का लाभ इसी के माध्यम से प्रदान होगा। सभी सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों द्वारा एग्री-स्टैक के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान संख्या बनवाना आवश्यक है। परियोजना का लाभ लेने के लिए कृषि विभाग अधिकारी व पटवारी से भी सम्पर्क कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसान गांव में कॉमन सर्विस सेंटर/अटल सेवा केंद्र पर जाकर भी किसान आईडी बनवा सकते हैं।

सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2027 के लिए आवेदन आमंत्रित

करनाल। उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से सुभाष चन्द्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2027 के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन https://awards.gov.in/ पोर्टल पर 30 सितंबर 2026 तक कर सकते हैं। उपायुक्त ने बताया कि व्यक्तियों और संगठनों के अमूल्य योगदान और निस्वार्थ सेवा भाव को पहचानने और सम्मानित करने के लिए सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार के नाम से वार्षिक पुरस्कार दिया जाता है। इस पुरस्कार की घोषणा हर साल 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर की जाती है। उन्होंने बताया कि केवल भारतीय नागरिक और भारतीय संस्थान ही पुरस्कार के लिए आवेदन करने के पात्र हैं। संस्थान स्वैच्छिक संगठनों, कॉरपोरेट संस्थाओं, शैक्षणिक अनुसंधान संस्थानों, प्रतिक्रिया/वर्दीधारी बलों या किसी अन्य संस्थान के लिए पुरस्कार के लिए एक संस्था के रूप में आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार के लिए उम्मीदवार ने देश में आपदा प्रबंधन जैसे रोकथाम, शमन, तैयारी, बचाव, प्रतिक्रिया, राहत, पुनर्वास, अनुसंधान/नवाचार या इस कार्य क्षेत्र में काम किया हो। उन्होंने बताया कि आवेदन के साथ आपदा प्रबंधन में किए गए कार्यों का विवरण होना चाहिए। पुरस्कार के संबंध में अधिक जानकारी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के पोर्टल पर उपलब्ध है।

हरियाणा सरकार द्वारा चीनी के स्टॉक की सीमा तय, पोर्टल पर पंजीकरण और नियमित अपडेट अनिवार्य :उपायुक्त

करनाल। उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग हरियाणा द्वारा भारत सरकार के निर्देशों की अनुपालना में चीनी के स्टॉक की सीमा निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि चीनी के किसी भी डीलर/व्यापारी को 4000 क्विंटल से अधिक स्टॉक रखने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, डीलर चीनी के प्राप्त स्टॉक को 30 दिनों से अधिक समय तक जमा नहीं रख सकते। यह नियम 1 अगस्त 2026 से प्रभाव में आ चुका है और 30 नवंबर 2026 तक लागू रहेगा। यह सीमा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन डिपो के माध्यम से वितरण करने वाले नामित डीलरों तथा सरकारी स्टॉक पर लागू नहीं होगी। उन्होंने बताया कि सभी चीनी डीलरों के लिए भारत सरकार के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग के पोर्टल (http-sÑ//foodstock.dfpd.gov.in/) पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण के तुरंत बाद डीलरों को अपने वर्तमान स्टॉक की जानकारी दर्ज करनी होगी तथा इसके बाद प्रत्येक शुक्रवार को पोर्टल पर अपना चीनी स्टॉक अनिवार्य रूप से अपडेट करना होगा।

‘पंजाब के मुख्यमंत्री केवल चुटकुले सुनाकर टाइम पास कर रहे हैं’

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने पंजाब के मुख्यमंत्री से पूछा-महिलाओं व युवाओं से किए वादों का क्या हुआ

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान केवल चुटकुले सुनाकर अपना टाइम पास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवंत मान बताएं कि आम आदमी पार्टी द्वारा पिछले चुनाव के समय महिलाओं व युवाओं से किए वादों का क्या हुआ? आम आदमी पार्टी ने महिलाओं से हर महीने 1000 रुपये देने का वादा किया था और सरकार बने 5 साल होने को है और अब अगले चुनाव सिर पर आ गए हैं तब भी पंजाब के मुख्यमंत्री स्टेज से महिलाओं से पूछ रहे हैं कि बहन एक महीने के पैसे खाते में डालूं या दो महीने के या तीन महीने के? यह मजाक नहीं तो और क्या है? इसी प्रकार कानून-व्यवस्था की खराब हालत के चलते इंडस्ट्री पंजाब से पलायन कर रही है जिससे युवाओं के सामने रोजगार का संकट खड़ा है, हताश-निराश युवा लगातार नशे के दलदल में धंसता जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी पंजाब के पटियाला जिले के घनौर कस्बे में आयोजित तीज महोत्सव में पंजाब की मातृशक्ति को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महिलाओं को नारी सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया।

उन्होंने महिलाओं को कोथलियां और सूट वितरित किए तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली महिला कलाकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व मंत्री श्री असीम गोयल, तीज महोत्सव के संयोजक श्री विकास शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले चुनाव में तो आम आदमी पार्टी ने पंजाब के लोगों को गुमराह करके वोट ले लिए लेकिन इस बार पंजाब की जनता, विशेषकर माताएं-बहनें पूरी तरह से जागरूक हैं। इस बार महिलाएं पंजाब में बदलाव करने के लिए तत्पर हैं और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से प्रभावित होकर वे पंजाब में भाजपा की सरकार बनाकर पुनः हंसता-खेलता पंजाब बनाएंगी। पंजाब का युवा वर्ग भी अब यहां भाजपा सरकार बनाने का मन बना चुका है। श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि हरियाणा में चुनाव से पहले हमने महिलाओं से 2100 रुपये प्रतिमाह देने का वादा किया था और सरकार बनते ही सबसे पहले यह वादा निभाया। सरकार ने पहले ही बजट में इसके लिए 5000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया तथा अब 10 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपये मिल रहे हैं। इसके अंतर्गत अब तक महिलाओं के खातों में 2000 करोड़ रुपये भिजवाए जा चुके हैं। इसी प्रकार सरकार 1.80 लाख रुपये सालाना आमदनी वाले परिवारों की रसोई में 500 रुपये में गैस सिलेंडर पहुंचा रही है। प्रदेश में स्वयं सहायता समूह चलाने वाली बहनों को मजबूत करने के लिए 20 लाख रुपये तक की आर्थिक मदद की जा रही है।

59वीं राज्य स्तरीय स्कूली कबड्डी प्रतियोगिता का चरखी दादरी में भव्य शुभारंभ

खेलों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र व राज्य सरकार की नीतियां ला रही हैं रंग : महीपाल ढांडा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा ने कहा कि शिक्षा और खेल जीवन में बहुत जरूरी हैं। खेलों से हम स्वस्थ रह सकते हैं। हमारी सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए कारगर नीति लागू कर रही है। परिणाम स्वरूप हरियाणा प्रदेश व भारत देश के खिलाड़ी ओलम्पिक जैसी विश्व स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में देश व प्रदेश का नाम विश्व में रोशन कर रहे हैं। उन्होंने युवा-खिलाडियों से खान-पान पर विशेष ध्यान रखने का आह्वान भी किया। शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा चरखी दादरी में कैप्टन जिले सिंह स्कूल परिसर में 59वीं तीन दिवसीय राज्य स्तरीय स्कूली कबड्डी खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ करने उपरांत बोल रहे थे। इस दौरान मंत्री श्री महीपाल ढांडा व विधायक श्री सुनील

सतपाल सांगवान ने प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया और उनका उत्साहवर्धन किया। तीन दिवसीय खेल स्पर्धा में प्रदेश के सभी जिलों से 14, 17 एवं 19 आयु वर्ग की कबड्डी टीमें हिस्सा ले रही हैं। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि मैदान में निष्ठा और खेल भावना के साथ पसीना बहा रहे यही युवा खिलाड़ी एक दिन ओलंपिक जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर तिरंगा लहराएंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ‘खेलो इंडिया’ जैसी राष्ट्रीय पहलों और हरियाणा सरकार की ‘खेल नीति’ ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को निखारने का काम किया है। केंद्र और राज्य सरकार की खेल प्रोत्साहन नीतियों, नगद पुरस्कारों और सरकारी नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था से आज प्रदेश के युवाओं को बेहतरीन अवसर मिल रहे हैं।

सुपर सीडर, बेलिंग मशीन पर अनुदान के लिए निकाला ऑनलाइन ड्रा

एजेंसी

करनाल। उप कृषि निदेशक डॉ जसविंदर सिंह ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा द्वारा किसानों को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के फसल अवशेष प्रबंधन घटक के तहत कृषि यंत्रों पर 50 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। उन्होंने बताया कि जिला में किसानों द्वारा 1964 मशीनों पर अनुदान के लिए आवेदन किया गया था। सामान्य वर्ग श्रेणी में 227 सुपर सीडर तथा 72 बेलिंग मशीन का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। लक्ष्य के अनुसार किसानों का चयन जिला स्तरीय कार्यकारी समिति द्वारा आज दोपहर 12.30 बजे लघु सचिवालय के सभागार में ऑनलाइन ड्रॉ के माध्यम से किया गया। जिन किसानों द्वारा उपरोक्त दो मशीनों को छोड़कर योजना में शामिल अन्य मशीनों के लिए आवेदन किया था उन्हें विभाग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। इसके अलावा अनुसूचित जाति के किसानों के आवेदनों को भी विभाग द्वारा मंजूर कर लिया गया है। सहायक कृषि अभियंता कुलबीर सिंह ने

सामान्य वर्ग श्रेणी में 227 सुपर सीडर तथा 72 बेलिंग मशीन का लक्ष्य प्राप्त हुआ था।

बताया कि योजना के दिशा-निर्देशानुसार, स्वीकृत आवेदनों एवं ड्रा में चयनित किसानों के दस्तावेजों की जांच के बाद पात्र किसानों को 25 अगस्त तक ऑनलाइन परमिट जारी कर दिए जाएंगे। इसके बाद किसान विभागीय पोर्टल से परमिट डाउनलोड करके 10 सितंबर तक मशीन खरीद सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए उप कृषि निदेशक कार्यालय व सहायक कृषि अभियंता कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

पवन कुमार मुटनेजा बने हरियाणा के नए एडवोकेट जनरल

प्रविंद्र सिंह चौहान की ली जगह

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा सरकार की ओर से पवन कुमार मुटनेजा को नया एडवोकेट जनरल (एजी) बनाया गया है। वे पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील हैं। उन्होंने प्रविंद्र सिंह चौहान की जगह ली है। प्रविंद्र सिंह चौहान को पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में एडिशनल जज नियुक्त किया गया है। उनके जज बनने से यह कुर्सी रिक्त हुई थी। पवन कुमार मुटनेजा की एडवोकेट जनरल के तौर पर नियुक्ति भारतीय संविधान के अनुच्छेद 165(1) के तहत राज्यपाल की ओर से तत्काल प्रभाव से की गई है। अधिसूचना के अनुसार मुटनेजा की नियुक्ति की शर्तें बाद में जारी की जाएंगी। यह आदेश अतिरिक्त मुख्य सचिव सुधीर राजपाल ने जारी की है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में मुटनेजा के पास लंबा अनुभव है। वे

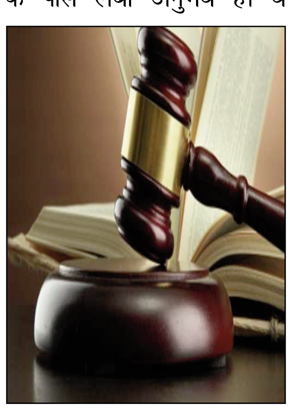

कानून क्षेत्र में लंबे वक्त से काम कर रहे हैं। उन्होंने कई मामलों में प्रतिनिधित्व किया है। मुटनेजा दीवानी, आपराधिक, श्रम और कंपनी कानून से जुड़े मामलों की पैरवी करते हैं। इससे पहले वे हरियाणा के महाधिवक्ता के तौर पर भी काम कर चुके हैं।

बता दें कि 5 मई को सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की ओर से पंजाब, हरियाणा और आंध्र प्रदेश के उच्च न्यायालयों में अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों को न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने की सिफारिश की गई थी।

बयान में कहा गया था कि सर्वोच्च न्यायालय कॉलेजियम की ओर से 4 मई को आयोजित अपनी बैठक में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में जिन अधिवक्ताओं की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी, उनमें प्रविंद्र सिंह चौहान, राजेश गौड़, और मिंदरजीत यादव के नाम शामिल था।

एसआईआर के तहत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर जिला प्रशासन सक्रिय : उपायुक्त

एजेंसी

रोहतक। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, हरियाणा के निर्देशानुसार जिले में एसआईआर 2026 (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी एवं अद्यतन बनाने का कार्य किया जा रहा है। उपायुक्त सतबीर सिंह ने जिलावासियों से आह्वान किया है कि वे इस विशेष अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं और यह सुनिश्चित करें कि उनका नाम मतदाता सूची में सही रूप से दर्ज हो। उन्होंने कहा है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यदि कोई नागरिक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, तो वह नया नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भर सकता है। इसी प्रकार किसी मतदाता का नाम स्थानांतरित हो गया है, मृत्यु हो गई है या अन्य कारणों से नाम हटवाना है तो फॉर्म-7 भरा जा सकता है। मतदाता सूची में नाम, आयु, पता, फोटो अथवा

अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर फॉर्म-8 के माध्यम से संशोधन करवाया जा सकता है। सतबीर सिंह ने बताया कि संबंधित फॉर्म आवश्यक दस्तावेजों एवं घोषणा पत्र के साथ जमा करवाए जाएं। अथवा अपने क्षेत्र के ईआरओ अथवा एईआरओ कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से आवेदन जमा करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान दिवस 22-23 अगस्त 2026 तथा 29-30 अगस्त 2026 को आयोजित किए जाएंगे। इन विशेष तिथियों यानी शनिवार व रविवार को बीएलओज अपने-अपने मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहेंगे। सभी पात्र नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि तक अपने आवेदन जमा करवाकर मतदाता सूची को सही एवं अद्यतन बनाने में सहयोग करें। आवेदन जमा करवाने की अंतिम तिथि 30 अगस्त 2026 है। उपायुक्त सतबीर सिंह ने कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें आमजन का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने जिले के सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों के नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाएं और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

एसडीएम करनाल देवेंद्र शर्मा ने एसआईआर विशेष दिवस पर बूथों का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

निरीक्षण के दौरान एसडीएम देवेंद्र शर्मा ने कहा एसआईआर से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध और सटीक तरीके से पूरे किए जाएं।

एजेंसी

करनाल। एसडीएम एवं सहायक निवार्चन अधिकारी देवेंद्र शर्मा ने आज करनाल विधानसभा में स्थापित विभिन्न एसआईआर बूथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बूथों पर एसआईआर प्रक्रिया के दौरान चल रहे दावे एवं आपत्तियों से संबंधित कार्यों का जायजा लिया और उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसडीएम ने बूथों पर अधिकारियों से अब तक पूरा किए गए एसआईआर कार्यों का रिकॉर्ड जांचा और लंबित आवेदनों का शीघ्र निपटारा करने के आदेश दिए। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि कार्य में पूरी

पारदर्शिता बरती जाए और बूथ पर आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान एसडीएम देवेंद्र शर्मा ने कहा एसआईआर से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध और सटीक तरीके से पूरे किए जाएं। आम जनता को सहायता प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत दावे एवं आपत्तियां प्राप्त करने के लिए विशेष अभियान तिथियां निर्धारित की गई हैं। इस अभियान के तहत आगामी 22, 23, 29 एवं 30 अगस्त, 2026 (शनिवार व रविवार) को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष दिवस आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस निर्धारित तिथियों पर सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बी.एल.ओ.) सुबह 9.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। पात्र नागरिक इन विशेष दिवसों के दौरान अपने मतदान केंद्रों पर जाकर मतदाता सूची से संबंधित अपने दावे व आपत्तियां जैसे नया नाम जुवाने, संशोधन करवाने आदि जमा करवा सकते हैं। उन्होंने करनाल वासियों और पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे इन विशेष तिथियों का लाभ उठाएं और मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने या संशोधन कराने के लिए निकटतम मतदान केंद्र पर अवश्य पहुंचें। इस अवसर पर संबंधित विभाग के कई अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

कैथल में हड़ताली सफाई कर्मियों ने सड़कों पर बिखेरा कचरा, आमजन हुआ परेशान

एजेंसी

कैथल। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल लंबी खिंचने के साथ शहर की सफाई व्यवस्था चरमराने लगी है। छह अगस्त से जारी हड़ताल को कर्मचारियों ने अब 24 अगस्त तक बढ़ा दिया है। सफाई व्यवस्था ठप होने से शहर के कई हिस्सों में कचरे के ढेर जमा हैं और हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। दो दिन से कचरा उठान नहीं होने के कारण शहर में करीब 400 टन कचरा जमा होने का अनुमान है।

स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब डोर-टू-डोर कचरा उठाने के लिए निकले वाहनों को सफाई कर्मचारियों ने कई स्थानों पर रोक दिया। माता गेट, पिहोवा चौक, कमेटी चौक और अंबाला रोड समेत अन्य स्थानों पर कर्मचारियों ने कचरा उठान का विरोध किया। कुछ जगहों पर कचरे से भरी गाड़ियों को रोककर सड़क पर ही कचरा बिखेर दिया गया। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बदबू के कारण लोग मुंह पर कपड़ा रखकर गुजरते नजर आए।शहर के मुख्य मार्गों और बाजारों के अलावा खाली प्लॉटों में भी कचरा जमा होने लगा है। कचरे के ढेरों में आवारा पशु और कुत्ते मुंह मार रहे हैं, जिससे संक्रमण और बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ गई है। शहर में प्रतिदिन करीब 100 से 120 टन कचरा निकलता है। ऐसे में

लगातार उठान नहीं होने से समस्या तेजी से बढ़ रही है।माता गेट, पिहोवा चौक, अंबाला रोड, पटियाला रोड, खनौरी बाइपास, करनाल रोड, चंदाना गेट, पुराना बस अड्डा, ढांड रोड, अर्जुन नगर, माडल टाउन, जींद रोड, सेक्टर-21, कुतुबपुर रेलवे फाटक रोड, राम नगर, कबूतर चौक सब्जी मंडी रोड और रेलवे गेट के आसपास कचरे के ढेर नजर आ रहे हैं।हड़ताल का असर केवल सफाई व्यवस्था तक सीमित नहीं है। नगर परिषद कार्यालय में भी पिछले करीब 16 दिनों से कामकाज प्रभावित है। विभिन्न प्रमाण पत्रों और नगर परिषद से जुड़े कार्यों के लिए आने वाले लोगों को वापस लौटना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि करीब 1300 जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, 1200 डोमिसाइल और 400 विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र लंबित हैं। विकास कार्यों से जुड़े काम भी प्रभावित हुए हैं।सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का असर नगर परिषद के अलावा सीवन, कलायत, गुहला-चीका, पूंडरी और राजौंद की नगर पालिकाओं में भी देखने को मिल रहा है।जिला पालिका आयुक्त कपिल शर्मा ने बताया कि कचरा उठान को लेकर संबंधित एजेंसी के अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में भी लाया गया है। उच्च स्तर से आदेश मिलने के बाद उसी के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर राष्ट्र निर्माण में निभाएं अहम भूमिका : रामकुमार कश्यप

एजेंसी

करनाल: महिला सशक्तिकरण की ओर से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में इंद्री विधायक एवं चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर महिला सशक्तिकरण के प्रदेश अध्यक्ष शमशेर सिंह कश्यप सहित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने विधायक रामकुमार कश्यप का फूल-मालाएं पहनाकर एवं बुके भेंट कर जोरदार स्वागत किया। महिला विंग की टीम ने भी मुख्य अतिथि का अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि महिला सशक्तिकरण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष शमशेर सिंह कश्यप और उनकी पूरी टीम को इस पहल के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा जिला और ब्लॉक स्तर पर की गई नियुक्तियों से संगठन को मजबूती मिलेगी। नियुक्त किए गए पदाधिकारी गांव-गांव जाकर केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुंचाने का कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं स्वयं जागरूक होकर दूसरी महिलाओं को जागरूक करेंगी तो निश्चित रूप से हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और वे राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। रामकुमार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के उत्थान और उन्हें राजनीति में अधिक भागीदारी देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

सोने में रिकॉर्ड तोड़ उछाल, एक सप्ताह में 7,960 रुपए तक महंगा हुआ सोना

- दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1.63 लाख प्रति 10 ग्राम के पार, मुंबई में भी कीमतें 1.63 लाख से अधिक

नई दिल्ली ।

पिछले एक सप्ताह में देश भर में सोने की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की गई है। 24 कैरेट सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम में भारी उछाल आया है, जबकि अन्य कैरेट के सोने में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई है। यह तेजी वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में सोने की मांग में वृद्धि का परिणाम है। देश के कई शहरों में पिछले एक सप्ताह के दौरान सोने की कीमतों में जोरदार तेजी देखी गई है। 24 कैरेट वाले सोने की कीमत में प्रति 10 ग्राम 7,960 रुपये तक का इजाफा हुआ है। इसी अवधि में, 22 कैरेट गोल्ड 7,300 रुपये और 18 कैरेट सोने की कीमत में 5,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। रे विवार को राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट वाले सोने की कीमत 1.63 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार हो चुकी है। मुंबई में भी इसकी कीमत 1,63,090 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 4,600.91 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार कर रहा है, जो वैश्विक स्तर पर कीमतों में मजबूती का संकेत देता है। आंकड़ों के अनुसार 16 अगस्त को जहां 24 कैरेट सोना 1,55,280 रुपये प्रति 10 ग्राम था, वहीं 23 अगस्त को यह 1,63,240 रुपये पर पहुंच गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,350 रुपये से बढ़कर 1,49,650 रुपये और 18 कैरेट सोना 1,16,500 रुपये से बढ़कर 1,22,470 रुपये हो गया है। यह उछाल निवेशकों के लिए सोने को एक सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में दर्शाता है।

शीर्ष 10 में से 4 कंपनियों का मार्केट कैप 87,960 करोड़ घटा

भारती एयरटेल को सर्वाधिक 28,052 करोड़ का नुकसान; एलआईसी और रिलायंस में बढ़त

मुंबई ।

स्थानीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह जारी नरमी के बीच शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 87,960.29 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई, जिसमें दूरसंचार दिग्गज भारती एयरटेल को सर्वाधिक नुकसान उठाना पड़ा है। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 468.42 अंक यानी 0.60 प्रतिशत नीचे आया, वहीं एनएसई निफ्टी में भी 114 अंक की गिरावट रही। इस बाजार गिरावट का सबसे बड़ा शिकार भारती एयरटेल रही, जिसका बाजार पूंजीकरण 28,052.96 करोड़ रुपये घट गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 22,070.34 करोड़ रुपये कम हुआ, जबकि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के मार्केट कैप में 20,861.20 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में 16,975.79 करोड़ रुपये की कमी आई। हालांकि इस नकारात्मक रुख के उलट छह कंपनियों ने अपने बाजार पूंजीकरण में वृद्धि दर्ज की। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 12,650 करोड़ रुपये बढ़कर 5,35,980.31 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 8,119.53 करोड़ रुपये की बढ़त हासिल कर अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। लार्सन एंड टुब्रो के मार्केट कैप में 3,487.83 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस में 3,424.28 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक में 752.47 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक में 356.95 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की गई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

कच्चे तेल में उछाल, भारत में ईंधन की कीमतें स्थिर

ब्रेंट क्र ड 94.39 प्रति बैरल, पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं, ब्रेंट क्रूड रे विवार को 0.65 फीसदी की तेजी के साथ 94.39 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। हालांकि, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में फिलहाल कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। राजधानी दिल्ली में रे विवार को पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। नोएडा में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.56 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। गुरुग्राम में पेट्रोल 102.97 रुपये और डीजल 95.64 रुपये प्रति लीटर पर है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पेट्रोल 114.57 रुपये और डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

ईरान-अमेरिका संघर्ष और पश्चिम एशिया में अनिश्चितता भी वैश्विक बाजारों को प्रभावित करेगी

मुंबई।

पिछले सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में गिरावट झेलने के बाद भारतीय शेयर बाजार आगामी सप्ताह में वैश्विक कारकों से प्रभावित रहेगा। निवेशकों की नजर खास तौर पर पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी।

ईरान और अमेरिका के बीच 60 दिन की अस्थायी युद्ध विराम अवधि समाप्त होने और कोई नया समझौता न होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम एक बार फिर 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गए हैं। आगामी सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच सीमित दायरे में कारोबार देखने को मिल सकता है।

बाजार की चाल मुख्यतः वैश्विक संकेतों, पश्चिम एशिया के तनाव, कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड पर निर्भर करेगी। ईरान-अमेरिका संघर्ष और पश्चिम एशिया में अनिश्चितता वैश्विक बाजारों को प्रभावित करेगी।

ब्रेंट क्रूड की ऊंची कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार पर दबाव बना रही हैं। अमेरिकी बाजारों का मिला-जुला रुख और बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव निवेशकों को सतर्क रखेंगे।

चुनिंदा मिडकैप, स्मॉलकैप, डिफेंस या बैंकिंग शेयरों में खरीदारी का रुझान दिख सकता है। निफ्टी और सेंसेक्स के एक निश्चित दायरे में रहने की उम्मीद है, इसलिए आक्रामक लॉन्ग पोजीशन लेते समय स्टॉप-लॉस का कड़ाई से पालन करें। ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली की संभावना है, अतः केवल गुणवत्ता वाले शेयरों में ही निवेश करें।

अगले हफ्ते 50 से अधिक कंपनियां निवेशकों को बांटेंगी मुनाफा

एक शेयर पर 60 रुपए तक कमाने का मौका

नई दिल्ली।

आने वाला सप्ताह शेयर बाजार में निवेशकों के लिए लाभांश (डिविडेंड) से कमाई का एक खास अवसर लेकर आ रहा है। 24 से 28 अगस्त के बीच कई प्रमुख कंपनियां अपने शेयरों को एक्स-डिविडेंड करेंगी, जिससे निवेशकों को इन लाभांश का लाभ उठाने के लिए सही रणनीति अपनानी होगी। यह अवधि उन निवेशकों के लिए अहम है जो लाभांश से होने वाली आय में दिलचस्पी रखते हैं। इस विशेष सूची में जिलेट इंडिया, दीपक फर्टिलाइजर्स, पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी), प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया, एनबीसीसी, पॉली मेडिक्योर और वर्धमान टेक्सटाइल्स जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। इन कंपनियों ने अपने निवेशकों के लिए 0.05 से लेकर 60 रुपए प्रति शेयर तक के लाभांश की घोषणा की है। लाभांश का लाभ उठाने के लिए निवेशकों को एक्स-डिविडेंड डेट और रिकॉर्ड डेट्स को समझना अत्यंत आवश्यक है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार, इन निर्धारित तारीखों के बाद खरीदे गए शेयरों पर आमतौर पर मौजूदा लाभांश का अधिकार नहीं मिलता। निवेशकों को केवल उच्च लाभांश राशि को देखकर ही निवेश नहीं करना चाहिए।

एसबीआई का कारोबार 2030 तक 200 लाख करोड़ पहुंचने का अनुमान

बैंक चेयरमैन ने मौजूदा वृद्धि दर और अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन से जोड़ा अनुमान

नई दिल्ली।

देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का कुल कारोबार वर्ष 2030 तक 200 लाख करोड़ रुपए के विशाल आंकड़े को छू सकता है। बैंक के चेयरमैन सीएस. शेट्टी ने यह अनुमान मौजूदा वृद्धि दर और भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत गति के आधार पर व्यक्त किया है, जो बैंक के 75वें स्थापना दिवस के करीब एक बड़ी उपलब्धि होगी। चेयरमैन शेट्टी ने एक साक्षात्कार में बताया कि यदि भारतीय अर्थव्यवस्था 7-8 प्रतिशत की दर से बढ़ती है, तो एसबीआई के बही-खाते में सालाना 11-12 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है, जिससे बैंक का कारोबार लगभग हर छह साल में दोगुना हो जाएगा। जून 2023 के अंत में एसबीआई का कुल कारोबार 110.01 लाख करोड़ रुपए था। उन्होंने स्पष्ट किया कि 200 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा कोई औपचारिक लक्ष्य नहीं, बल्कि मौजूदा रुझानों पर आधारित एक संभावित स्तर है। एसबीआई ने अपने 'दृष्टिकोण 2030' के तहत ग्राहकों, कर्मचारियों, शेयरधारकों तथा सरकार और नियामकों को प्राथमिकता दी है। बैंक कृषि, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) और ग्रामीण अर्थव्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को समर्थन देने के साथ-साथ बचत जुटाने में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। पूंजी के मोर्चे पर, बैंक साझा इक्विटी टियर-1 (सीईटी1) अनुपात लगभग 12 प्रतिशत और पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) लगभग 15 प्रतिशत बनाए रखने का लक्ष्य रखता है।

त्योहारों से पहले खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव- सस्ते आयातित मजबूत, महंगे देसी नरम

- घरेलू तेल 20-24 रुपए प्रति किलो महंगे होने से मांग प्रभावित, आयातित तेलों की धूम

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। देशी तेलों के मुकाबले 20-24 रुपए प्रति किलो सस्ता होने के कारण सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन जैसे आयातित खाद्य तेलों के दाम मजबूत हुए। वहीं ऊंचे दाम के चलते घरेलू सरसों तेल-तिलहन और सोयाबीन तिलहन में गिरावट दर्ज की गई।

बाजार सूत्रों के अनुसार देशी तेलों की तुलना में सस्ता होने से आगामी त्योहारों में मांग बढ़ने के कारण आयातित सोयाबीन तेल, सीपीओ और पामोलीन के दाम मजबूत रहे। विदेश में मजबूती के बावजूद आयातक इन्हें लागत से नीचे बेच रहे हैं, जिससे इनकी औद्योगिक मांग बढ़ी है। दूसरी ओर ऊंचे दाम के चलते लिवाली प्रभावित रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम मामूली रूप से गिरे। सोयाबीन संयंत्रों द्वारा खरीद मूल्य घटाए जाने से सोयाबीन तिलहन में भी गिरावट आई। मूंगफली तेल-तिलहन के दाम ऊंचे भाव पर कमजोर मांग के बीच स्थिर बने रहे। बिनौला तेल की उपलब्धता कम होने और ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने से इसके दाम में सुधार देखा गया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की गिरावट के साथ 8,250-8,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सरसों तेल दादरी 50 रुपये की गिरावट के साथ 16,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल भी क्रमशः 5-5 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,720-2,820 रुपये और 2,720-2,870 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 125-125 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 6,775-6,825 रुपये और 6,625-6,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,800 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 200 रुपये के सुधार के साथ 12,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 7,350-7,925 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,680-2,980 रुपये प्रति टिन पर स्थिर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम भी 250 रुपये के सुधार के साथ 13,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पामोलीन दिल्ली 275 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल 275 रुपये के सुधार के साथ 14,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। ब्रांडेड कंपनियों की औद्योगिक मांग बढ़ने और उपलब्धता कम रहने के बीच बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 17,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

महिंद्रा लाइफस्टाइलर पिकअप से वैश्विक बाजार में बढ़ाएगी मौजूदगी

कंपनी कई देशों में उतारेगी नया मॉडल, भारत में 2027 में होगा लॉन्च

नई दिल्ली

घरेलू वाहन विनिर्माता महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) अपने नए पिकअप वाहन स्कॉर्पियो लाइफस्टाइलर के साथ वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की तैयारी में है। कंपनी का लक्ष्य दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पश्चिम एशिया और लातिनी अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में इस मॉडल को उतारना है। महिंद्रा के एक कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि यह वाहन भारत में अप्रैल 2027 में स्कॉर्पियो लाइफस्टाइलर नाम से पेश किया जाएगा, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में इसे महिंद्रा लाइफस्टाइलर के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने जोर दिया कि इस पिकअप को विशेष रूप से वैश्विक जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है और यह कंपनी की वैश्विक विकास रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने दक्षिण-पूर्व एशियाई

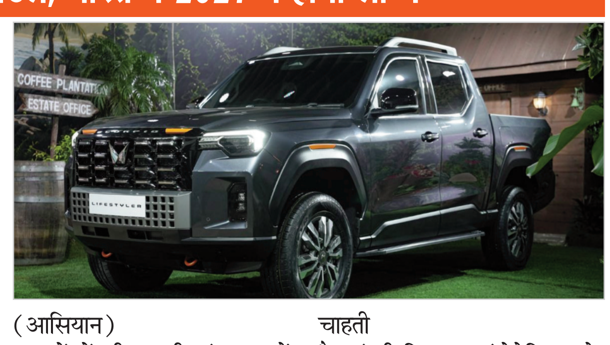

(आसियान) बाजारों में भी इसकी संभावनाओं का जिक्र किया, जहां कंपनी नए उत्पादों के साथ अपनी पैठ बढ़ाना चाहती है। कंपनी फिलहाल इंडोनेशिया को छोड़कर आसियान क्षेत्र के अन्य बाजारों में मौजूद नहीं है।

टाटा स्टारबक्स अपने स्टोर की संख्या बढ़ाने की तैयारी में

मुंबई ।

भारत में कॉफी चेन स्टारबक्स एक बार फिर आक्रामक विस्तार रणनीति अपनाने जा रही है। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. (टीसीपीएल) के एक अधिकारी ने बताया कि पिछले डेढ़-दो साल में कारोबारी मॉडल को नए सिरे से तैयार करने के बाद कंपनी को कारोबार में स्पष्ट सुधार के संकेत मिले हैं, जिसके चलते अब स्टोर खोलने की रफ्तार बढ़ाई जाएगी। टाटा स्टारबक्स ने लगातार चार तिमाहियों में समान स्टोर बिक्री में वृद्धि दर्ज की है और अब बिक्री में तेजी भी दिख रही है। वर्तमान में भारत में करीब 500 स्टारबक्स कैफे संचालित करने वाली टाटा स्टारबक्स की योजना अब मौजूदा लगभग 80 शहरों में ही स्टोर की संख्या (घनत्व) बढ़ाने पर है, न कि केवल नए शहरों में पहुंचने पर। डिसूजा ने बताया कि कंपनी ने पिछले दो वर्षों में स्टोर के आकार, प्रति स्टोर पूंजीगत खर्च और पेय पदार्थों की कीमतों सहित अपने पूरे कारोबारी मॉडल की समीक्षा की है, ताकि इसे अधिक टिकाऊ बनाया जा सके। जून तिमाही में टाटा स्टारबक्स का राजस्व 11 प्रतिशत बढ़ा और इस दौरान चार नए स्टोर भी खोले गए, जिनमें दो रिजर्व स्टोर शामिल हैं। टीसीपीएल के अधिकारी ने जून में कहा था कि टाटा स्टारबक्स की दीर्घावधि महत्वाकांक्षा चीन के स्तर (लगभग 8,000 स्टोर) तक पहुंचने की है।

एफपीआई ने अगस्त में अब तक शेयर बाजार में डाले 23,544 करोड़

इस वर्ष अब तक विदेशी निवेशक शेयरों में 2,30,000 करोड़ से अधिक की बिकवाली कर चुके

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अगस्त में भारतीय शेयर बाजार में अपनी लिवाली तेज कर दी है, इस महीने अब तक 23,544 करोड़ रुपये का बड़ा निवेश किया है।

जुलाई में किए गए 20,200 करोड़ रुपये के निवेश के बाद यह लगातार दूसरे महीने की लिवाली है, जो चार महीनों की भारी बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों के रुख में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों, रुपये की स्थिरता और बाजार की मजबूत संभावनाओं ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने जून से मार्च तक लगातार चार महीनों में भारी पूंजी निकाली थी। हालांकि, हाल की इस खरीदारी के बावजूद, इस वर्ष अब तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयरों में 2,30,000 करोड़ रुपये से अधिक की शुद्ध बिकवाली कर चुके हैं, जो पिछले वर्ष की कुल निकासी से भी अधिक है। बाजार के जानकारों ने बताया कि पहली तिमाही के बेहतर कॉर्पोरेट नतीजे, रुपये की स्थिरता और व्यापक

बाजार की मजबूत वृद्धि संभावनाएं एफपीआई की वापसी के मुख्य कारण हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि विदेशी निवेशक बड़े बैंकिंग और आईटी शेयरों के बजाय, अपेक्षाकृत ऊंचे मूल्यांकन के बावजूद चुनिंदा मझोली कंपनियों के शेयरों में पैसा लगा रहे हैं। आगे चलकर बाजार की दिशा कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच भू-राजनीतिक तनाव जैसे वैश्विक घटनाक्रमों से प्रभावित होगी, जिस पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी।

टैरिफ वॉरः अमेरिका पर कनाडा का पलटवार, पीएम कार्नी बोले हम पर हमला हुआ

ट्रंप प्रशासन की अंतिम पेशकश नामंजूरः एक साल से ज्यादा चली बातचीत टूटी

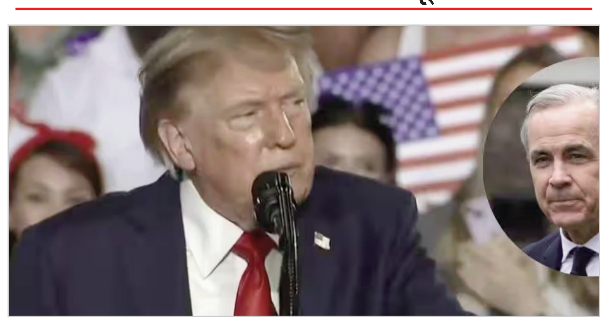

नई दिल्ली ।

अमेरिका और कनाडा के बीच चल रहा व्यापार विवाद अब खुलकर टैरिफ वॉर में बदल गया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के खिलाफ जवाबी शुल्क लगाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 8 सितंबर से कनाडा अमेरिकी सामान पर 'डॉलर के बदले डॉलर' के हिसाब से टैरिफ लगाएगा। कार्नी ने टेलीविजन पर कहा कि जब किसी देश पर हमला होता है तो वह युद्ध की स्थिति में होता है और कनाडा पर भी एक तरह से हमला हुआ है। कनाडा के नए जवाबी शुल्क डेयरी उत्पाद, स्टील, घरेलू उपकरण, खेती में इस्तेमाल होने वाले उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स और पल्प एवं पेपर सहित कई अमेरिकी सामानों पर लागू होंगे। दूसरी तरफ, अमेरिका ने शनिवार की शुरुआत में कनाडा के सामान पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया था, जिसमें हॉकी स्टिक सहित औद्योगिक सामान शामिल थे। कार्नी ने बताया कि कनाडा अमेरिकी एल्युमिनियम, स्टील और मोटर वाहनों पर मौजूदा जवाबी टैरिफ हटाने को तैयार था। लेकिन ट्रंप प्रशासन की अंतिम पेशकश स्वीकार्य नहीं थी, क्योंकि अमेरिका ने बहुत ज्यादा मांग की और बदले में बहुत कम देने की पेशकश की। कार्नी ने स्पष्ट किया कि कनाडा अपनी संप्रभुता से समझौता नहीं करेगा। एक साल से ज्यादा समय से चली आ रही बातचीत बेनतीजा रही, जिसके बाद कार्नी ने बातचीत रोकने का फैसला किया।

कार्नी ने आरोप लगाया कि बातचीत के आखिरी दौर में अमेरिका ने अपनी शर्तों में बदलाव कर दिया, जिससे कनाडा में बने वाहनों को मिलने वाली टैरिफ रियायतें कम हो जातीं और उसकी संप्रभुता पर भी असर पड़ता। उनके मुताबिक, दोनों देशों के बीच पुराने जैसे रिश्ते अब नहीं रहेंगे।

यूपीआई ग्राहकों की जेब सुरक्षित! एमडीआर का बोझ रोकने की तैयारी

आरबीआई के पुराने नियम का सहारा, डेबिट कार्ड मॉडल पर बनेगी नई नीति, छोटे दुकानदारों के लिए यूपीआई रहेगा मुफ्त

नई दिल्ली

देश में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) का इस्तेमाल करने वाले करोड़ों लोगों के लिए एक अच्छी खबर है। सरकार और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपलसीआई) एक ऐसी योजना पर काम कर रहे हैं, जिससे यूपीआई पर लागू होने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) का बोझ ग्राहकों की जेब पर न पड़े। इसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के उस पुराने नियम को आधार बनाया जा सकता है, जो डेबिट कार्ड से भुगतान पर दुकानदारों को ग्राहकों से अतिरिक्त शुल्क लेने से रोकता है। चूंकि यूपीआई पिछले छह सालों से मुफ्त है, इसलिए इस तरह के नियम की आवश्यकता नहीं पड़ी थी। लेकिन अब जब बड़े व्यापारियों पर शुल्क लगाने की चर्चाएं हो रही हैं, तो इस बात का डर है कि व्यापारी इसे ग्राहकों से वसूलना शुरू न कर दें। इसी आशंका को दूर करने के लिए एनपीसीआई अपने यूपीआई सर्कुलर में भी डेबिट कार्ड वाले नियम की तरह एक क्लॉज जोड़ने पर विचार कर रहा है। दिसंबर 2017 में आरबीआई ने डेबिट कार्ड के लेनदेन पर बैंकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि दुकानदार यह शुल्क ग्राहकों से न वसूलें। यूपीआई पर इस नियम को लागू कराने की अंतिम जिम्मेदारी आरबीआई की ही होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) पहले ही यह स्पष्ट कर चुके हैं कि यदि यूपीआई पर एमडीआर लागू होता भी है, तो वह सिर्फ व्यापारियों के लिए होगा, आम ग्राहकों के लिए नहीं। इसके अलावा, छोटे दुकानदारों को इस दायरे से बाहर रखा जाएगा और उनके लिए यूपीआई सेवाएं मुफ्त ही रहेंगी।

गैजेट नोटिफिकेशन आने के बाद एनपीसीआई और यूपीआई स्टीयरिंग कमेटी मिलकर एमडीआर का ढांचा तय करेंगी। हालांकि, कागजों पर नियम बनाना आसान है, लेकिन इसे जमीन पर उतारना चुनौती भरा होगा। फिनटेक इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का मानना है कि बैंकों के लिए इसे लागू कराना मुश्किल होगा। यदि कोई दुकानदार ग्राहक से जबरन शुल्क वसूलता है, तो बैंक तभी कार्रवाई करेंगे जब ग्राहक शिकायत दर्ज कराएगा।

भारत का दक्षिण अमेरिका पर फोकस, व्यापार विस्तार को वाणिज्य सचिव की हरी झंडी

चिली से वृहद समझौता, अर्जेंटीना व ब्राजील संग मर्कोसुर पीटीए विस्तार एजेंडे में

नई दिल्ली ।

भारत अपनी व्यापार विविधीकरण रणनीति के तहत दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ आर्थिक संबंधों को गहरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी क्रम में वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल 24 से 28 अगस्त तक चिली, अर्जेंटीना और ब्राजील की यात्रा करेंगे, जहां वे प्रमुख व्यापार समझौतों की समीक्षा और विस्तार पर चर्चा करेंगे। यह दौरा इन तेजी से बढ़ते बाजारों में भारत की पहुंच बढ़ाने की महत्वपूर्ण पहल है। यात्रा के दौरान अग्रवाल चिली के साथ प्रस्तावित वृहद आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) की प्रगति का मूल्यांकन करेंगे, जो अंतिम चरण में है। बाजार पहुंच और महत्वपूर्ण खनिज जैसे मुद्दे लंबित हैं। यह समझौता 2006 के तरजीही व्यापार समझौते का स्थान लेगा और डिजिटल सेवाओं व निवेश को भी शामिल करेगा। 2025-26 में भारत-चिली व्यापार 66.45 प्रतिशत बढ़कर 6.25 अरब डॉलर (रुपए) हो गया, जो सबसे तेज वृद्धि है। अर्जेंटीना और ब्राजील के साथ बैठकों में भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते के दायरे को व्यापक बनाने पर विचार किया जाएगा, जिसमें वर्तमान में केवल लगभग 450 शुल्क लाइनें शामिल हैं।

ब्राजील के साथ विश्व व्यापार संगठन में चल रहे चीनी विवाद पर भी चर्चा की उम्मीद है। ये देश चीन पर निर्भरता कम करने के विकल्प तलाश रहे हैं, जिससे भारत के लिए नए व्यापारिक अवसर खुलेंगे। 2025-26 में अर्जेंटीना के साथ भारत का व्यापार 5.96 अरब डॉलर (रुपए) और ब्राजील के साथ 15 अरब डॉलर (रुपए) रहा। यह पहल नए बाजारों की तलाश और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की भारत की व्यापक रणनीति का अहम हिस्सा है।

जेन अल्फा:स्कूल सुधार से लोकतांत्रिक चेतना तक

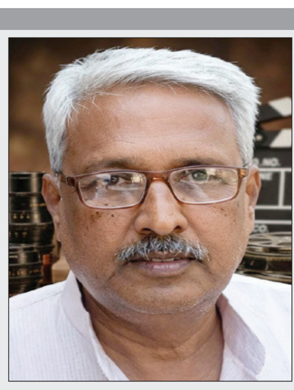

राज कुमार सिन्हा

सरकारी शिक्षा की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरती नई पीढ़ी सिर्फ सुविधाएं नहीं, जवाबदेही मांग रही है। भारत में एक नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपने सामाजिक और राजनीतिक तेवर का परिचय दे रही है। यह जेन अल्फा जिसने मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो और सोशल मीडिया की दुनिया में आंखें खोली है। अभी यह पीढ़ी मतदान की उम्र में नहीं पहुंची है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा सीखने के लिए उसे अठारह वर्ष का इंतजार नहीं है।

भारत की सरकारी शिक्षा व्यवस्था की बदहाली का कोई एक अकेला कारण नहीं है, बल्कि इसके पीछे अपर्याप्त बजट आवंटन, बुनियादी ढांचे की कमी और जवाबदेही का अभाव है।स्कूलों में नियमित शिक्षकों के पद खाली पड़े हैं और जो शिक्षक हैं, उनका शिक्षण स्तर व प्रशिक्षण आधुनिक समय के अनुकूल नहीं है।शिक्षा प्रणाली कौशल विकास या व्यावहारिक ज्ञान के बजाय केवल परीक्षा में अंक लाने और रटने पर जोर देती है। सरकारी शिक्षा की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरती नई पीढ़ी सिर्फ सुविधाएं नहीं, जवाबदेही मांग रही है। भारत में एक नई पीढ़ी धीरे-धीरे अपने सामाजिक और राजनीतिक तेवर का परिचय दे रही है। यह जेन अल्फा जिसने मोबाइल, इंटरनेट, वीडियो और सोशल मीडिया की दुनिया में आंखें खोली है। अभी यह पीढ़ी मतदान की उम्र में नहीं पहुंची है, लेकिन लोकतंत्र की भाषा सीखने के लिए उसे अठारह वर्ष का इंतजार नहीं है। जुलाई और अगस्त 2026 में उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान तक सरकारी तथा सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के बच्चों के आंदोलनों की जो श्रृंखला दिखाई दी है, वह इसी बदलाव का संकेत है। इन आंदोलनों की मांगें किसी राजनीतिक दल के घोषणापत्र से नहीं निकली है। वे बेहद बुनियादी हैं, शिक्षक चाहिए, पंखे चाहिए, साफ पानी चाहिए, शौचालय चाहिए, अच्छा भोजन चाहिए, सड़क चाहिए और सुरक्षित स्कूल चाहिए। लेकिन इन छोटी दिखाई देने वाली मांगों के भीतर भारतीय शिक्षा व्यवस्था की एक बहुत बड़ी विफलता छिपी हुई है। लखनऊ के जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय की छात्राओं का हालिया आंदोलन इस बदलते माहौल का सबसे ताजा उदाहरण है। करीब 250 छात्राएं भारी बारिश के बीच स्कूल से बाहर निकलीं और सड़क पर उतरकर यातायात रोक दिया। उनकी शिकायतों में शिक्षकों की कमी और बुनियादी सुविधाओं का अभाव प्रमुख था। रिपोर्टों के अनुसार विज्ञान विषयों में शिक्षकों की कमी ने उनकी पढ़ाई को प्रभावित किया है। यह घटना अकेली नहीं है। कुछ दिन पहले इसी क्षेत्र में स्कूली बच्चों के विरोध और सड़क जाम की घटनाएं सामने आ चुकी थी। यानी बच्चों ने यह संदेश दे दिया है कि स्कूल के भीतर शिकायत की सुनवाई नहीं होती तो वे स्कूल के बाहर अपनी आवाज सुनाएंगे। यह आवाज अब एक जिले या एक राज्य तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले के किशनपुर स्थित सर्वोदय इंटर कॉलेज में लगभग 1500 विद्यार्थियों ने कई घंटे धरना दिया। उनकी मांगों में साफ पीने का पानी, काम करने वाले पंखे, स्वच्छ शौचालय, फर्नीचर, पुस्तकालय और अन्य बुनियादी सुविधाएं शामिल थी। प्रशासन को छात्रों के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करनी पड़ी और कई मांगों पर कार्रवाई का आश्वासन देना पड़ा। हमीरपुर में बच्चे स्कूल तक पहुंचने के लिए पक्की सड़क की मांग को लेकर तिरंगा लेकर जिला मुख्यालय तक पहुंचे। कीचड़ और दलदल से गुजरकर स्कूल पहुंचना उनकी रोजमर्रा की समस्या थी। बिहार के गया जिले में बच्चों ने खराब मध्याह्न भोजन,

जिसमें कीड़े मिलने की शिकायत भी सामने आई, खराब पानी, गंदे शौचालय, पंखों और फर्नीचर की कमी के खिलाफ लगभग चार किलोमीटर मार्च किया।मध्य प्रदेश में भी यह लहर दिखाई दे रही है। छिंदवाड़ा के तामिया स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने मेस के भोजन की गुणवत्ता को लेकर बारिश में सड़क पर बैठकर विरोध किया। उनकी शिकायतों में भोजन में कीड़े मिलने और स्वास्थ्य तथा खेल सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दे शामिल थे।

उज्जैन में कई सरकारी स्कूलों की छात्राओं ने स्कूलों को शहर से दूर स्थानांतरित करने की योजना के खिलाफ कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। छात्राओं का तर्क था कि दूर जाने से यात्रा का समय और खर्च बढ़ेगा तथा गरीब परिवारों की लड़कियों की पढ़ाई छूट सकती है। बच्चीयों के दबाव में कलेक्टर ने स्कूल स्थानांतरित करने के निर्णय को रोक दिया है। सिरोंज में छात्राओं के विरोध के बाद रियायती बस किराया 10 रुपये से बढ़ाकर 25 रुपये करने का फैसला वापस लेना पड़ा। महाराष्ट्र में भी शिक्षक अनुपस्थिति, शौचालय और पानी जैसे सवालों पर विद्यार्थियों के विरोध सामने आए हैं। यानी अलग-अलग राज्यों में बच्चे अलग-अलग स्कूलों में हैं, लेकिन उनकी शिकायतों की भाषा लगभग एक जैसी है। असल में ये आंदोलन सरकारी शिक्षा व्यवस्था के उस मॉडल पर सवाल उठा रहा है, जिसमें स्कूल का भवन तो बना दिया जाता है, लेकिन शिक्षक नहीं होते, शौचालय बना दिया जाता है लेकिन पानी नहीं होता, छात्रावास बना दिया जाता है लेकिन भोजन की गुणवत्ता और स्वास्थ्य सुविधाओं की निगरानी नहीं होती, सड़क का बजट स्वीकृत हो जाता है लेकिन बच्चे बारिश में कीचड़ से गुजरते रहते हैं। उनके लिए शिक्षा केवल किताब और परीक्षा नहीं है। शिक्षा का अर्थ है, कक्षा में शिक्षक, पीने का पानी, शौचालय, भोजन, बिजली, सुरक्षा, परिवहन और सम्मान। यही कारण है कि इन आंदोलनों में सबसे मुखर आवाज लड़कियों की दिखाई दे रही है। वे शिक्षा के साथ-साथ सुरक्षा और आवागमन के सवाल को भी सीधे जोड़ रही हैं। जेन जी से जेन अल्फा तक आंदोलन की तकनीक बदल रही है। अब इसका असर स्कूली बच्चों के आंदोलनों में दिखाई दे रहा है। बच्चा दूसरे जिले में हुए आंदोलन को देखता है और समझता है, 'अगर वहां के बच्चों ने अपनी मांग मनवाई है, तो हम भी अपनी आवाज उठा सकते हैं।' यही वह मनोवैज्ञानिक बदलाव है जो आने वाले वर्षों में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। जेन अल्फा की सबसे बड़ी ताकत उसकी डिजिटल पहुंच है। ट्विटर, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे लोकप्रिय एप्लिकेशन 21वीं सदी के युवा कार्यकर्ताओं के लिए नवीनतम उपकरण बन गए हैं। पिछली पीढ़ी में किसी सरकारी स्कूल की खराब स्थिति की शिकायत प्रधानाचार्य, शिक्षक, पंचायत या स्थानीय जनप्रतिनिधि तक सीमित रह जाती थी। शिकायत के बाद फाइल चलती थी और कई बार मामला वहीं समाप्त हो जाता था। आज बच्चे स्कूल के टूटे पंखे, गंदे शौचालय, खराब भोजन, कीचड़ भरे रास्ते या पानी की समस्या का वीडियो बना सकते हैं। फिर वही वीडियो कुछ घंटों में हजारों लोगों तक पहुंच सकता है। इससे स्थानीय समस्या सार्वजनिक जवाबदेही का विषय बन जाती है। यह परिवर्तन महत्वपूर्ण है क्योंकि सोशल मीडिया ने बच्चों को सिर्फ दर्शक नहीं रखा है, उसने उन्हें दस्तावेज बनाने वाला नागरिक बना दिया है। अभी इसे देशव्यापी, एकीकृत और औपचारिक जेन अल्फा को राष्ट्रीय आंदोलन कहना उचित नहीं होगा। यह साफ तौर पर कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं है और इस आंदोलन का कोई 'नेता' नहीं है। अगर इस आंदोलन का नेतृत्व भी 'नेताओं' द्वारा किया जा रहा होता, तो यह उस मुकाम पर नहीं जा पाता, जहां तक पहुंच गया है। लेकिन इतिहास में बड़े आंदोलन हमेशा किसी एक दिन में राष्ट्रीय संगठन बनकर पैदा नहीं होते। वे पहले छोटे-छोटे स्थानीय असंतोषों से जन्म लेते हैं।आज लखनऊ में शिक्षक की मांग है।स्कूली बच्चों की इन सभी मांगों को एक सूत्र में बांध दें तो एक बड़ा सवाल सामने आता है कि 'सरकार हमारे लिए कैसी शिक्षा व्यवस्था बना रही है?' यही सवाल इस स्थानीय लहर को राष्ट्रीय मुद्दे में बदल सकता है।आज जेन अल्फा के अधिकांश बच्चे वोट नहीं देंगे। लेकिन यही बच्चे अगले कुछ वर्षों में पहली बार मतदाता बनने वाले हैं। इसलिए राजनीतिक दलों को इस पीढ़ी को केवल 'बच्चे' समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। यह वह पीढ़ी है जो अपने माता-पिता से अधिक डिजिटल जानकारी रखती है। यह वीडियो देखती है, तुलना करती है, सवाल पूछती है और प्रशासनिक कार्रवाई को सार्वजनिक रूप से दर्ज करती है।आज जो बच्चा स्कूल के पंखे के लिए सड़क पर बैठ रहा है। कल वही युवा पूछेगा कि मेरे गांव में अस्पताल क्यों नहीं है? मेरे गांव में पानी क्यों नहीं है? मेरे क्षेत्र में सड़क का काम वर्षों से अधूरा क्यों है? सरकार के बजट का पैसा आखिर गया कहां? यानी आज की स्कूल स्तरीय मांगें कल की लोकतांत्रिक और राजनीतिक चेतना का आधार बन सकती है। राजनीतिक दल यदि इस पीढ़ी की आवाज को केवल चुनावी नारे के रूप में इस्तेमाल करेंगे तो शायद यह पीढ़ी उसे भी स्वीकार नहीं करेगी। इसका सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इस आंदोलन का नेतृत्व हमेशा पारंपरिक राजनीतिक नेता नहीं करेंगे। बच्चे स्वयं मुद्दा उठाएंगे, वीडियो बनाएंगे, समूह बनाएंगे, प्रशासन को ज्ञापन देंगे और जरूरत पड़ने पर सड़क पर बैठेंगे। इन घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर पुलिस भेज देना सबसे आसान रास्ता है। लेकिन इससे समस्या खत्म नहीं होगी। सरकारों को यह समझना होगा कि सड़क पर बैठा बच्चा वास्तव में सरकारी स्कूल की रिपोर्ट कार्ड लेकर बैठा है। हर आंदोलन को दबाने के बजाय प्रत्येक जिले में स्कूलों की सार्वजनिक सोशल ऑडिट व्यवस्था विकसित की जा सकती है। स्कूलों में शिक्षक पदों की स्थिति, भोजन की गुणवत्ता, पानी, शौचालय, बिजली, छात्रावास और परिवहन जैसी सुविधाओं का वास्तविक समय में सार्वजनिक डैशबोर्ड बनाया जा सकता है। छात्रों की शिकायतों के लिए स्वतंत्र और समयबद्ध शिकायत प्रणाली होनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण बच्चों की आवाज को 'अनुशासनहीनता' मानने के बजाय लोकतांत्रिक भागीदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। यह डिजिटल लामबंदी और सोशल मीडिया के जरिए पारंपरिक राजनीतिक दलों के नियंत्रण से मुक्त होकर स्वतः स्फूर्त रूप से उभर रहे हैं, जो सत्ता और शासन के खिलाफ नए राजनीतिक समीकरण खड़े कर रहे हैं। यह आंदोलन अभी छोटा है, बिखरा हुआ है और स्थानीय है, लेकिन इसके सवाल राष्ट्रीय हैं। राष्ट्रीय सवाल जब एक पीढ़ी की सामूहिक चेतना बन जाते हैं, तो राजनीति को अंततः बदलना ही पड़ता है।

संपादकीय

एक मंत्री, एक यूनिवर्सिटी

अब केंद्रीय मंत्री देश के विश्वविद्यालयों में जाएंगे, पूरा दिन खर्च करेंगे, जेन-जी के चेहरों से संवाद करेंगे, उनकी तकलीफें, समस्याएं, खामियां जानने की कोशिश करेंगे, अपनी सरकार की नीतियां, योजनाएं भी साझा करेंगे और इस तरह एक व्यापक वोट बैंक के छिटकने की संभावनाओं को कम करेंगे। क्या ऐसे प्रयास, प्रत्येक सरकार के स्तर पर, निरंतर और सिलसिलेवार नहीं किए जाने चाहिए? यह योजना भी प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर शुरू की जा रही है। प्रधानमंत्री ने देश में जेन-जी के आक्रोश, गुस्से और आंदोलनों को भांप, समझ लिया है, लिहाजा मंत्रियों की यूनिवर्सिटीज में प्रवास की नौबत आई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने ऐसे भी निर्देश मंत्रियों को दिए हैं कि वे लगातार फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम, एक्स, लिंक्डइन आदि सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहें और युवाओं से संवाद करते रहें। लोकतंत्र में ऐसे जनसंपर्क, जनसंवाद जरूरी भी हैं, लेकिन वे नियमित होने चाहिए। अब जब जेन-जी के साथ-साथ जेन-अल्फा (स्कूली छात्र) भी देश के विभिन्न हिस्सों में आंदोलित हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को संवाद का यह 'अग्निपथ' सूझा है। हम इसे लोकतांत्रिक सरकार का गलत निर्णय नहीं मानते, लेकिन मंत्रियों का फोकस सोशल मीडिया और जेन-जी पर ही टिका रहेगा, तो मंत्रालयों पर ध्यान कौन देगा? मंत्रालयों के अपरिहार्य, नीतिगत निर्णयों को कौन क्रियान्वित करेगा? मंत्री की प्राथमिक और संवैधानिक जवाबदेही तो मंत्रालय के प्रति होनी चाहिए। उसी के आधार पर वह जनता के प्रति जवाबदेह साबित हो सकता है। मंत्रियों को चुनावों के मद्देनजर वोट बैंक को बचाने की कवायद में जुटना पड़ेगा, तो जाहिर है कि मंत्रालय और सरकार के बुनियादी काम प्रभावित होंगे। जेन-जी वह पीढ़ी है, जिसका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ है। इसकी आबादी करीब 37-40 करोड़ मानी जाती है। यह देश में कोई भी परिवर्तन करने में सक्षम है, क्योंकि इनमें से अधिकांश 2029 के लोकसभा चुनाव में मतदाता होंगे। बहरहाल देश में फिलहाल 57 केंद्रीय विश्वविद्यालय और 522 राज्य विश्वविद्यालय हैं।

चिंतन-मनन

सत्ता और नैतिकता

सत्ता के संचालन में शक्ति की अपेक्षा रहती है या नहीं, यह एक बड़ा प्रश्न है। शक्ति दो प्रकार की होती है- नैतिक शक्ति और उपकरण शक्ति। नैतिक शक्ति के बिना तो व्यक्ति सही ढंग से प्रशासन कर ही नहीं सकता। उपकरण शक्ति का जहां तक प्रश्न है, एक सीमा तक वह भी जरूरी है। किंतु वह शक्ति का एकमात्र तत्व नहीं है। उससे भी अधिक आवश्यक है- बुद्धि, विवेक, साहस और निर्णायक क्षमता। जिस शासक में ये चारो तत्व नहीं होते, वह सही रूप से सत्ता को संचालित नहीं कर सकता। एक शासक के पास बहुत बड़ी सेना हो, शस्त्रों का विशद भंडार हो; पर सही समझ न हो और समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता न हो तो शक्ति भी अहितकर बन जाती है। सामान्यतः राष्ट्रीय एवं सामाजिक सत्ता के संचालन में शक्ति तत्व अपेक्षित रहता है, पर वही सब कुछ नहीं है, परम तत्व नहीं है। अधिकारी व्यक्ति की चरित्रनिष्ठा, जागरूकता और जनता की सहानुभूति का योग होने से ही सत्ता के गलियारों को पार किया जा सकता है। किसी एक तत्व की कमी होते ही प्रशासक विवादों के घेरे में खड़ा हो जाता है। उस समय वह सत्ता का संचालन करता है या सत्ता के द्वारा संचालित होता है, कुछ कहना कठिन है। मयार्दा पुरुषोत्तम राम और रावण का प्रसंग प्रसिद्ध है। रावण की सत्ता से संसार कांपता था, इधर राम वनवासी थे। उनके पास न वैसी सेना थी, न वैसा शास्त्रबल था। फिर भी उन्होंने रावण की सत्ता को चुनौती दे दी। रावण धराशायी हो गया, क्योंकि उसका चरित्रबल क्षीण हो गया, सूझबूझ समाप्त हो गई, सही निर्णय लेने की क्षमता चुक गई और उसने जनता की सहानुभूति खोकर गृह-कलह के बीज बो दिए। शक्ति के सहारे सत्ता का संचालन होता तो न रावण मारा जाता और न कौरवों को पराजय का मुंह देखना पड़ता। पिछली सदी तक भारत का शासन-सूत्र अंग्रेज संभाल रहे थे, शक्ति की उनके पास कमी नहीं थी। उनके सामने भारत छोड़ने की विवशता शक्ति की कमी से नहीं थी। ये प्रसंग प्रमाणित करते हैं कि प्रबुद्ध जनता केवल शक्ति के आधार पर शासित नहीं हो सकती।

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट, आखिर क्यों बढ़ रहे हैं इसके दाम?

सुनील कुमार महला

देश में चीनी की कीमतों में इन दिनों काफी बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है और चीनी के प्रति किलो के दाम 60 रुपए प्रति किलो या इससे ज्यादा तक पहुंच गये हैं। इस क्रम में यहां यह कहना गलत नहीं होगा कि चीनी की कीमतों में अचानक हुई बढ़ोतरी चिंता का विषय जरूर है, लेकिन फिलहाल स्थिति बहुत गंभीर नहीं है।इस संबंध में यहां पर पाठकों को बताता चलूं कि त्योहारी सीजन को देखते हुए सरकार ने 31 अक्तूबर तक 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दी है। इससे बाजार में चीनी की उपलब्धता बढ़ेगी और कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। अच्छी बात यह भी है कि सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए भंडारण सीमा भी सख्त की है।

आखिर क्यों बढ़ रही चीनी की कीमतें:- यहां पर यह सवाल जरूर उठता है कि जब देश में चीनी की कमी नहीं है, तो कीमतें इतनी तेजी से क्यों बढ़ रही हैं। इसके पीछे गन्ने के उत्पादन में कमी, गन्ने का अधिक हिस्सा इथेनॉल बनाने में इस्तेमाल होना या गन्ने की खेती का पर्याप्त विस्तार न होना जैसे कारण हो सकते हैं। वास्तव में देश में चीनी उत्पादन में कमी,खराब मौसम और कम बारिश,त्योहारी सीजन में मांग बढ़ना,भंडार में कमी और जमाखोरी की आशंका,वैश्विक बाजार में आपूर्ति का दबाव तथा गन्ने से इथेनॉल बनाने की नीति को भी चीनी कीमतों की चर्चा में प्रमुखता मिली है, जिसके कारण चीनी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा कीमत वृद्धि का मुख्य कारण इथेनॉल के लिए चीनी का डायवर्जन नहीं है।

गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल भी एक कारण ? पाठक जानते होंगे कि हमारे देश में गाड़ियों में इथेनॉल का इस्तेमाल मुख्यतः पेट्रोल में मिलाकर किया जा रहा है। इसे इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कहा जाता है। हमारे देश में स्थिति की बात करें तो ई-20 पेट्रोल यानी 20% इथेनॉल तथा 80% पेट्रोल अब भारत में पेट्रोल का प्रमुख मानक मिश्रण है। जानकारी के अनुसार वर्ष 2025-26 में औसत इथेनॉल मिश्रण लगभग 20% तक पहुंच गया है।अप्रैल 2026 से बीएस-श्क वाहनों के लिए ई-20 उत्सर्जन मानकों को पूरा करना अनिवार्य किया गया है। वास्तव में, इथेनॉल मिश्रण का उद्देश्य कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना, विदेशी मुद्रा बचाना, किसानों के लिए अतिरिक्त बाजार उपलब्ध कराना और कार्बन उत्सर्जन घटाना है। सरकार के अनुसार ईबीपी कार्यक्रम से अब तक लगभग ?1.97 लाख करोड़ की विदेशी मुद्रा बचत हुई है। संक्षेप में कहें तो हमारे देश भारत पेट्रोल वाहनों को धीरे-धीरे इथेनॉल आधारित ईंधन की ओर ले जा रहा है। आज की स्थिति में ई-20 सामान्य पेट्रोल व्यवस्था का हिस्सा है। ऐसे में कृषि और पेट्रोलियम मंत्रालय को मिलकर इन पहलुओं की समीक्षा जरूर करनी चाहिए। इथेनॉल की बढ़ती मांग को देखते हुए गन्ने का उत्पादन भी बढ़ाना जरूरी है, ताकि चीनी और इथेनॉल दोनों की जरूरत पूरी हो सके और किसानों को भी बेहतर लाभ मिले।

हमारे देश में चीनी उत्पादन:- बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत दुनिया के प्रमुख चीनी उत्पादक देशों में है। 2025-26 चीनी सत्र में भारत का चीनी उत्पादन लगभग 306 लाख टन (3.06 करोड़ टन) रहने का अनुमान है, जो शुरूआती अनुमान से करीब 11 प्रतिशत कम है। उत्पादन में कमी का असर घरेलू बाजार में चीनी की उपलब्धता और कीमतों पर पड़ा है। इस बीच, इथेनॉल उत्पादन के लिए भी गन्ने से प्राप्त चीनी का एक हिस्सा इस्तेमाल किया जाता है और हाल फिलहाल कमी को देखते हुए सरकार ने घरेलू आपूर्ति बनाए रखने के लिए, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि, शुल्क-मुक्त चीनी आयात की अनुमति भी दी है। उक्त संदर्भ में यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि देश में गेहूं, चावल, सब्जी, फल और दूध जैसे कई खाद्य पदार्थों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। लेकिन दाल और खाद्य तेल के मामले में अभी भी आयात पर निर्भरता है। दालों की बढ़ती मांग और खाद्य तेल की लगभग आधी जरूरत ही देश में पूरी होना चिंता का विषय है। इसलिए सरकार को केवल मौजूदा महंगाई नियंत्रित करने पर ही नहीं, बल्कि इन आवश्यक खाद्य पदार्थों का उत्पादन बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए।

अंत में कुल मिलाकर यही कहूंगा कि चीनी का मौजूदा संकट बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन सरकार को समय रहते सतर्क रहना होगा। जमाखोरी और कालाबाजारी पर कड़ी नजर के साथ अफवाहों को रोकना भी जरूरी है, क्योंकि कई बार अफवाहों के कारण भी बाजार में अनावश्यक महंगाई बढ़ जाती है। साथ ही, लोगों को भी जरूरत के मुताबिक ही खरीदारी और खपत करनी चाहिए। इस संबंध में चीनी के विकल्पों को भी तलाश किया जाना चाहिए। वास्तव में, गुड़,शहद,खजूर या खजूर का पेस्ट (मिठाइयों, शेक, बेकिंग और लड्डू आदि में उपयोगी),नारियल/पाम शुगर तथा फलों की प्राकृतिक मिठास (केला, खजूर, सेब आदि का इस्तेमाल) इसके विकल्प हो सकते हैं।

(लेखक फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार हैं)

यौन शोषण और ब्लेकमेलिंग का अड्डा बन रहे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

मनोज कुमार अग्रवाल

सोशल मीडिया का अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग कई किशोरियों और युवतियों के मानसिक स्वास्थ्य, आत्म-सम्मान और वास्तविक जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है, हालांकि इसे पूरी पीढ़ी की बबार्दी कहना अतिशयोक्ति हो सकता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मिलने वाली कृत्रिम चमक और तुलना की संस्कृति गंभीर मानसिक दबाव पैदा कर रही है।सोशल मीडिया पर अजनबी लोगों से दोस्ती करने के बाद कई बार लड़कियां ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और साइबर अपराध का शिकार हो जाती हैं। लोग झूठी पहचान बनाकर भरोसा जीतते हैं और बाद में निजी जानकारी का गलत इस्तेमाल करते हैं। इससे मानसिक तनाव और सामाजिक नुकसान होता है।धोखेबाज असली नाम या तस्वीर छिपाकर गलत पहचान बनाते हैं। निजी तस्वीरें या वीडियो हासिल करके पैसों की मांग करना। महंगे उपहार या विदेश भेजने के नाम पर पैसे ऐंठना। प्यार और शादी का झूठा वादा करके भरोसा तोड़ना।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान फेसबुक, इंस्टाग्राम और स्नैपचैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर चंद युवक-युवतियों द्वारा आपस में दोस्ती करने का रुझान बढ़ गया है जिसे ऑनलाइन फ्रैंडशिप कहा जाता है। इनके जरिए युवक दोस्ती के नाम पर अपनी ऑनलाइन फ्रैंड्स को धोखा देने, उनका यौन शोषण करने और ब्लैकमेल करके पैसे वसूलने में भी संकोच नहीं करते जिससे उनकी चाल में फंसने वाली युवतियों की जिंदगियां तबाह हो रही हैं। हाल ही में सुर्खियों में रही कुछ वारदातों का जायजा करिए।

6 जनवरी को पालघर (महाराष्ट्र) में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को इंस्टाग्राम पर प्रेम जाल में फंसा कर अगवा करने, महीनों तक उसका यौन शोषण करने तथा घटना का वीडियो बनाकर उसे वायरल करने की धमकी देकर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया।12 जनवरी को पाली (राजस्थान) की एक नाबालिगा से सोशल

मीडिया के जरिए दोस्ती करने के बाद एक युवक उसे दिल्ली ले आया और किराए के मकान में रखकर उसका कई बार शोषण किया। जब लड़की ने उससे शादी करने के लिए कहा तो उसे पीटा गया। पुलिस ने नाबालिगा की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया।

5 मई को सीकर (राजस्थान) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर शादी का झूठा वादा कर उससे बलात्कार करने और उसे जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।20 जून को बेंगलुरु (कर्नाटक) में पुलिस ने एक व्यक्ति को एक महिला से ऑनलाइन दोस्ती करके उसे किराए पर कमरा दिलाने के बहाने एक लॉज में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया।23 जून को बुराड़ी (दिल्ली) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड के विरुद्ध रील बनाने के बहाने उसे एक होटल में बुला कर उससे बलात्कार करने और घटना का वीडियो बना कर उसे ब्लैकमेल करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई । 16 जुलाई को कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में एक महिला ने अपने ऑनलाइन फ्रेंड पर उसे डरा-धमका कर उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

5 अगस्त को बुलंदशहर (उत्तर प्रदेश) में एक युवती ने राजस्थान के एक युवक के विरुद्ध उसके साथ इंस्टाग्राम के जरिए दोस्ती करने के बाद उसे नशीली पेस्ट्री खिलाकर बेहोश करके उसके साथ बलात्कार करने और घटना का अश्लील वीडियो बना कर ब्लैकमेल करके लाखों रुपए वसूलने के आरोप में पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई।

6 अगस्त को नागपुर (महाराष्ट्र) में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक नाबालिगा को बंधक बना कर अपने पास रखने और उसका यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया।

6 अगस्त को ही ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में एक युवती ने इंस्टाग्राम पर बने दोस्त के विरुद्ध उसे नौकरी दिलाने के बहाने मुरैना के एक होटल में ले जाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई।

12 अगस्त को सूरत (गुजरात) में पुलिस ने एक युवक को एक महिला से सोशल मीडिया पर दोस्ती करने के बाद डरा-धमका कर उससे कई बार बलात्कार करने और उसका वीडियो सार्वजनिक करने की धमकी देकर 36 तोले सोना व नकदी वसूल करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

और अब 16 अगस्त को नई दिल्ली में एक मेकअप आर्टिस्ट महिला को उसके ऑनलाइन फ्रेंड द्वारा काम दिलाने और शादी का झांसा देकर नशीला पदार्थ पिलाकर बलात्कार करने का मामला सामने आया है। उक्त घटनाओं से स्पष्ट है कि जवानी के जोश में सोशल मीडिया के जरिए युवकों से दोस्ती करना किस कदर खतरनाक हो सकता है। अतः महिलाओं को सावधानी बरतने की जरूरत है।सोशल मीडिया के जरिए ऑनलाइन रिश्तों में फंसकर कई युवतियां भावनात्मक, आर्थिक और शारीरिक शोषण का शिकार हो रही हैं। फर्जी पहचान, धोखेबाजी और ब्लैकमेलिंग के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिससे कई बार पीड़िताओं की निजी जिंदगी और मानसिक स्थिति पूरी तरह तबाह हो जाती है।सोशल मीडिया पर किसी भी अजनबी की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें।व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखें: अपना फोन नंबर, पता या वित्तीय विवरण ऑनलाइन साझा न करें।अगर बात करें भी, तो सामने वाले की सच्चाई की पूरी जांच करें।तुरंत शिकायत करें: किसी भी तरह की धमकी मिलने पर तुरंत परिवार को बताएं और राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

5 साल की हिंद रजब जिस कार में थी, उस पर सैनिकों ने 355 गोलियां बरसाई थीं

यरुशलम/काहिरा, एजेंसी। इस्राइली सेना ने 934 दिन बाद पहली बार स्वीकारा है कि जनवरी 2024 में गाजा में पांच साल की फलस्तीनी बच्ची हिंद रजब और उसके परिवार को ले जा रही कार पर उसके सैनिकों ने ही गोलियां चलाई थीं। सैनिकों ने हिंद और उसके परिवार की कार पर 355 गोलियां चलाई थीं। यह घटना दुनियाभर में गहरा आक्रोश पैदा कर चुकी है और अब सेना ने इस मामले में आपराधिक जांच के आदेश दे दिए हैं। 29 जनवरी 2024 को गाजा शहर के तेल अल-हावा इलाके में हिंद रजब अपने छह परिजनों के साथ एक कार में यात्रा कर रही थी, तभी इस्राइली सेना ने कार पर गोलीबारी कर दी। हिंद और उसकी चचेरी बहन लायन को छोड़कर बाकी सभी की मौके पर ही मौत हो गई। लायन ने फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी की आपात सेवा को फोन किया और गोलियों व चीख-पुकार के बीच हालात बताती रही, तभी कॉल कट गई। इसके बाद हिंद ने खुद एक कॉल का जवाब दिया और अरबी भाषा में ऑपरेटर से कहा, टैंक मेरे बगल में है...डर लग रहा है, प्लीज आ जाओ। फिर गोलियों की आवाज गूंजी और कॉल अचानक कट गई। एजेंसी फलस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बच्चों को बचाने के लिए एक एंबुलेंस भी भेजी। इसकी जानकारी पहले ही इस्राइली सेना को दे दी गई। इसके बावजूद, इस्राइली सेना ने एंबुलेंस पहुंचने के बाद उस पर भी एक गोला दागा, जिसमें दो पैरामेडिक्स की मौके पर ही मौत हो गई।

ट्रंप के खास एड मार्टिन की जस्टिस डिपार्टमेंट से विदाई- राष्ट्रपति ने दी नई जिम्मेदारी; क्या होगी नई भूमिका

वाशिंगटन, एजेंसी। एड मार्टिन ट्रंप प्रशासन में कई विवादित भूमिकाएं निभाने के बाद जस्टिस डिपार्टमेंट से विदा हो रहे हैं। ट्रंप के अनुसार, अब मार्टिन 2026 के मिड-टर्म और 2028 के राष्ट्रपति चुनावों से जुड़ी कानूनी लड़ाइयों पर ध्यान देंगे। उनकी विदाई ऐसे समय हुई है जब ट्रंप प्रशासन चुनावी प्रक्रिया, गैर-नागरिकों के मतदान और संघीय सरकार की चुनावों में भूमिका को लेकर सक्रिय है। मार्टिन का ट्रंप के चुनावी आंदोलन और 6 जनवरी की घटनाओं से जुड़ा पुराना संबंध भी उन्हें इस राजनीतिक लड़ाई का महत्वपूर्ण चेहरा बनाता है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि मार्टिन जस्टिस डिपार्टमेंट में 'पार्डन अटॉर्नी' यानी राष्ट्रपति की माफी से जुड़े मामलों के वकील का पद छोड़ रहे हैं। अब वह इस साल होने वाले मिड-टर्म चुनाव और 2028 के राष्ट्रपति चुनाव से जुड़ी 'कानूनी लड़ाइयों' पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ट्रंप ने लिखा, मुझे पता है कि वह बहुत अच्छा काम करेंगे। वह यह सुनिश्चित करेंगे कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और ईमानदार हों तथा हमारे संवैधानिक अधिकारों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे। पिछले साल डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के लिए अंतरिम अमेरिकी अटॉर्नी नियुक्त किए जाने के बाद से ही मार्टिन ट्रंप प्रशासन में विवादों के केंद्र में रहे। इस पद पर रहते हुए उन्होंने ट्रंप की ओर से 6 जनवरी की घटनाओं से जुड़े आरोपियों को बड़े पैमाने पर माफी दिए जाने के बाद उन मामलों को समाप्त करने की प्रक्रिया की निगरानी की थी।

ट्रंप को भी हद दिखाने वाली मेलोनी, तीन फीसदी वोट से सत्ता तक पहुंचीं; अब बना रहीं नया रिकॉर्ड

रोम, एजेंसी। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी इन दिनों अपने राजनीतिक सफर की वजह से चर्चा में हैं। वह न सिर्फ अपनी सरकार को लगातार मजबूत बनाए रखने में सफल रही हैं, बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जैसे ताकतवर नेता को भी कई मौकों पर दो टूक जवाब दे चुकी हैं। मेलोनी 4 सितंबर को इटली गणराज्य यानी 1946 के बाद सबसे लंबे समय तक लगातार प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने जा रही हैं। उनका यह सफर इसलिए भी खास है, क्योंकि जिस पार्टी को उन्होंने खड़ा किया था, वह कभी सिर्फ 3 फीसदी वोट पर अटकी रहती थी। मेलोनी और ट्रंप के बीच कई मौकों पर मतभेद सामने आए हैं। ट्रंप ने एक बार आरोप लगाया था कि जी-7 शिखर सम्मेलन में मेलोनी उनके साथ तस्वीर खिंचवाने के लिए गिड़गिड़ाई थीं। इस पर मेलोनी ने जवाब दिया कि इटली कभी किसी के आगे भीख नहीं मांगता। जब ट्रंप ने वेटिकन के पोप पर निशाना साधा, तब भी मेलोनी ने साफ कहा कि इटली में कई मुद्दों पर बहस हो सकती है, लेकिन पोप का अपमान स्वीकार नहीं किया जाएगा। कभी ट्रंप के शपथ ग्रहण में शामिल होने वाली इकलौती यूरोपीय राष्ट्राध्यक्ष रहीं मेलोनी अब वाशिंगटन से बातचीत को लेकर अलग रुख अपना रही हैं। तीन फीसदी वोट वाली पार्टी सत्ता तक कैसे पहुंची मेलोनी का राजनीतिक सफर बेहद कम उम्र में शुरू हुआ।

नवाज शरीफ की 2019 वाली स्क्रिप्ट दोहरा रहे इमरान, क्या सरकार के साथ इलाज के नाम पर हो चुकी है डील

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की राजनीति में जेल, अदालत और सत्ता का रिश्ता हमेशा बेहद उलझा हुआ रहा। अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर पैदा हुआ नया विवाद इसी पुराने राजनीतिक पैटर्न की याद दिला रहा है। 18 अगस्त 2026 को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद इमरान खान को अस्पताल ले जाने का आदेश दिया। इसके दो दिन बाद सरकार ने संकेत दिया कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें इलाज के लिए विदेश भी भेजा जा सकता है, लेकिन इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यही वजह है कि 2019 का नवाज शरीफ प्रकरण फिर चर्चा में आ गया। उस समय भी मामला जेल में बंद एक पूर्व प्रधानमंत्री की बिगड़ती सेहत से शुरू हुआ था। मेडिकल आधार पर राहत मिलने के बाद नवाज शरीफ को इलाज के लिए लंदन जाने की अनुमति मिली थी। उनकी मौजूदा चिकित्सा स्थिति तथा कानूनी स्थिति अलग है। इसलिए सवाल डील का कम और पाकिस्तान की उस राजनीतिक परंपरा का ज्यादा है। इसमें जेल में बंद बड़े नेताओं को स्वास्थ्य के आधार पर राहत मिलने के बाद सियासी समीकरण बदलते रहे हैं। चलिए पहले इतिहास में चलते हैं और जानते हैं कि नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था।

2019 में नवाज शरीफ के साथ क्या हुआ था : नवाज शरीफ उस समय भ्रष्टाचार के एक मामले में

जेल की सजा काट रहे थे। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और मेडिकल आधार पर राहत का रास्ता खुला। फरवरी 2019 में इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने मेडिकल आधार पर उनकी जमानत याचिका खारिज की थी, लेकिन बाद के महीनों में उनकी स्वास्थ्य स्थिति को लेकर मामला फिर गंभीर हुआ। अक्तूबर-नवंबर 2019 में उन्हें मेडिकल आधार पर जमानत मिली और इलाज के लिए विदेश जाने का रास्ता तैयार हुआ। नवंबर 2019 में पाकिस्तान सरकार ने नवाज शरीफ को इलाज के लिए चार सप्ताह के लिए विदेश जाने की एक बार की अनुमति दी थी। सरकार ने इसके लिए एक क्षतिपूर्ति बांड की शर्त भी रखी थी। बाद में लाहौर हाईकोर्ट के आदेश के बाद विदेश जाने की प्रक्रिया आगे बढ़ी और नवाज शरीफ लंदन चले गए। उनके साथ उस समय उनके भाई शहबाज शरीफ भी थे। यानी 2019 का घटनाक्रम सीधे तौर पर जेल से शुरू होकर मेडिकल जांच, अदालत की राहत और फिर विदेश में इलाज तक पहुंचा था। आज इमरान खान के मामले में भी जेल से अस्पताल और फिर संभावित विदेश इलाज की बात सामने आई है। यही समानता दोनों मामलों को एक साथ देखने की वजह बन रही है।

क्या सरकार सच में इमरान को विदेश भेज सकती है : यही इस पूरे मामले का सबसे अहम सवाल है। 20 अगस्त को पाकिस्तान सरकार ने संकेत दिया कि अगर इमरान खान के इलाज के लिए जरूरत पड़ी तो उन्हें विदेश भेजने की संभावना पर विचार किया जा सकता है। हालांकि सरकार ने साफ किया कि इसके लिए कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। यानी अभी ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है कि इमरान खान को लंदन या किसी दूसरे देश भेजा जा रहा है। सरकार की बात इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि जेल में बंद किसी बड़े राजनीतिक नेता को विदेश इलाज के लिए भेजना केवल मेडिकल फैसला नहीं रहता। इसमें अदालत, जेल प्रशासन, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका भी जुड़ जाती है। नवाज शरीफ के मामले में भी विदेश जाने के लिए अदालत और सरकार के स्तर पर कई कानूनी कदम उठे थे। उनके लिए पहले मेडिकल आधार पर राहत मिली और फिर विदेश जाने की अनुमति की प्रक्रिया पूरी हुई थी। इसलिए इमरान के मामले में अभी सबसे सही बात यही है कि विदेश इलाज का विकल्प खुला बताया गया है, लेकिन उसे अंतिम फैसला नहीं माना जा सकता। अगर आगे अदालत या सरकार की ओर से औपचारिक अनुमति मिलती है, तभी इसे नवाज शरीफ वाले घटनाक्रम की अगली कड़ी माना जा सकेगा।

क्या इमरान और नवाज के मामलों में सचमुच समानता है : दोनों मामलों में पहली बड़ी समानता यह है कि दोनों पूर्व प्रधानमंत्री जेल में थे और स्वास्थ्य को लेकर गंभीर सवाल उठे। दोनों मामलों में मेडिकल जांच और अदालत की भूमिका सामने आई। दोनों मामलों में विदेश में इलाज की संभावना भी चर्चा में आई। लेकिन दोनों की कानूनी स्थिति बिल्कुल समान नहीं है। नवाज शरीफ को 2019 में विदेश जाने की अनुमति एक तय प्रक्रिया के तहत मिली थी, जबकि इमरान खान के मामले में अभी सरकार ने केवल जरूरत पड़ने पर विदेश इलाज की संभावना जताई है। दूसरी बड़ी बात यह है कि इमरान के खिलाफ इस समय भी कई कानूनी मामले और अपीलें चल रही हैं। एक मामले में वह 14 साल की सजा काट रहे हैं, जबकि कई अन्य मामलों में सजा निलंबित या फैसले पलटे जा चुके हैं। ऐसे में विदेश जाना केवल स्वास्थ्य का मामला नहीं होगा। यह कानूनी अनुमति और उनकी हिरासत की स्थिति से भी जुड़ा होगा। यही कारण है कि इमरान खान के समर्थक इसे राहत की शुरुआत के रूप में देख सकते हैं।

होर्मुज को लेकर यूएस कर रहा क्या तैयारी: इधर ट्रंप ने दी ईरान को धमकी, उधर रूबियो ने की ओमान को साधने की कोशिश

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण बनाने को लेकर तनाव चरम पर है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार (स्थानीय समय) को कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन उनके अनुसार वह सही डील के लिए अभी तैयार नहीं है। उन्होंने दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के बीच क्षेत्र के महत्वपूर्ण इलाकों पर अमेरिका के नियंत्रण का दावा भी दोहराया। ट्रंप ने कहा कि ईरान के खिलाफ आर्थिक कदमों का यह मतलब नहीं है कि अमेरिका के पास सैन्य विकल्प सीमित हो गए हैं। ट्रंप ने कहा, नहीं, बिल्कुल नहीं। इसका सिर्फ मतलब है कि हम देख रहे हैं कि क्या होता है। उनके पास पैसा नहीं है, उनके पास नौसेना नहीं है, उनके पास वायुसेना नहीं है, वे अपने सैनिकों को वेतन नहीं दे रहे हैं, वे अपनी पुलिस को वेतन नहीं दे रहे हैं, वहां 350 प्रतिशत महंगाई है।

ट्रंप ने दोहराया होर्मुज पर नियंत्रण का दावा : अमेरिकी राष्ट्रपति ने आगे कहा, हम बस यह देखेंगे कि क्या होता है और जैसा कि आप जानते हैं, सीमा पर हमारा पूरा नियंत्रण है। हमारे पास पूरी तरह नियंत्रण है। अगर आप नाकाबंदी को देखें, तो हमारे पास होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े पूरे क्षेत्र पर पूरा नियंत्रण है। ट्रंप ने कहा कि ईरान समझौते में रुचि रखता है, लेकिन उसने अभी तक उन शर्तों को स्वीकार नहीं किया है, जिन्हें वॉशिंगटन चाहता

है। उन्होंने कहा, तो वे समझौता करना चाहते हैं, लेकिन मेरी राय में वे सही डील करने के लिए तैयार नहीं हैं। ट्रंप का यह बयान वॉशिंगटन और तेहरान के बीच जारी तनाव के बीच आया है। ट्रंप ने हाल ही में ईरान के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा आर्थिक अभियान शुरू करने की घोषणा की थी। उन्होंने ईरान को वित्तीय, कारोबारी या सरकारी समर्थन देने वाले देशों को बहुत गंभीर आर्थिक परिणाम भुगतने की चेतावनी दी थी। इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने वॉशिंगटन में अमेरिका में ओमान के राजदूत तलाल अल रहबी से मुलाकात की। दोनों ने आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा की और दोनों देशों के बीच मजबूत सहयोग को दोहराया। ओमान के दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, महामहिम राजदूत तलाल अल रहबी ने वाशिंगटन डीसी में इंस्टीट्यूट ऑफ पीस में अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात की।

कनाडा पर फूटेगा ट्रंप का टैरिफ बम: यूएस के साथ व्यापार वार्ता नाकामयाब, कनाडाई उत्पादों पर लगेगा 50 प्रतिशत शुल्क

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका शनिवार तड़के कनाडा के करीब 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला है। आखिरी समय में हुई बातचीत के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार समझौते को लेकर सहमति नहीं बन सकी। इससे पहले से तनावपूर्ण संबंधों में और खटास बढ़ गई है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शनिवार आधी रात से कुछ देर पहले पत्रकारों के साथ एक कॉल में पढ़े गए बयान में कहा, कनाडा ने इस सप्ताह की शुरुआत में तय शर्तों के तहत व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से इनकार कर दिया। अमेरिका ने कनाडा को हमारे बाजार में किसी भी बड़े निर्यातक के मुकाबले सबसे बेहतर शर्तें देने की पेशकश की थी। इसके बावजूद कनाडा की नई मांगों और कुछ अन्य प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने के कारण पिछले कुछ दिनों में बनाई गई संतुलित व्यवस्था बिगड़ गई।

व्यापार समझौते को लेकर क्या बोले मार्क कार्नी : कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने जवाब दिया, अमेरिका की प्रस्तावित शर्तों में आखिरी समय में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदेह थे। उन्होंने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए जाने वाले आयात शुल्क से कनाडा से अमेरिका भेजे जाने वाले कुल उत्पादों में से करीब पांच प्रतिशत प्रभावित होंगे। इनमें हॉकी स्टिक से लेकर जीभ की जांच में इस्तेमाल होने वाली लकड़ी की छोटी छड़ियां तक शामिल हैं।

तीन दिन की समय सीमा बढ़ी, फिर भी नहीं बनी बात हालांकि, इसका राजनीतिक असर आर्थिक नुकसान से भी बड़ा होने की संभावना है। पिछले साल दोनों देशों के बीच करीब 880 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं और सेवाओं का कारोबार हुआ था। इन शुल्कों को शुरुआत में बुधवार रात 12 बजकर 1 मिनट से लागू किया जाना था। लेकिन ट्रंप ने बातचीत जारी रखने के लिए समय सीमा तीन दिन बढ़ा दी थी। इसके बावजूद दोनों देश तय समय तक किसी समझौते पर नहीं पहुंच सके।

कनाडा के गुरुद्वारे में चाकूबाजी- सुबह की अरदास के दौरान मचा हंगामा; दो लोग घायल, पीएम कार्नी ने जताई संवेदनाएं

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत के एडमंटन स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा में शादी समारोह से पहले सुबह की प्रार्थना के दौरान एक व्यक्ति ने कथित तौर पर हंगामा किया। उसे काबू करने की कोशिश के दौरान हुई झड़प में दो पुरुषों पर चाकू से हमला हुआ। पुलिस ने एक व्यक्ति को मौके से गिरफ्तार किया है और दोनों घायलों की चोटें गंभीर नहीं हैं। हमले की वजह और यह हेट क्राइम था या नहीं, इसकी जांच जारी है। घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह तय समय पर आयोजित किया गया। सुबह 5 बजे के बाद गुरुद्वारे में मचा हड़कंप यह घटना एडमंटन के उत्तर-पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित नानकसर गुरसिख गुरुद्वारा मंदिर में सुबह 5 बजे के कुछ समय बाद हुई। एडमंटन पुलिस सर्विस ने बताया कि 14 स्ट्रीट और हॉर्सहिल रोड के पास हुई घटना की सूचना

मिलने पर अधिकारियों ने मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आपातकालीन सेवाओं ने दो घायलों का इलाज किया।

हमले के पीछे की वजह अभी साफ नहीं : पुलिस ने अभी तक हमले के पीछे की वजह का खुलासा नहीं किया है। यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि मामले की जांच संभावित घृणा-प्रेरित अपराध यानी हेट क्राइम के तौर पर की जा रही है या नहीं।

शादी से पहले प्रार्थना में घुसा आरोपी : गुरुद्वारा प्रतिनिधि हरमीत सहगल ने बताया कि एक व्यक्ति गुरुद्वारे के अंदर आया और बाद में होने वाली शादी से पहले चल रही सुबह की प्रार्थना में बाधा डालने लगा। ग्लोबल न्यूज के मुताबिक, सहगल ने कहा, ÷वह अंदर आया और हंगामा करने लगा। हमारी सुबह की प्रार्थना बाधित हो गई। जो लोग प्रार्थना कर रहे थे, उन्होंने इस व्यक्ति को देखा। ऐसा लग रहा था कि वह यहां आने वाला कोई सामान्य श्रद्धालु नहीं था।

समझाने की कोशिश नाकाम, हाथापाई के बाद चाकूबाजी सहगल के मुताबिक, प्रार्थना करा रहे लोगों ने पहले उस व्यक्ति से बात कर उसे समझाने की कोशिश की, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया। उन्होंने कहा, %वह व्यक्ति किसी की बात नहीं सुन रहा था। इसलिए उन्होंने उसे काबू करने की कोशिश की। उसने भी इसका विरोध किया।

झड़प में दो लोगों को चाकू मारा गया : इसी टकराव के दौरान दो लोगों पर चाकू से हमला किया गया। सहगल ने बताया कि हमले के बाद दोनों घायल होश में थे। उन्होंने कहा, आखिरी बार जब मैंने सुना, तब दोनों बात कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, दोनों घायलों की हालत गंभीर नहीं है और उनकी चोटें जानलेवा नहीं बताई गई हैं। सुबह हुई इस हिंसक घटना के बावजूद गुरुद्वारे में शादी समारोह को रद्द नहीं किया गया। समारोह सुबह करीब 10ः30 बजे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित किया गया। सहगल ने कहा कि राहत की बात यह रही कि गुरुद्वारे की संपत्ति को कोई खास नुकसान नहीं पहुंचा और विशेष रूप से सिख धर्मग्रंथ भी सुरक्षित रहे, जिन्हें समुदाय में बेहद पवित्र माना जाता है।

दिन-रात काम फिर भी नहीं पल रहा परिवार, क्या चीन के गिग वर्कर्स का सपना टूट रहा सरकार की नजरें टेढ़ी

यान जुआंग, एजेंसी। चीन में आर्थिक दबाव और कठिन कामकाजी हालात अब केवल आंकड़ों या रोजगार के सवाल तक सीमित नहीं रह गए हैं। इनका असर वहां के श्रमिकों की लिखी कविताओं और किताबों में भी दिखाई देने लगा है। फूड डिलीवरी बॉय, कूरियर कर्मचारी और फैक्ट्री मजदूर अपनी रोजमर्रा की परेशानियों, कम आमदनी और परिवार से दूरी को साहित्य के जरिए सामने ला रहे हैं। यह श्रम साहित्य चीन के मध्य वर्ग और युवाओं के बीच भी जगह बना रहा है। इसकी वजह यह है कि बहुत से लोगों को इन रचनाओं में अपनी जिंदगी की झलक दिखाई देती है। क्यों साहित्य में उतर रही है मजदूरों की मुश्किल जिंदगी फूड डिलीवरी

ड्राइवर रहे वांग जिबिंग की कविताएं चीन के श्रमिक जीवन की इसी तस्वीर को सामने रखती हैं। उनकी एक कविता में ऐसे डिलीवरी कर्मचारी की जिंदगी दिखाई गई है, जो दूसरे शहर में रहकर दिन-रात काम करता है। उसके लिए हर मिनट का मतलब एक और ऑर्डर पूरा करना है, लेकिन इतनी मेहनत के बाद भी परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। घर से दूर रहने के कारण वह अपने बच्चे से भी दूर होता जाता है। यह कहानी अकेले एक व्यक्ति की नहीं मानी जा रही, बल्कि चीन में काम कर रहे कई प्रवासी मजदूरों और गिग वर्कर्स की स्थिति को दिखाती है। ऐसे श्रमिक साहित्य में आर्थिक दबाव, थकान, अपमान और बेहतर जीवन की अधूरी उम्मीद जैसे विषय लगातार सामने आ रहे हैं। क्या गिग वर्कर्स और फैक्ट्री मजदूरों की आवाज अब दबाना मुश्किल हो रहा है चीन में कई मजदूर, डिलीवरी कर्मचारी और फैक्ट्री वर्कर अपनी वास्तविक जिंदगी को कहानियों और कविताओं में बदल रहे हैं। युवाओं में बेरोजगारी की ऊंची दर और बेहतर जीवन की उम्मीदों के कमजोर पड़ने से इस साहित्य की मांग बढ़ रही है। इन रचनाओं में वे कठिनाइयां सामने आती हैं, जिन्हें सरकारी नियंत्रण वाले मीडिया में बहुत कम जगह मिलती है। श्रमिक साहित्य के बढ़ते प्रभाव से चीन के अधिकारी भी इसके प्रति सतर्क बताए जा रहे हैं। इसकी खास वजह यह है कि ये रचनाएं किसी राजनीतिक भाषण की तरह नहीं, बल्कि सीधे उस व्यक्ति की जिंदगी से निकलती हैं जो रोज काम करता है, कमाता है और अपने परिवार को चलाने की कोशिश करता है। प्रवासी श्रमिक हू अनयान ने कूरियर कर्मचारी समेत 19 अलग-अलग तरह के काम किए हैं। उन्होंने लॉजिस्टिक्स कंपनी में छंटनी करने वाले कर्मचारी, सुरक्षा गार्ड और सुविधा स्टोर कर्मचारी जैसे काम भी किए।

भारत-नेपाल सीमा पर कैसे बना जालसाजी का नेटवर्क 500 यात्रा दस्तावेज गायब होने से खुला राज

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में 15 साल पहले विदेश मंत्रालय के स्टोर से गायब हुए 500 खाली यात्रा दस्तावेजों की दोबारा जांच ने भारत और नेपाल से जुड़े दस्तावेज जालसाजी के एक कथित नेटवर्क पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जांच में आशंका जताई गई है कि इस नेटवर्क के जरिए विदेशी नागरिकों और शरणार्थियों के लिए जाली नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्र तैयार किए जाते थे। इसके बाद इन्हीं प्रमाणपत्रों के आधार पर नेपाली पासपोर्ट और यात्रा दस्तावेज हासिल किए जाते थे। भारत-नेपाल की खुली सीमा और दोनों देशों के बीच वीजा-मुक्त आवाजाही को देखते हुए इस मामले का सुरक्षा पहलू भी महत्वपूर्ण हो गया है।

500 दस्तावेज गायब होने का मामला फिर क्यों खुला : नेपाल विदेश मंत्रालय से वर्ष 2009 में ए-026001 से ए-026500 श्रृंखला के 500 खाली यात्रा दस्तावेज गायब हुए थे। इनमें से अब तक केवल तीन दस्तावेज बरामद किए जा सके हैं। बाकी 497 दस्तावेजों का कोई पता नहीं चला है। मामले की दोबारा जांच नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीआईबी को सौंपी गई है। जांच के दौरान मंत्रालय के पूर्व अधिकारी बचराम केसी को गिरफ्तार किया गया है। उनके बयान को जांच में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। वरिष्ठ राजनयिकों के बयान भी दर्ज किए गए हैं। इतने वर्षों बाद दोबारा शुरू हुई जांच का मुख्य सवाल यही है कि इतने संवेदनशील दस्तावेज आखिर किसके हाथ लगे और उनका इस्तेमाल कहां किया गया।

जाली नागरिकता से असली पासपोर्ट तक कैसे पहुंचते थे : जांच में सामने आए आरोपों के अनुसार कथित सिंडिकेट भारत-नेपाल सीमा से लगे जिलों में सक्रिय था। नेटवर्क के सदस्य विदेशी नागरिकों या अवैध रूप से रह रहे लोगों के लिए जाली नेपाली नागरिकता प्रमाणपत्र तैयार करवाते थे। इसके बाद इसी पहचान के आधार पर नेपाली पासपोर्ट और दूसरे यात्रा दस्तावेज हासिल करने का रास्ता तैयार किया जाता था।

इस पूरी प्रक्रिया में दोनों देशों में मौजूद दलालों के समन्वित नेटवर्क की बात सामने आई है। गिरफ्तार पूर्व अधिकारी केसी के बयान के मुताबिक भारत और नेपाल में दलालों का एक संगठित तंत्र काम कर रहा था। हालांकि, इस नेटवर्क से जुड़े सभी आरोपों और इसकी पूरी संरचना की जांच अभी जारी है। जांच में कथित नेटवर्क के विदेशी नागरिकों से प्रति व्यक्ति करीब 5,000 अमेरिकी डॉलर वसूलने की बात सामने आई है। भारतीय मुद्रा में यह रकम करीब चार से सवा चार लाख रुपये के आसपास बैठती है। रिपोर्ट के अनुसार इस नेटवर्क में मुख्य रूप से अफगान और तिब्बती शरणार्थियों के शामिल होने की आशंका जताई गई है। साथ ही अफगानिस्तान से आए लोगों के इस जालसाजी नेटवर्क के जरिए आवाजाही करने की आशंका से भी इनकार नहीं किया गया है। जांच एजेंसी अब यह पता लगाने में जुटी है कि गायब हुए यात्रा दस्तावेजों में से कितने का इस्तेमाल किया गया और किन लोगों को इन दस्तावेजों के जरिए नेपाल की पहचान या यात्रा संबंधी कागजात हासिल हुए। भारत और नेपाल के बीच खुली सीमा होने के कारण इस मामले का असर केवल नेपाल तक सीमित नहीं माना जा रहा है।

अमेरिका में भारतीय खाना ट्रेंड में, पाकिस्तान में चाट और ढाका में साड़ी की मांग क्यों बढ़ी

न्यूयॉर्क/लाहौर/ढाका, एजेंसी। भारतीय खानपान और पहनावे का आकर्षण अब भारत की सीमाओं से बाहर भी साफ दिखाई दे रहा है। पाकिस्तान में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे और मुगलई व्यंजन पसंद किए जा रहे हैं, जबकि ढाका की शादियों में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियों की मांग बनी हुई है। अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय भोजन प्रमुख खानपान रुझानों में शामिल हुआ है। ऐसे में सवाल है कि क्या सांस्कृतिक पसंद राजनीतिक सीमाओं से ज्यादा मजबूत साबित हो रही है भारतीय संस्कृति का असर खानपान और पहनावे के जरिए दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में दिखाई दे रहा है। अमेरिका से लेकर पाकिस्तान और बांग्लादेश तक भारतीय व्यंजन और पारंपरिक परिधान लोगों की पसंद बन रहे हैं। पाकिस्तान के लाहौर और कराची में दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे, मुगलई व्यंजन और कोलकाता काठी रोल आकर्षण का केंद्र हैं। दूसरी तरफ ढाका में बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियां खासतौर पर शादियों में पसंद की जा रही हैं। यह स्थिति इसलिए दिलचस्प है क्योंकि राजनीतिक स्तर पर मतभेदों के बावजूद लोगों की सांस्कृतिक पसंद अलग दिशा में चलती दिखाई दे रही है।

अमेरिका में क्षेत्रीय भारतीय खाने की मांग क्यों बढ़ी : अमेरिका में भारतीय भोजन की तस्वीर पिछले कुछ समय में बदली है। भारतीय खाना पहले अक्सर सामान्य करी तक सीमित समझा जाता था, लेकिन अब अमेरिकी उपभोक्ताओं की दिलचस्पी भारत के अलग-अलग क्षेत्रों के व्यंजनों में बढ़ रही है। 2026 के खानपान रुझानों में क्षेत्रीय भारतीय व्यंजनों को शीर्ष पांच में जगह मिली है। अमेरिकी शहरों में भारतीय रेस्तराओं की खोज और बुकिंग में भी तेजी देखी गई है। अब ग्राहक केवल सामान्य भारतीय करी नहीं खोज रहे, बल्कि अलग-अलग इलाकों के खास स्वाद आजमाना चाहते हैं। केरल के नारियल, करी पत्ते, हींग और समुद्री भोजन जैसे स्वाद भी लोगों की पसंद में उभर रहे हैं। इससे भारतीय भोजन की

पहचान क्षेत्रीय विविधता के साथ और व्यापक होती दिखाई देती है।

लाहौर और कराची में दिल्ली के स्वाद की मांग क्यों बढ़ी : पाकिस्तान में भारतीय खानपान की लोकप्रियता खासतौर पर लाहौर और कराची में दिखाई दे रही है। दिल्ली की चाट, अमृतसरी कुलचे, मुगलई व्यंजन और कोलकाता काठी रोल वहां लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। लाहौर का गवालमंडी और कराची के फूड स्ट्रीट्स भारतीय स्वाद के लिए खास चर्चा में हैं। सोशल मीडिया ने भी इस रुचि को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। यूट्यूबर और व्लॉगर दिल्ली, अमृतसर, लखनऊ और दक्षिण भारत के व्यंजनों को अपने वीडियो के जरिए दर्शकों तक पहुंचा रहे हैं। भारतीय शहरों के नाम से जुड़े व्यंजन भी लोगों के बीच खास आकर्षण पैदा कर रहे हैं। इस तरह खानपान ने राजनीतिक सीमाओं से अलग अपनी जगह बनाई है।

ढाका की शादियों में भारतीय साड़ियों का रुतबा क्यों बढ़ा : बांग्लादेश की राजधानी ढाका में भारतीय साड़ियों का आकर्षण खास तौर पर शादी-ब्याह के मौकों पर नजर आता है। बनारसी, कांजीवरम और चंदेरी साड़ियों को वहां केवल पारंपरिक पहनावे के तौर पर नहीं देखा जा रहा, बल्कि इन्हें शादियों में स्टेटस और खास पसंद से भी जोड़ा जा रहा है। भारतीय खानपान की मांग भी वहां बनी हुई है। गुलशन और धानमंडी जैसे इलाकों में कोलकाता काठी रोल और पाव भाजी लोगों के पसंदीदा स्वादों में शामिल हैं। यानी भारत से जुड़े भोजन और पहनावे दोनों ने ढाका में अपनी अलग पहचान बनाई है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव इस बात का उदाहरण है कि लोगों की पसंद कई बार देशों के राजनीतिक संबंधों से अलग अपना रास्ता तय करती है। भारतीय भोजन और परिधान की यह लोकप्रियता केवल बाजार की कहानी नहीं है। इसके पीछे संस्कृति, स्वाद और लोगों की व्यक्तिगत पसंद भी काम कर रही है। अमेरिका में भारतीय क्षेत्रीय व्यंजन नए फूड ट्रेंड का हिस्सा बन रहे हैं। पाकिस्तान में दिल्ली और अमृतसर के स्वाद लोगों को आकर्षित कर रहे हैं, जबकि ढाका की शादियों में भारतीय साड़ियों की मांग बनी हुई है। सोशल मीडिया ने इस प्रक्रिया को और तेज कर दिया है। लोग यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन सामग्री के जरिए दूसरे देशों के भोजन, कपड़े और परंपराओं से परिचित हो रहे हैं। इस पूरी तस्वीर से यह सवाल उठता है कि क्या सांस्कृतिक जुड़ाव राजनीतिक दूरी के बावजूद लोगों को करीब ला सकता है। दिल्ली की चाट से लेकर बनारसी साड़ी तक भारतीय संस्कृति का यह विस्तार कम से कम इतना जरूर दिखाता है कि स्वाद और फैशन की अपनी एक ऐसी दुनिया है।

हेल्थ प्लस

नियम से ही भोजन करें

- प्रात: का नाश्ता भारी, दिन का खाना सही और रात को हल्का भोजन करना चाहिए।
- यदि दिन का भोजन रात्रि तक पचा हुआ महसूस न हो तो ऐसे में रात्रि में केवल खिचड़ी या फल और दूध लें।
- भोजन करने से पहले अच्छी तरह हाथ, मुंह धोकर भोजन करें।
- जब भूख जोर से लगी हो, उस समय खाली जल पीना भी नुक्सान पहुंचाता है। ऐसे में यदि खाना उपलब्ध होने में देर लगे तो एक बिस्कुट के साथ एक गिलास पानी पी लें।
- प्रयास करें कि भोजन नियमित समय पर ही खाएं।
- दोपहर के भोजन में दही, मट्ठा और लस्सी लेना उचित है। रात्रि के भोजन में इन चीजों से परहेज करना चाहिए।
- बासी और जला हुआ खाना स्वास्थ्य को लाभ के स्थान पर हानि पहुंचाता है। ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति उत्तम माना जाता है।

- भोजन शांत मन से बनाएं, खिलाएं और खाएं। भोजनोपरांत क्रोध करना स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव डालता है।
- अपने पेट को 'डस्टबिन' समझ कर उसमें सब कुछ मत ठूंसें। भूख से कम भोजन खाना चाहिए।
- रात्रि का भोजन कम से कम सोने से 2 घंटे पूर्व करें। दिल के मरीजों को भोजन के बाद टहलना नहीं चाहिए।
- भोजन के बीच में थोड़ा पानी पिएं। भोजनोपरांत पानी मत पिएं। कम से कम एक घंटे बाद पानी का सेवन करें।
- भोजन चबा कर खाना चाहिए। शीघ्र भोजन करना शरीर में अपच पैदा करता है।
- जहां भोजन खा रहे हैं, ध्यान रखें, वह स्थान स्वच्छ होना चाहिए।
- प्रयास करें कि टी.वी. देखते समय भोजन न खाएं क्योंकि भोजन की अधिक मात्रा शरीर में चली जाती है।
- भोजन के तुरंत पश्चात व्यायाम न करें।

मेथीदाना छोटा मत समझो

- मेथीदाने में आयरन भरपूर मात्रा में होता है। इससे खून की कमी से लड़ा जा सकता है।
- मेथीदाने को पानी में उबाल कर गरारे करें। खराब गला ठीक हो जाएगा।
- दो चम्मच मेथीदाने को एक कप चावल के साथ पकाएं और हल्का नमक मिला कर 15 दिन तक खाएं। इससे शरीर में खून की कमी में सुधार होगा।
- 2 चम्मच मेथीदाने के पाऊडर को रोज दूध के साथ 1 महीने तक खाएं। शूगर की बीमारी के शुरूआती दिनों में आराम मिलेगा।
- लिवर खराब होने पर मेथीदाने को अंकुरित करें और रोज सुबह नाश्ते में खाएं।
- 2 चम्मच मेथीदाने को नारियल पानी या छाछ में कुछ घंटे भिगो कर रखें। इसे पीने से पेचिश में आराम मिलता है।
- अल्सर या छाला होने पर मेथीदाने को पीस कर पेस्ट बनाएं और छालों पर लगाएं।
- स्तनपान कराने वाली माएं आधा चम्मच मेथीदाने के पाऊडर को दलिए में मिला कर खाएं। इससे बच्चे को दूध की मात्रा अधिक मिलेगी।

अमृतफल है आंवला

आंवला खूबसूरती में चार चांद लगाता है। इससे ढीली पड़ती त्वचा में कसाव आता है और झुर्रियां भी नहीं पड़ती।

- कब्ज होने पर 1 चम्मच सूखा आंवला पानी में भिगोएं और सुबह छान कर उसमें शहद मिलाकर पिएं।
- यूरीन की समस्या से ग्रस्त होने पर 2 चम्मच सूखा आंवला और किशमिश पानी में भिगोएं। अगले दिन उसको मसल कर छान लें, फिर उस पानी को पिएं। कुछ दिनों तक इसका सेवन करने से समस्या में आराम मिलता है।
- सिर दर्द या सिर के भारी होने पर ताजे आंवले को पीस कर उसका पेस्ट सिर पर लगाएं। दर्द में आराम मिलेगा।
- मुंह में छाले होने पर आंवले की छाल पीस कर पाऊडर बना लें। उसमें शहद मिलाकर छालों पर लगाएं।
- त्वचा की समस्या होने पर आंवले का पाऊडर साबुन की जगह इस्तेमाल करें।
- याददाश्त कम होने पर 1 छोटा चम्मच सफेद तिल और 1 चम्मच आंवले की जड़ का पाऊडर बराबर मात्रा में मिलाएं। इस मिश्रण को 1 चम्मच शहद के साथ कुछ समय तक खाएं। स्मरण शक्ति में लाभ मिलेगा।

स्वस्थ रहें

ब्लड प्रैशर, डायबिटीज, हृदयरोग, पेट संबंधी रोग आजकल आम होते जा रहे हैं। शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा मिलेगा जो किसी न किसी रोग से ग्रस्त न हो।

आजकल का रहन-सहन, उलटा-सीधा खाना, पदार्थों में मिलावट, समय से न खाना आदि अनेक कारणों से भी रोग हो रहे हैं।

रोग होने पर इलाज कराना जरूरी है। इलाज के लिए डाक्टर के पास जाएं। हम अगर कुछ बातों पर ध्यान दें तो काफी हद तक रोग को दूर रख सकते हैं :

- रोज सुबह घूमने जाएं। योग या अन्य व्यायाम नियमित करना हितकर है।
- खाना समय पर ही खाएं। बाजार की तेज मसाले वाली और बासी चीजें खाने से बचें। हर समय मुंह न चलाते रहें।
- पैदल चलने की आदत डालें। कम दूरी के लिए स्कूटर या अन्य वाहन का सहारा लेना सही नहीं है।
- खाने में हरी सब्जियों का प्रयोग ज्यादा करें। चिकनाई व कोलैस्ट्रॉल बढ़ाने वाली चीजें कम खाएं।
- मौसम के अनुसार फलों का सेवन जरूर करें।
- खाने के साथ सलाद लेने की आदत डालें।
- संयम, संतुलित आहार, शारिरिक श्रम से हम काफी हद तक बीमारियों को अपने से दूर रख सकते हैं।
- व्यायाम के साथ-साथ पौष्टिकता से भरपूर भोजन लेने से आपका शरीर स्वस्थ, सुन्दर एवं आकर्षक लगने लगेगा।
- खाने-पीने की आदतों में सुधार लाएं।

सेहत के लिए वरदान हैं पत्तियां

प्राचीन काल से पेड़-पौधे मानव जीवन का महत्वपूर्ण अंग रहे हैं। पेड़ों के फल व फूल जहां मानव का पेट भरने व मानसिक शांति प्रदान करने में सहायक हैं, वहीं पत्तियों की भी हमारे जीवन में विशेष भूमिका है। ये मानव के स्वास्थ के लिए किसी वरदान से कम नहीं हैं। अधिकांश लोग इस बात से अपरिचित हैं कि पत्तियों का प्रयोग औषधि के रूप में भी किया जाता है।

- नीम की पत्तियों से साबुन व टूथपेस्ट बनाए जाते हैं। इसकी पत्तियों को पानी में उबालकर उस पानी से नहाने से खुजली आदि में आराम मिलता है। नीम की पत्तियों को सुबह चबा कर खाने से खून साफ होता है व कील-मुंहासे नहीं निकलते हैं। झाइयां व दाग-धब्बे दूर करने में नीम की पत्तियों का लेप लाभप्रद है।

- मुंह के छाले होने पर मेहंदी के पत्ते को पानी में उबालकर उस पानी से गरारे करें। इसके पत्तों को पीस कर सिर पर मलने से सिरदर्द व आंखों की जलन में राहत मिलती है।
- पालक के पत्ते पेट को साफ रखने में सहायक हैं। इसके पानी से गरारे करने से गले के दर्द में आराम मिलता है। पालक के पत्तों में मौजूद कैल्शियम दांतों व मसूड़ों को मजबूत बनाता है। इसके नियमित प्रयोग से कब्ज की बीमारी से मुक्ति मिलती है। पालक में विटामिन-ए विशेष मात्रा में होता है। इससे आंखों की ज्योति बढ़ती है।
- पेचिश रोग होने पर अमरूद के पत्तों का रस उबाल कर पिएं।
- दांत के दर्द में अमरूद की पत्तियां चबाने से आराम मिलता है।
- नेत्र-ज्योति में वृद्धि करने हेतु बंदगोभी के पत्तों को सलाद के रूप में नियमित प्रयोग करें।
- मूली के पत्तों का रस पथरी रोग में लाभप्रद है।
- सिरदर्द होने पर हरे धनिये के पत्तों का रस नाक में टपकायें।
- नींबू के रस में मेथी के पत्तों को पीसकर बालों में लगाने से बाल घने, काले व मुलायम हो जाएंगे।
- तुलसी की 2-3 पत्तियों को प्रतिदिन खाली पेट खाने से स्मरण शक्ति में वृद्धि होती है। शहद के साथ तुलसी के पत्ते खाने से खांसी दूर होती है।
- बुखार व बदन दर्द में इसके पत्तों का काढ़ा बना कर पिएं।
- पान के पत्ते पर घी लगाकर जख्म को सेकने से उसमें मवाद आसानी से निकल जाता है।
- आम की पत्तियों में फ्लोराइड होता है अत: इन्हें चबाने से दांत चमकदार व मजबूत रहते हैं।
- करेले के पत्तों का रस पेट के कीड़ों को नष्ट करता है।
- गुर्दे के दर्द में अंगूर के पत्तों का रस थोड़े से पानी में उबालकर काले नमक के साथ पिएं।

सुबह की सैर

सुबह की सैर एक उत्तम व्यायाम है। इससे शरीर की समस्त इंद्रियां चुस्त-दुरूस्त रहती हैं। सैर करने से शरीर की अनावश्यक चर्बी घटती जाती है और बदन सुडौल व स्वस्थ बना रहता है। सैर हमेशा शौचादि क्रिया से निवृत्त होकर करनी चाहिए। जहां तक संभव हो हरियाली वाले क्षेत्र यानी बाग-बगीचे में ही सैर करें। हरी घास पर नंगे पैर चलने से आंखों की ज्योति बढ़ती है। घुटनों में जकड़न या दर्द हो, आर्थराइटिस या गठिया रोग हो तो नियमित रूप से सैर करने से पीड़ित व्यक्ति को फायदा पहुंचता है। जो लोग हृदय रोग के शिकार हैं उनके लिए पैदल चलना सबसे अच्छा व्यायाम है। उन्हें साधारण गति से पैदल चलना चाहिए। इससे हृदय की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और हृदय सुचारू रूप से कार्य करता है। सुबह की सैर से पाचन तंत्र ठीक रहता है। पेट संबंधी रोग व स्वास्थ्य की दुश्मन कब्ज भी दूर होती है। नियमित सैर करने से शरीर की ही नहीं दिमाग की कार्यकुशलता भी बढ़ती है। सैर करते समय तंग कपड़े नहीं पहनने चाहिएं और न ही सैंडिल या तंग जूते। बीमार व्यक्ति को सैर नहीं करनी चाहिए। पैदल चलने से ऊर्जा नष्ट होती है जिससे बीमार व्यक्ति और सैर नहीं करनी चाहिए। पैदल चलने से ऊर्जा नष्ट होती है जिससे बीमार व्यक्ति और अधिक थक जाता है। इससे उसके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-2-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। शुभांक-3-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। शुभांक-2-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-3-6-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिलेगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-1-3-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम होगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-5-9

काकुरो पहेली - 2565

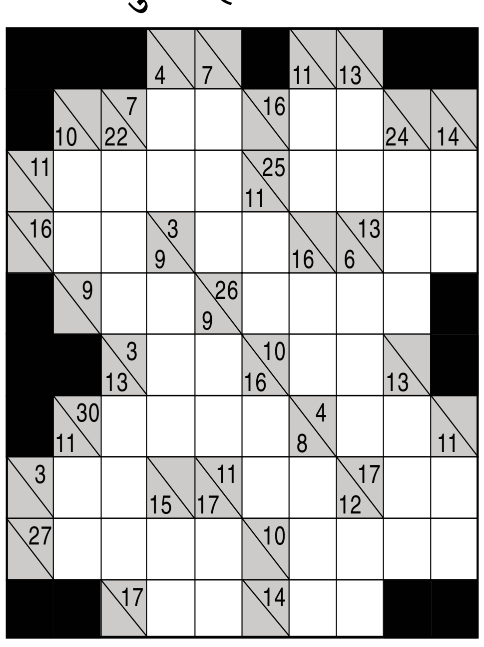

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

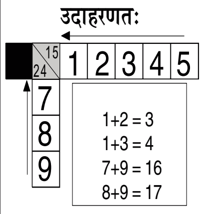

काकुरो - 2564 का हल

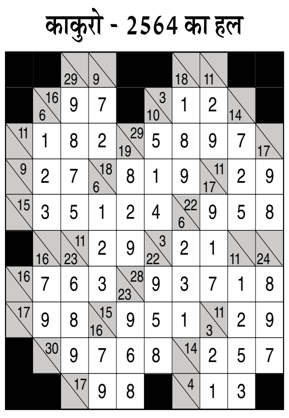

लॉफिंग ज़ोन

भिखारी - भगवान के लिए भिखारी को कुछ दे दो बाबा.

राहगीर - भीख तो दे दूं, पर कैसे मानूं कि तुम अंधे हो?

भिखारी - साहब, क्या सामने वाले लाल मकान के पीछे नीले मकान की छत पर बैठा सफेद कबूतर आपको दिख रहा है.

राहगीर - हां, मुझे तो दिख रहा है.

भिखारी - लेकिन वह कबूतर मुझे दिखाई नहीं दे रहा है.

☺ ☺ ☺

दो पड़ोसियों में किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया. मामले ने तूल पकड़ा और दोनों ओर से पथराव और मारपीट के पश्चात बंदूकें तन गयी. मोहल्ले वालों की तमाम कोशिशों के बावजूद कोई नहीं रुका.

तभी एक आदमी दोनों पक्षों के बीच में कूद पड़ा और बोला- अगर तुम लोगों को गोली ही चलानी है, तो मुझ पर चलाओ, मुझे मार डालो.

फौरन दोनों पक्षों की बंदूकें नीची हो गयी. बाद में पता चला-बीच में कूदने वाला व्यक्ति दोनों पक्षों का कर्जदार है.

☺ ☺ ☺

रमेश (मुकेश से)- 'इस महंगाई के जमाने में गरीब आदमी क्या सोचता है?'

मुकेश (रमेश से)- शादीशुदा नहीं है तो शादी के बारे में. शादीशुदा है तो मौत के बारे में.'

फिल्म वर्ग पहेली - 2565

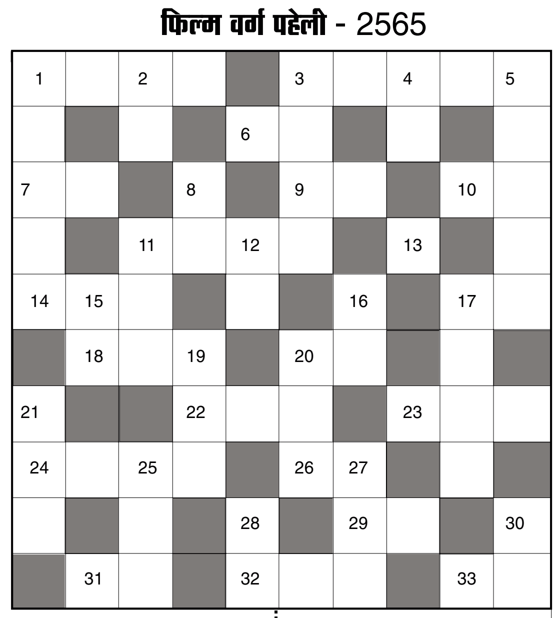

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2564

बं	दि	नी		पु		गैं	ब	ल	र
ध		ल	ल	का	र		हा		वी
न	सी	म		र		प	र	वा	ना
	मा		श		सु	र		सु	
आ		आ	शि	क		दे	वी		ह
ह	मे	शा		ह	व	स		स	त्या
	ला		आ	र	जू		खे	ल	
बे		ला	वा		द	स		मा	या
खु			रा	जू		फ	र्ज		रा
दी	वा	ने		ली	ड	र		टी	ना

सूडोकु - 2565

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2564 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली -2565

बाएँ से दाएँ

1.दयालु.उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -2564 का हल

	खा	दि	म				र	ह	ना	
दा	द		हा	ति	म	ता	ई		क	प
न			न	ल		र	स			ना
व	च	न		स्म	र	ण		व	रा	ह
	क	ल	म		ण		नी	र	ज	
	ना		री	स		जा	ल		कु	
	चू	स	ना		प		म	हि	मा	
च	र	खा		ग	रि	मा		ना	र	द
र			त	म		य	म			ली
म	स्त		स	ला	ह	का	र		क	ल
	र	सी	ला				जी	तें	द्र	

चारधाम यात्रा में 48 लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे, यमुनोत्री में बना नया रिकॉर्ड

देहरादून। उत्तराखंड में मानसून की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद चारधाम यात्रा जारी है। यात्रा के 125 दिनों में 48 लाख से अधिक श्रद्धालु चारधामों के दर्शन कर चुके हैं। यह संख्या पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 5 लाख 22 हजार 634 अधिक है। वहीं, यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं की संख्या ने नया रिकॉर्ड कायम किया है। पहली बार यहां 6.68 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चारधाम यात्रियों की सुरक्षा प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। चारों धामों और यात्रा पड़ावों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए गए हैं। जिलाधिकारियों को भी यात्रा व्यवस्थाओं पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।राज्य सरकार के अनुसार, मानसून को देखते हुए चारधाम यात्रा को विशेष सतर्कता और निगरानी के साथ संचालित किया जा रहा है। यात्रा से जुड़े रुद्रप्रयाग,चमोली और उत्तरकाशी जिलों में आपदा प्रबंधन तंत्र को चौबीसों घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है। मौसम खराब होने की स्थिति में यात्रा को नियंत्रित किया जा रहा है और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

मध्य प्रदेश के कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात, रीवा में 4,000 से ज्यादा लोगों का रेस्क्यू

भोपाल । मध्य प्रदेश के पूर्वी जिलों में बारिश ने बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिए हैं। नर्मदा और मंदाकिनी समेत कई नदियां उफान पर हैं। प्रशासन ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। डिंडोरी, पन्ना, रीवा, सतना और छतरपुर जिलों में सबसे ज्यादा असर देखा जा रहा है। कई इलाकों में जलभराव हो गया है। सुरक्षा को देखते हुए मैहर और डिंडोरी में स्कूल बंद कर दिए गए हैं। डिंडोरी में आंगनवाड़ी केंद्र भी बंद किए गए हैं। जिला प्रशासन अलर्ट पर है। रीवा जिले में हालात सबसे खराब हैं। श्आंकड़ों के मुताबिक 27 राहत शिविरों में करीब 3,000 लोगों को रखा गया है। अब तक बाढ़ में फंसे 4,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। राजस्व अधिकारी, पुलिस और रेस्क्यू टीम बाढ़ प्रभावित इलाकों में तैनात हैं और लगातार स्थिति पर नजर रख रहे हैं। मऊगंज में अष्टभुजा नदी उफान पर है। नदी का पानी नैगढ़ी गांव तक पहुंच गया। अमृत योजना के तहत निर्माण कार्य कर रहे चार मजदूर फंस गए। इनमें से एक मजदूर तेज बहाव में बह गया।

जयंत पर टिप्पणी करना बेहद शर्मनाक, जाट समाज से माफी मांगें अखिलेश : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव के केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को लेकर दिए बयान पर हमला बोला है। उन्होंने अखिलेश यादव के बयान को अमर्यादित और शर्मनाक बताते हुए उनसे राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) और उसके नेता से ही नहीं, बल्कि पूरे जाट समाज से भी माफी मांगने की मांग की है। मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सपा प्रमुख का अपनी पुरानी सहयोगी पार्टी रालोद और उसके नेता के बारे में यह कहना कि 'हमने इनको चवन्नी से रुपया बना दिया है', पूरी तरह अमर्यादित, अशोभनीय और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि ऐसी अहंकारी और अलोकतांत्रिक बयानबाजी के लिए अखिलेश यादव को रालोद और उसके नेता के साथ-साथ चौधरी चरण सिंह के परिवार का अपमान करने के लिए पूरे जाट समाज से भी तत्काल माफी मांगनी चाहिए।बसपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि सपा का राजनीतिक आचरण अपने विरोधी दलों के साथ-साथ सहयोगी दलों के प्रति भी राजनीतिक संकीर्णता और जातिवादी द्वेष से प्रभावित रहा है।

पंजाब की आप सरकार 341 करोड़ रुपए की लूट करने की तैयारी में है : अकाली दल

चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार चुनाव लड़ने के लिए लिए गए 25,000 करोड़ रुपए के ऋण पर कमीशन देने के बहाने सरकारी खजाने से 341 करोड़ रुपए की लूट करने की तैयारी में है। अकाली नेता एनके शर्मा ने इस पूरे मामले की स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए कहा कि जब ऋण सरकारी गारंटी के तहत लिया गया है तो 341 करोड़ रुपए का कमीशन देने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने यहां मीडिया से कहा कि यह पूरा मामला भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी से भरा है और इसकी गहन जांच होनी चाहिए। उन्होंने इतनी बड़ी रकम का ऋण लेने के बावजूद कोई पूंजी निवेश योजना न बनाने के लिए राज्य सरकार की निंदा भी की। शर्मा ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार राज्य की दो प्रमुख संस्थाओं, पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) और ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी (जीएमएडीए) को 8.65 प्रतिशत की उच्च ब्याज दर पर भारी ऋण लेने के लिए मजबूर करके उन्हें दिवालिया और बर्बाद करने पर तुली हुई है।

शर्मिला टैगोर पर शमीक भट्टाचार्य का हमला

'नाती का नाम तैमूर रखने वाले वंदे मातरम पर जितना कम बोलें, उतना मंगल'

एजेंसी

कोलकाता। 'वंदे मातरम' को लेकर कांग्रेस और भाजपा के बीच जारी सियासी घमासान के बीच पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष शमीक भट्टाचार्य ने अभिनेत्री शर्मिला टैगोर पर तीखा हमला बोला है। शर्मिला टैगोर ने हाल ही में कहा था कि धार्मिक रूप से विविधता वाले देश में 'वंदे मातरम' के पूरे गीत को लेकर कुछ समुदायों के लोगों को आपत्ति हो सकती है। उनके इस बयान पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। शमीक भट्टाचार्य ने मीडिया से बातचीत में कहा कि शर्मिला टैगोर अपनी निजी राय रखने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन उन्हें इतिहास और अपने परिवार के संदर्भ में भी बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'शर्मिला टैगोर को भी भारतीय जनता पार्टी याद दिलाना चाहती है कि जिस तैमूर ने भारत पर आक्रमण किया, मंदिरों को नष्ट किया, लोगों की हत्या और जबरन धर्म परिवर्तन कराया, उसी नाम पर उनके घर में भी एक नाम है। उनके नाती का नाम तैमूर अली खान है। इसलिए वंदे मातरम पर वह जितना कम बोलें, उतना ही मंगल होगा। 'दरअसल, 'वंदे मातरम' के पूरे गीत को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद तेज है। भाजपा का तर्क है कि गीत के केवल पहले दो अंतरों तक

सीमित रहने के बजाय पूरा गीत गाया जाना चाहिए। इसी मुद्दे पर पार्टी की ओर से नए कानून की बात भी कही गई है। शर्मिला टैगोर ने इस पर कहा था कि देश में ऐसे लोग भी हैं जो एकेश्वरवाद में विश्वास करते हैं और देवी-देवताओं की पूजा नहीं करते। उनके मुताबिक, गीत की कुछ पंक्तियां ऐसे लोगों के लिए असहज हो सकती हैं। उन्होंने कहा था कि गीत के शुरुआती दो अंतरे मातृभूमि के प्रति सम्मान और प्रेम की भावना व्यक्त करते हैं और उन्हें व्यापक रूप से स्वीकार किया जा सकता है।

शर्मिला के बयान के बाद भाजपा नेताओं की ओर से लगातार प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। इससे पहले अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी उनके बयान पर निशाना साधा था। अब शमीक भट्टाचार्य की टिप्पणी ने इस राजनीतिक विवाद को और तीखा कर दिया है। शर्मिला टैगोर के नाती तैमूर अली खान के नाम को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। सैफ अली खान और करीना कपूर के बड़े बेटे के जन्म के बाद उनके नाम को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बहस हुई थी। हालांकि करीना कपूर ने बताया था कि 'तैमूर' का अर्थ 'लोहा' होता है और उन्होंने बेटे का नाम मजबूती और दृढ़ता के प्रतीक के तौर पर रखा था। अब वर्षों पुराने इसी नाम विवाद को शमीक भट्टाचार्य ने 'वंदे मातरम' की बहस के बीच फिर उठा दिया है।

सीजेपी ने राजस्थान के स्कूलों की हालत पर जवाबदेही मांगी

राजनीतिक मकसद से इनकार किया

एजेंसी

जयपुर । सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि संगठन पूरे भारत में स्कूलों का दौरा करना जारी रखेगा ताकि उनकी खराब हालत को उजागर किया जा सके और सभी सरकारों से जवाबदेही मांगी जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका 'स्कूल ठीक करो' अभियान चुनावी या राजनीतिक कारणों से प्रेरित नहीं है।बात करते हुए रांका ने कहा कि हम कुछ नहीं कहेंगे। हम सिर्फ स्कूलों का दौरा करेंगे। आप जो चाहें कर सकते हैं। हम आपकी बकवास से नहीं डरते। हम अपने स्कूलों की मरम्मत करवाएंगे। आप जो चाहें कर सकते हैं। देखिए, हम सरकार से जवाबदेही मांग रहे हैं। सरकारी स्कूलों की हालत को लेकर अधिकारियों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि ध्यान इस बात पर नहीं होना चाहिए कि सीजेपी 48 घंटों में क्या करेगा, बल्कि इस बात पर होना चाहिए कि सरकार बुनियादी ढांचे के संकट को कब दूर करेगी। रांका ने कहा कि सवाल यह नहीं होना चाहिए कि सीजेपी 48 घंटों में क्या करेगा। सवाल यह होना चाहिए कि सरकार इन स्कूलों की मरम्मत कब करेगी। राजस्थान में बिना इमारत के चल रहे 600 स्कूलों की मरम्मत कब होगी? खराब हालत वाले 85,000 क्लासरूम की मरम्मत कब होगी? आपको ये सवाल राजस्थान सरकार से पूछने चाहिए। राजस्थान के एक गांव में कथित हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए रांका ने कहा कि घटना के वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किए गए हैं और पुलिस

को सौंपे गए हैं। उन्होंने कहा कि कल जो हुआ वह वीडियो में कैद हो गया है, जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। हमने वे वीडियो पुलिस के साथ भी शेयर किए हैं। ये बिना एडिट किए हुए वीडियो हैं। हमारा कोई खास नैरेटिव नहीं है।

गुजरात में दिव्यांग कर्मचारियों के प्रमोशन में आरक्षण पर नीति बनाने के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन

एजेंसी

गांधीनगर। गुजरात सरकार ने राज्य सेवाओं में दिव्यांग कर्मचारियों के लिए प्रमोशन में आरक्षण पर नीति बनाने के लिए मुख्य सचिव एमके दास की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया।

समिति को प्रमोशन में आरक्षण से जुड़े कानूनी और प्रशासनिक ढांचे की जांच करने और दिव्यांग कर्मचारियों के लिए एक सही पॉलिसी की सिफारिश करने का काम सौंपा गया है। इसमें आरक्षण का प्रतिशत और इसे लागू करने के लिए जरूरी उपाय शामिल हैं। इसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव करेंगे। इसमें सामान्य प्रशासन, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग और कानून विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, साथ ही दिव्यांगजन आयुक्त भी शामिल होंगे। इस समिति का गठन हाल ही में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जीएडी द्वारा जारी एक प्रस्ताव के माध्यम से किया गया था। यह राज्य सरकार के तहत सेवाओं और पदों पर दिव्यांगजनों के लिए प्रमोशन में आरक्षण से जुड़े मौजूदा कानूनी प्रावधानों की विस्तार से जांच करेगी। यह केंद्र सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस और दिव्यांग कर्मचारियों के लिए प्रमोशन में आरक्षण से संबंधित सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाई कोर्ट के फैसलों का भी अध्ययन करेगी।

समिति इस बात की जांच करेगी कि गुजरात के लिए पॉलिसी बनाते समय इन कानूनी प्रावधानों और अदालती फैसलों को कैसे लागू किया जा सकता है। अन्य राज्य सरकारों द्वारा अपनाई गई पॉलिसी और प्रावधानों का तुलनात्मक अध्ययन भी समिति के काम का हिस्सा होगा। इस मूल्यांकन के आधार पर, यह विचार करेगी कि राज्य सरकार में दिव्यांग अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रमोशन में आरक्षण देने के लिए कौन सी पॉलिसी सही रहेगी।

समिति कई पहलुओं पर सिफारिशें करेगी, जिसमें प्रमोशन में आरक्षण का प्रतिशत भी शामिल है। इसके लिए वह अन्य राज्यों की पॉलिसी, मौजूदा कानूनी प्रावधानों, केंद्र की गाइडलाइंस और कोर्ट के फैसलों को ध्यान में रखेगी। यह राज्य सरकार के प्रशासन में प्रस्तावित पॉलिसी को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जरूरी कदमों की भी जांच करेगी। समिति को अपने अध्ययन के लिए जरूरत पड़ने पर किसी भी विभाग या कार्यालय से जानकारी और राय लेने का अधिकार दिया गया है।

लखनऊ डबल मर्डर-सुसाइड केस में एक करोड़ रुपए के तलाक सेटलमेंट की मांग की जांच में जुटी पुलिस

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ को दहला देने वाले दोहरे हत्याकांड और आत्महत्या के मामले की जांच ने नया मोड़ ले लिया है। पुलिस आरोपी और अलग रह रही उसकी पत्नी के बीच पैसों के विवाद की जांच कर रही है, जिसमें तलाक के समझौते के तहत एक करोड़ रुपए की कथित मांग भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक, 38 साल के मानस वाजपेयी ने कथित तौर पर पत्नी दिव्या मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। दिव्या गोमती नगर में आईसीआईसीआई बैंक की ब्रांच में काम करती थी और घटना बैंक के बाहर हुई। इसके बाद आरोपी कथित तौर पर घर लौटा और 28 साल की अपनी बहन शिवा वाजपेयी की हत्या की और फिर खुदकुशी कर ली। जांच करने वाले अधिकारी अब मानस और दिव्या के बीच तलाक की कार्यवाही से जुड़े

> इस बीच, दिव्या की बहन और यूट्यूबर प्रज्ञा मिश्रा ने मानस पर शादी के दौरान अपनी बहन के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में प्रज्ञा ने आरोप लगाया कि मानस छोटी-छोटी बातों पर दिव्या के साथ हिंसक हो जाता था। उन्होंने दावा किया कि मानस के कथित क्रूर व्यवहार के कारण ही दिव्या उससे अलग होना चाहती थी। प्रज्ञा ने इस बात पर भी सवाल उठाए कि मानस को वे हथियार कैसे मिले, जिनका इस्तेमाल कथित तौर पर इस घटना में किया गया था।

दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दोनों की शादी को करीब 12 साल हो चुके थे, लेकिन वे एक साल से ज्यादा समय से अलग-अलग रह रहे थे। खबरों के मुताबिक, दिव्या ने पिछले साल तलाक के लिए अर्जी दी थी। जांच अधिकारी उन आरोपों की भी जांच कर रहे हैं जिनमें कहा गया है कि उन्होंने एलिमनी या फाइनेंशियल सेटलमेंट के तौर पर 1 करोड़ रुपए की मांग की थी। एनडीटीवी के मुताबिक, तलाक के मामले से जुड़े दस्तावेज मिल गए हैं और जांच टीम उसकी बारीकी से जांच कर रही है। खबरों के अनुसार, हत्याओं से दो दिन पहले एक स्थानीय अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई थी, जिसमें कथित तौर पर फाइनेंशियल सेटलमेंट का मुद्दा उठा था।पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि क्या तलाक के सेटलमेंट को लेकर हुआ विवाद इस कथित अपराध की वजह हो सकता है। फाइनेंशियल विवाद के अलावा, जांच अधिकारी जोड़े के बीच खराब रिश्तों और मानस की बहन शिवा से जुड़े मतभेदों की भी जांच कर रहे हैं। शिवा कथित तौर पर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी। शिवा उस जोड़े के साथ ही रह रही थी। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या उसकी देखभाल और हालत को लेकर बार-बार होने वाले झगड़ों ने मानस और दिव्या के रिश्तों पर और बुरा असर डाला था।

महाराष्ट्र में 13 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित

खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर एफडीए की कार्रवाई

एजेंसी

मुंबई। खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता नियमों के गंभीर उल्लंघन के मामले में महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने (एफडीए) राज्य के 13 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र निलंबित कर दिए हैं। राज्य के विभिन्न शहरों में किए गए निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के भंडारण, स्वच्छता, तापमान नियंत्रण और खाद्य पदार्थों की हैंडलिंग में गंभीर खामियां पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई।

एफडीए अधिकारियों के अनुसार, मुंबई के कुलाबा स्थित बॉम्बे प्रेसिडेंसी रेडियो क्लब, मैकडॉनल्ड्स, मालाड स्थित नोवारा, नरीमन पॉइंट स्थित स्टेटस रेस्टोरेंट, खार स्थित खार जिमखाना, सांताक्रूज़ स्थित बजरंग स्वीट मार्ट और अंधेरी पश्चिम स्थित एएसएम होटल्स एंड हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसके अलावा नागपुर स्थित ड्यू ब्रदर्स शावरमा, नासिक स्थित अवंती स्नैक्स और अमरावती स्थित पिंटू यादव स्वीट्स के लाइसेंस भी निलंबित किए गए हैं। छत्रपति संभाजीनगर और परभणी स्थित छप्पन भोग थाली रेस्टोरेंट एंड बैंक्वेट हॉल, म्हारो गायत्री मेवाड़ प्राइवेट लिमिटेड और स्टार बेकरी, परभणी के खिलाफ भी खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन को लेकर कार्रवाई की गई है।

सीलबंद लिफाफे में एंडोस्कोपी कैमरा डालकर पेपर लीक, प्रोफेसर समेत 6 गिरफ्तार

11-11 हजार रुपए में छात्रों को बेचा था B.Sc. एग्रीकल्चर का पर्चा, सुई से बारीक छेद कर कैमरे से की थी स्कैनिंग

एजेंसी

रायपुर/दुर्ग। छत्तीसगढ़ में पेपर लीक का एक बेहद अनोखा और हाई-टेक मामला सामने आया है। दुर्ग के एक निजी कृषि कॉलेज के प्रोफेसर ने सीलबंद लिफाफे को बिना फाड़े उसमें सुई से छोटा छेद किया और एंडोस्कोपी कैमरा अंदर डालकर पूरे प्रश्न पत्र का वीडियो बना लिया। इसके बाद हाथ से प्रश्न लिखकर विद्यार्थियों को 11-11 हजार रुपये में बेच दिया। पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रोफेसर और पेपर खरीदने वाले 5 छात्रों सहित 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि 2 अन्य की तलाश जारी है। पुलिस जांच में सामने

आया कि मुख्य आरोपी योगेश सोनकेसरिया दुर्ग स्थित भारती एग्रीकल्चर कॉलेज में वर्ष 2019 से प्रोफेसर है। वह इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से अपने कॉलेज की उत्तर पुस्तिकाएं जमा करने और आगामी परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लेने रायपुर आया करता था। 17 अगस्त को जब वह रायपुर के जोरा स्थित कृषि महाविद्यालय से प्रश्न पत्र लेकर निकला, तो 20 अगस्त को होने वाली क्रस्न्. कृषि सेकेंड ईयर के 'कीटशास्त्र' विषय के सीलबंद लिफाफे को अपने घर ले गया। हाई-टेक स्कैनिंगः आरोपी प्रोफेसर ने सीलबंद लिफाफे में बारीक छेद किया और मेडिकल जांच में इस्तेमाल होने वाले एंडोस्कोपी कैमरे को केबल के जरिए अंदर डालकर प्रश्न पत्र की रिकॉर्डिंग कर ली। हस्तलिखित नोट्स की बिक्रीः वीडियो से प्रश्नों को कॉपी में हाथ से उतारा और फिर फेविकोल से लिफाफे के छेद को दोबारा चिपका दिया।

वॉट्सऐप पर वायरलः परीक्षा शुरू होने से करीब 2 घंटे पहले यह पेपर छात्रों के पास वॉट्सऐप पर पहुंच गया, जिसे प्रति छात्र 11,000 रुपये में बेचा गया था।

मामले की जानकारी ई-मेल के जरिए कवर्धा कृषि कॉलेज और यूनिवर्सिटी प्रबंधन तक पहुंची। इसके बाद विश्वविद्यालय ने 7 अगस्त को हुई फर्स्ट ईयर प्लांट पैथोलॉजी और 20 अगस्त की सेकेंड ईयर कीटशास्त्र परीक्षा को तुरंत स्थगित कर पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई। दुर्ग पुलिस ने तकनीकी निगरानी के आधार पर सबसे पहले अनुज मिंज नामक छात्र को हिरासत में लिया।

पुणे में छात्राओं से संवाद में बोले राहुल गांधी -

'महिलाओं की स्वतंत्र पहचान जरूरी'

एजेंसी

पुणे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पुणे के एआईएसएसएमएस कॉलेज मैदान में आयोजित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान छात्राओं से सीधा संवाद किया। लगभग सवा घंटे तक चले इस संवाद सत्र में उन्होंने महिला सशक्तिकरण, पितृसत्तात्मक सोच, शिक्षा व रोजगार में लैंगिक समानता और महिलाओं की सामाजिक व आर्थिक स्वतंत्रता के मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

प्रमुख बिंदु एवं विचार :

1. स्वतंत्र पहचान और रूढ़िवादिता का विरोध

राहुल गांधी ने कहा कि महिलाओं का उनके पिता, पति और बेटे से रिश्ता जरूर होता है, लेकिन उनकी पहचान इन रिश्तों तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को किसी की संपत्ति मानने वाली पुरानी मानसिकता को पीछे छोड़ना होगा और समाज को महिलाओं की स्वतंत्र पहचान

स्वीकार करनी चाहिए।

2. महिलाओं के खिलाफ हिंसा के तीन स्वरूप

उन्होंने समाज में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों और हिंसा को तीन श्रेणियों में रेखांकित कियाः

प्रथम : जन्म के समय होने वाला भेदभाव व कन्या भ्रूण हत्या।

द्वितीय : शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना।

तृतीय : आर्थिक बंदिशें और वित्तीय स्वतंत्रता का अभाव।

3. नियंत्रण के सामाजिक तंत्र और आंकड़े

राहुल गांधी ने चर्चा के दौरान कहा कि समाज में महिलाओं को नियंत्रित करने के लिए हिंसा, अनादर, समय की पाबंदी और अत्यधिक नियंत्रण जैसे तरीकों का इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज भी देश में केवल लगभग 8% महिलाओं के पास स्वतंत्र संपत्ति का मालिकाना हक है और करीब 45% लड़कियों की पढ़ाई शादी या घरेलू जिम्मेदारियों के चलते छूट जाती है।

4. 'बी लाउड, बी प्राउड' का संदेश

छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने कहा कि वे किसी भी प्रकार के भय या दबाव में न रहें। उन्होंने कहा, 'अपनी बात को मजबूती से रखें, गर्व महसूस करें और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाएं।' उन्होंने लड़कियों से समाज द्वारा तय किए गए बंधनों और 'पिंजरों' को तोड़कर शिक्षा, नौकरी और जीवन के फैसले खुद लेने का आह्वान किया।

मंच पर छात्राओं व अतिथियों से सीधा संवाद

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राओं ने प्रतियोगी परीक्षाओं, सुरक्षा और सामाजिक चुनौतियों से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। वहीं लोकगायिका नेहा सिंह राठौर ने भी मंच पर अपनी बात रखते हुए लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति और आलोचनात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर अपने विचार रखे। राहुल गांधी ने युवाओं से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और जनहित के मुद्दों पर लगातार मुखर रहने की अपील की।

बिहार के पश्चिम चंपारण में ऑर्केस्ट्रा देख रहे लोगों को तेज रफ्तार बस ने रौंदा, पांच की मौत

एजेंसी

पश्चिम चंपारण। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के लौरिया थाना क्षेत्र में रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। बेतिया-लौरिया मुख्य मार्ग पर पराउ टोला बनकटवा के पास तेज रफ्तार यात्री बस सड़क किनारे चल रहे ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम में जा घुसी और वहां मौजूद लोगों को रौंद दिया। हादसे में मृतकों की पहचान लौरिया थाना क्षेत्र के बनकटवा निवासी बहादुर महतो, संजय कुमार, भोला दुबे, देवेंद्र दुबे और छांगुर राम के रूप में हुई है। बताया गया है कि देवेंद्र दुबे के बेटे की छठी का कार्यक्रम था और इसी मौके पर ऑर्केस्ट्रा का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग सड़क किनारे मौजूद थे। पुलिस के अनुसार, यात्री बस गोरखपुर से बेतिया की ओर जा रही थी। बगहा-लौरिया मुख्य मार्ग पर सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से टक्कर से बचने के प्रयास में बस चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। अनियंत्रित बस सड़क किनारे चल रहे ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम में जा घुसी और वहां मौजूद लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। सूचना मिलने पर लौरिया थाना पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से बेतिया स्थित जीएमसीएच भेजा गया। वहां घायलों का इलाज चल रहा है। घायलों में विनय कुमार यादव, श्याम बाबू, मोती चंद्र महतो और नरेश राम समेत अन्य लोग शामिल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद आक्रोशित स्थानीय लोगों ने बस और ट्रक में तोड़फोड़ शुरू कर दी। बताया गया कि हादसे के समय बस में करीब 15 यात्री सवार थे। भीड़ ने सभी यात्रियों को बस से नीचे उतार दिया और इसके बाद वाहन में तोड़फोड़ की। लोगों ने ऑर्केस्ट्रा कार्यक्रम में लगी कुर्सियों और स्पीकर को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव और अफरातफरी की स्थिति बन गई। हंगामे की सूचना मिलने पर नरकटियागंज के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) जयप्रकाश सिंह तत्काल मौके पर पहुंचे।

आर्चरी प्रीमियर लीग खेलेंगी ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड, शामिल होंगे दुनिया के 12 स्टार तीरंदाज

नई दिल्ली, एजेंसी। हैदराबाद पेरिस 2024 ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड (यूएसए) आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सीजन में डेब्यू करेंगी। यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू होगा, जिसमें 10 अलग-अलग देशों के 12 विदेशी तीरंदाज हिस्सा लेंगे। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की इस लीग का दूसरा सीजन तेलंगाना सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें छह क्षेत्रीय फ्रेंचाइजी में बंटे 48 तीरंदाज हिस्सा लेंगे।

मौजूदा वर्ल्ड गेम्स इंडिविजुअल चैंपियन माइक श्लोसेर (वर्ल्ड नंबर 2) और एंड्रिया बेसेरा (वर्ल्ड नंबर 1) पहले सीजन के बाद फिर से वापसी करेंगे। सीजन 1 के स्टार और 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट मैथियास फुलरटन भी वापसी करेंगे। इनके साथ मेक्सिको के 22 वर्षीय मटियास ग्रांडे (वर्ल्ड नंबर 3) और स्पेन की एलिया कैनेलेस भी 11 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। 20 वर्षीय ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड उन खास खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होंगी, जिनमें तुर्की के मेटे गाजोज और मेक्सिको की एलेजांद्रा वैलेंसिया जैसे ओलंपिक मेडलिस्ट शामिल हैं; ये दोनों खिलाड़ी लीग के पहले सीजन में भी खेले थे। कंपाउंड आर्चरी में वर्ल्ड नंबर 3 खिलाड़ी, कोलंबिया की एलेजांद्रा उस्कियानो, और ब्राजील के मार्कस डी'अल्मेडा - जो वर्तमान में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी हैं और 2014 यूथ ओलंपिक खेलों में ब्रॉन्ज मेडलिस्ट रहे हैं - उन अन्य अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजों में शामिल हैं जो हैदराबाद में एपीएल में डेब्यू करने जा रहे हैं।

अर्जुन तेंदुलकर के करियर का बड़ा फैसला इस टीम के साथ ही जारी रखेंगे घरेलू क्रिकेट

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर के क्रिकेट करियर को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं। घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनके इंटरनेशनल डेब्यू का इंतजार अब भी जारी है। 26 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्जुन ने अपने घरेलू क्रिकेट करियर की शुरुआत मुंबई से की थी, लेकिन 2022-23 सीजन से पहले उन्होंने गोवा का रुख कर लिया। तब से वह गोवा की टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं। हाल ही में गोवा के ओमान दौरे पर अर्जुन के नहीं जाने के बाद उनके भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो गई थीं। हालांकि, अब अर्जुन ने गोवा के साथ अपने सफर को जारी रखने का फैसला किया है।

अर्जुन तेंदुलकर ने गोवा के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वह टीम के नियमित सदस्य रहे हैं और फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 50 से ज्यादा विकेट अपने नाम कर चुके हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी पर भी काफी काम किया है। रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के खिलाफ अर्जुन ने शानदार शतक भी लगाया था। इस प्रदर्शन के बाद अर्जुन की पहचान सिर्फ सचिन तेंदुलकर के बेटे के रूप में नहीं, बल्कि एक ऑलराउंडर क्रिकेटर के तौर पर भी मजबूत हुई है। गोवा की टीम ने उन्हें लगातार खेलने और गेंदबाजी के साथ साथ बल्लेबाजी में अपनी क्षमता दिखाने का मौका दिया है। ऐसे में गोवा के साथ बने रहना उनके करियर के लिए अहम फैसला माना जा रहा है।

अर्जुन तेंदुलकर को IPL 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा बनने का मौका मिला। हालांकि, पूरे सीजन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। आखिरकार सीजन के आखिरी मुकाबले में उन्हें पंजाब किंग्स के खिलाफ मैदान पर उतरने का मौका मिला। इस मुकाबले में अर्जुन ने अपनी गेंदबाजी से प्रभावित किया। उन्होंने चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट हासिल किया। उनकी गेंदबाजी में खास तौर पर यॉर्कर देखने को मिलीं।

संक्षिप्त समाचार

2000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट दिखा रहे इंसानों जैसा करतब; हैरान हुए दर्शक

बीजिंग , एजेंसी। बीजिंग में दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स यानी 'रोबोट ओलंपिक' की शुरुआत हो गई है। पांच दिन चलने वाले इस आयोजन में 16 देशों की 650 से अधिक टीमें हिस्सा ले रही हैं। 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट फुटबॉल, टेनिस, बॉक्सिंग, बैडमिंटन और एथलेटिक्स जैसे खेलों में अपनी क्षमता दिखा रहे हैं। चीन की राजधानी बीजिंग में शनिवार से दूसरे वर्ल्ड ह्यूमनॉइड रोबोट गेम्स (रोबोट ओलंपिक) की शुरुआत हो गई है। इस पांच दिवसीय आयोजन में 16 देशों के 650 से अधिक टीमों के 2,000 से ज्यादा ह्यूमनॉइड रोबोट हिस्सा ले रहे हैं। ह्यूमनॉइड के इस ओलंपिक में रोबोट्स के बीच दौड़, फुटबॉल, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, किकबॉक्सिंग जैसे विभिन्न खेल मुकाबले व औद्योगिक गतिविधियां हो रही हैं। पहले दिन 4,00 मीटर और 1,500 मीटर जैसी दौड़ पूरी तरह से स्वायत्त श्रेणी में हुई, जहां रोबोट्स बिना रिमोट कंट्रोल के दौड़े। वी आर चाइना की रिपोर्ट्स के मुताबिक, उद्घाटन के मौके पर रोबोट्स ने किसी आर्मी परेड की तरह बिल्कुल एक कतार और तालमेल में मार्च-पास्ट किया। चीनी ह्यूमनॉइड रोबोट गैलबॉट ने जब लॉन टेनिस के लिए जोरदार डाइव लगाई तो यह नजारा देख दर्शक हैरान रह गए।

मान्सी लाथर ने जीता रजत, तन्वी और कोमल ने कांस्य पदक पर जमाया कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन पदक जीते। मान्सी लाथर ने 68 किग्रा में रजत, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने 57 व 59 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय महिला पहलवानों ने अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन और पदक अपने नाम कर लिए। मान्सी लाथर ने 68 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक जीता, जबकि तन्वी मगदूम और कोमल ने क्रमशः 57 और 59 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक हासिल किए।

मंसी लाथर को रजत पदक

68 किलोग्राम भारवर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में मान्सी लाथर को चीन की चेनलिंग सॉन्ग के खिलाफ बेहद करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। मान्सी को इस मुकाबले में 1-2 से शिकस्त मिली। इस तरह उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

तन्वी ने 10-4 से दर्ज की जीत

57 किलोग्राम भारवर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में तन्वी मगदूम ने कनाडा की अग्निया क्राकोव्स्का को 10-4 से हराया। इस जीत के साथ तन्वी ने प्रतियोगिता में कांस्य पदक अपने नाम किया।

बायर्न म्यूनिख ने जीता खिताब, फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया

डॉर्टमुंड, एजेंसी। बायर्न म्यूनिख ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराकर सीजन का पहला जर्मन सुपरकप (फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप) जीता। जमाल मुसियाला और सर्ज ग्नाब्री के बाहर होने पर, बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने नए खिलाड़ी डिफेंडर नैथेनियल ब्राउन को नंबर 10 रोल में भेजा। 23 साल के खिलाड़ी ने 28वें मिनट में गोल करके कोच के भरोसे को सही साबित किया। जोशुआ किमिच ने माइकल ओलिस की ओर एक लंबी गेंद भेजी, जिन्होंने एरिया के किनारे पर डॉर्टमुंड के डिफेंस को रोककर ब्राउन को बॉल दी। जर्मनी के इंटरनेशनल खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की, और गोलकीपर ग्रेगर कोबेल को छकाते हुए बायर्न के लिए अपना पहला प्रतियोगी गोल किया। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में विजिटर्स ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। जोबे बेलिंगहैम ने अपने ही हाफ में पजेशन खो दिया। ओलिस गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में दौड़े और शांति से कोबेल के पार नीचे-बाएं कोने में गोल कर दिया। ब्रेक के बाद डॉर्टमुंड ने कई अटैकिंग सब्स्टीट्यूशन किए और 75वें मिनट में उन्हें इसका इनाम मिला जब सब्स्टीट्यूट फैबियो सिल्वा ने गोल किया। आखिरी स्टेज में दोनों टीमों ने तेजी से काउंटरअटैक किए। मैक्सिमिलियन बेयर के पास बराबरी करने का अच्छा मौका था लेकिन उन्होंने एक शॉट ऊपर मार गोल का मौका गंवा दिया और बायर्न ने जीत पक्की कर ली। इस जीत ने बायर्न को रिकॉर्ड 12वां सुपरकप टाइटल दिलाया। डॉर्टमुंड ने यह कॉम्पिटिशन छह बार जीता है। 2026-27 बुंडेसलीगा सीजन 28 अगस्त से शुरू होगा। डिफेंडिंग चैंपियन बायर्न वीएफबी स्टटगार्ट की मेजबानी करेगा। डॉर्टमुंड अगले दिन हैमबर्गर एसवी के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अपना लीग कैंपेन शुरू करेगा। मैच के बाद न्यूएर ने कहा, 'अब टीम के साथ इस सीजन का मजा लेने का समय है, और फिर हम देखेंगे। लेकिन हां, यह हो सकता है कि यह आखिरी सीजन हो। न्यूएर के बयान को उनके भविष्य में संभावित बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

स्टार्क की आंधी में उड़ा बांग्लादेश

ऑस्ट्रेलिया ने 2 दिन के अंदर जीत लिया मैके टेस्ट, सीरीज 1-1 से बराबर

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा एवं आखिरी मुकाबला मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में खेला गया. इस मुकाबले में मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को पारी और 51 रनों से हरा दिया. इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज को 1-1 से बराबरी पर खत्म किया. पहला टेस्ट डार्विन में खेला गया था, जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम को 9 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी थी. अब कंगारुओं ने उस हार का बदला दमदार तरीके से लिया है.

मैके टेस्ट मैच का नतीजा दो दिन के अंदर आ गया. दूसरे दिन (23 अगस्त) चायकाल के कुछ देर बाद ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने मैदान मार लिया. मैके टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के हीरो तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क रहे. बाएं हाथ के दिग्गज गेंदबाज स्टार्क ने बांग्लादेश की दूसरी पारी में चार विकेट झटके. स्टार्क ने पहली पारी में छह विकेट चटकाए थे. यानी उन्होंने मुकाबले में कुल 10 विकेट अपने नाम किए. स्टार्क को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया.

मिचेल स्टार्क की तूफानी गेंदबाजी के चलते बांग्लादेश अपनी दूसरी पारी में 95 रनों पर ढेर हो गया. बांग्लादेश के लिए दूसरी पारी में कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने सबसे ज्यादा 31 रन बनाए. वहीं मुश्फिकुर रहीम 29 रन बनाकर नाबाद रहे. बाकी के 9 बल्लेबाज तो दोहरे अंकों तक नहीं पहुंच पाए, जिनमें तीन का खाता तक नहीं खुला. कप्तान पैट कमिंस और नाथन लायन ने तीन-तीन विकेट लेकर स्टार्क का अच्छा साथ निभाया.

शोरिफुल की मेहनत बेकार गई

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 210 रनों पर सिमट गई थी. पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया को 146 रनों की लीड मिली. कैमरन ग्रीन ने 10 चौके की मदद से 105 बॉल पर 67 रन बनाए. वहीं स्टीव स्मिथ (42 रन) और नाथन लायन (नाबाद 32 रन) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं. बांग्लादेश के लिए लेफ्ट आर्म पेसर शोरिफुल इस्लाम ने 7 विकेट लिए. जबकि तैजुल इस्लाम, मेहदी हसन मिराज और तस्कीन अहमद को एक-एक विकेट मिले.

पुर्तगाली फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मौत:मैदान पर गिरे, अस्पताल में तोड़ा दम

नईदिल्ली, एजेंसी। पुर्तगाल के 25 साल के फुटबॉलर क्यूविन कास्त्रो की मैच के दौरान मैदान पर गिरने के बाद मौत हो गई। वह शनिवार को लिस्बन में प्री-सीजन फ्रेंडली मैच खेल रहे थे। इस घटना के बाद मैच स्थगित कर दिया गया। लिस्बन फुटबॉल एसोसिएशन ने उनके निधन की पुष्टि की। कास्त्रो पुर्तगाल में चौथे डिवीजन की लीग में खेलने वाली टीम रियल स्पोर्ट क्लब का हिस्सा थे। मुकाबला एस्ट्रेला डि अमाडोरा नाम की टीम से हो रहा था।

22वें मिनट में मैदान पर गिरे, अस्पताल ले जाया गया

कास्त्रो मैच के 22वें मिनट में मैदान पर गिर पड़े। उनके गिरने के बाद मेडिकल टीम ने तुरंत इलाज शुरू किया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत की पुष्टि हुई। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान पर उन्हें बिजली का झटका देकर होश में लाने की कोशिश भी की गई।

वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी डेब्यू पर किया निराश... 2 चौके जड़े, फिर इस अनजान गेंदबाज ने फंसाया

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के लिए दलीप ट्रॉफी का डेब्यू उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा. नॉर्थ ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में वैभव ईस्ट जोन की ओर से पहली पारी में महज 8 रन बनाकर आउट हो गए. उन्होंने लगातार दो चौके लगाकर इंटेंट दिखाया था, लेकिन इस आक्रामक अंदाज को ज्यादा देर तक बरकरार नहीं रख सके. बेंगलुरु स्थित (भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-2 पर खेले जा रहे मुकाबले में नॉर्थ ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर ईस्ट जोन को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया था. नई गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिल रही थी और ईस्ट जोन ने शुरुआत में ही विकेट गंवा दिया. वैभव सूर्यवंशी ने अपने दलीप ट्रॉफी करियर की शुरुआत बिल्कुल उसी अंदाज में की, जिसके लिए वह पहचाने जाते हैं. पारी के दूसरे ओवर में बिश्वोरजीत कोंथौजम की तीसरी गेंद को कवर रीजन से उन्होंने बाउंड्री के पार पहुंचाया. अगली गेंद पर भी उन्होंने कवर ड्राइव लगाकर चौका बटोरा. हालांकि गेंदबाज ने जल्द ही उनकी आक्रामकता का जवाब ढूंढ लिया. आखिरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने एक और बार कवर ड्राइव खेलने की कोशिश की, लेकिन इस बार टाइमिंग सही नहीं रही. गेंद बल्ले का किनारा लेकर गली में पहुंची, जोसेफ लालथनखुमा ने कैच लपक लिया. इस तरह वैभव की पहली दलीप ट्रॉफी पारी 6 गेंदों में 8 रनों पर समाप्त हुई. बिश्वोरजीत कोंथौजम ने लगातार दो चौके खाने के बावजूद अपना संयम बनाए रखा और ओवर की आखिरी गेंद पर युवा बल्लेबाज को पवेलियन भेजकर हिसाब बराबर कर लिया.

देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में भी शतक लगाया, नंबर-3 पर खत्म की भारत की टेंशन

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भारत ने 4 विकेट पर 291 रन बनाए हैं। देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरे टेस्ट में शतक लगाया है। वह 117 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं रवींद्र जडेजा फिफ्टी के करीब थे। पडिक्कल ने पहले टेस्ट की पहली पारी में 167 और दूसरी पारी में 44 रन बनाए थे।

इससे पहले कप्तान शुभमन गिल 50 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 18 और यशस्वी जायसवाल 45 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। ऋषभ पंत 3 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। उन्हें लाहिरू कुमारा की शॉर्ट गेंद बाएं हाथ की कलाई पर लगी थी।

भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। गॉल में पहला टेस्ट 165 रन से जीतकर भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है।

संयम भरी पारी और कप्तान गिल के साथ अहम साझेदारी

पडिक्कल ने इस पारी में गजब का धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने बिना कोई जोखिम उठाए बेहद आराम से बल्लेबाजी की और 168 गेंदों का सामना करते हुए अपना शतक पूरा किया। अपनी इस शतकीय पारी के दौरान उन्होंने एक भी छक्का नहीं लगाया और 10 चौके जड़े। उन्होंने कप्तान शुभमन गिल के साथ मिलकर एक मजबूत साझेदारी निभाई, जिसकी बदौलत भारतीय टीम मैच में काफी मजबूत और संभली हुई स्थिति में पहुंच गई है। टीम इंडिया ने इस मैच में सिर्फ 66 रन पर अपने दो विकेट खो दिए थे। इसके बाद शुभमन गिल और देवदत्त पडिक्कल ने बीच तीसरे विकेट के लिए 120 रनों की अहम साझेदारी हुई।

पिछले काफी समय से भारतीय टेस्ट टीम नंबर-3 के स्थान पर एक ऐसे भरोसेमंद बल्लेबाज की तलाश में थी, जो तेज और स्पिन गेंदबाजी दोनों का मजबूती से सामना कर सके। पडिक्कल ने लगातार दो शतकों के साथ इस समस्या को लगभग पूरी तरह से सुलझा दिया है। जिस तरह से वे स्पिन और पेस अटैक के खिलाफ आसानी से रन बना रहे हैं, उससे उन्होंने तीसरे नंबर पर अपनी जगह काफी हद तक पक्की कर ली है।पडिक्कल के इस निरंतर शानदार प्रदर्शन ने उन खिलाड़ियों के लिए राह कठिन कर दी है जो लंबे समय से नंबर-3 की रेस में बने हुए थे। इनमें सबसे प्रमुख नाम साई सुदर्शन का है। गौरतलब है कि साई सुदर्शन के चोटिल होने के बाद ही देवदत्त पडिक्कल को भारतीय टेस्ट स्क्वॉड में शामिल होने का मौका मिला था।

साउथ एक्ट्रेस अनुपमा बोलीं-

पहले 11 बच्चे चाहती थी

अभी एक भी नहीं चाहिए

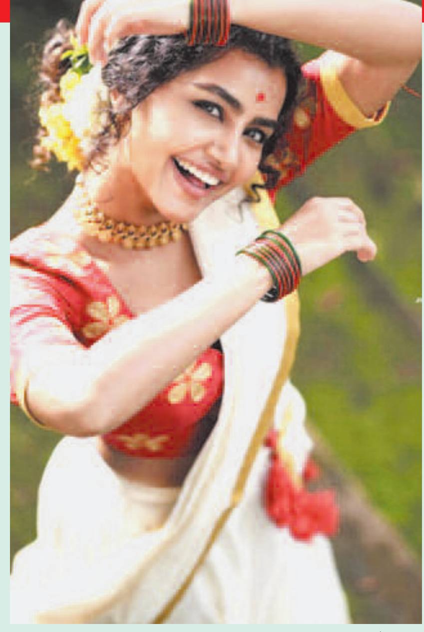

अनुपमा परमेश्वरन की फिल्में 'दमदार खिलाड़ी' (हेलो गुरु प्रेमा कोसमे) और 'नंबर 1 दिलवाला' (वुन्नाधी ओकाटे जिंदगी) हिंदी दर्शकों के बीच काफी मशहूर हैं। अनुपमा परमेश्वरन की फिल्में 'दमदार खिलाड़ी' (हेलो गुरु प्रेमा कोसमे) और 'नंबर 1 दिलवाला' (वुन्नाधी ओकाटे जिंदगी) हिंदी दर्शकों के बीच काफी मशहूर हैं।

साउथ एक्ट्रेस अनुपमा परमेश्वरन ने हाल ही में अपने अतीत के एक नार्सिसिस्टिक दुर्व्यवहार (आत्ममुग्धता से भरे शोषण) वाले रिश्ते के बारे में बताया। धन्या वर्मा के यूट्यूब चैनल पर बातचीत में अनुपमा ने कहा कि उनके एक्स-पार्टनर ने कथित तौर पर उन्हें एक्ट्रेस होने, कॉन्फिडेंट होने और यहां तक कि पीरियड्स होने जैसी बातों पर भी शर्मिंदा महसूस कराया। रिश्ते के असर के बारे में बताते हुए अनुपमा ने कहा कि पहले वह 11 बच्चे चाहती थीं, लेकिन अब बच्चे नहीं चाहतीं। उन्होंने बताया कि पूर्व पार्टनर हर बहस को उनके पीरियड्स से जोड़ देता था, फिर चाहे वह पीरियड्स के किसी भी दिन हुई हो। उन्होंने कहा, 'पीरियड्स का पहला दिन हो, पांचवां दिन, दसवां दिन, पंद्रहवां दिन, बीसवां दिन या पच्चीसवां दिन, साइकिल का कोई भी दिन हो।

आप इस व्यक्ति की किसी गलती पर उससे सवाल करेंगे, तो वह कहेगा- ओह, तुम पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम) कर रही हो, तुम्हारे पीरियड्स आने वाले हैं। इसलिए मुझे बहुत शर्म आती थी। ' अनुपमा ने आगे कहा, रिश्ते में लगातार इमोशनल उतार-चढ़ाव के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'बहुत से लोग नार्सिसिस्टिक एब्यूज के बारे में नहीं जानते हैं। एक दिन, वह रेमो होगा। मुझ पर प्यार और देखभाल की बारिश होगी और मैं शायद दुनिया का सबसे लकी इंसान महसूस करूंगी। उन्होंने कहा, 'लेकिन अगले दिन वह अन्नियन होगा। यह उसका सबसे क्रूर रूप होगा और उसे आसपास क्या हो रहा है, इसकी बिल्कुल परवाह नहीं होगी। अनुपमा ने आगे कहा था, 'अगले दिन यही व्यक्ति अंबी बन जाएगा। वह अपनी गलतियों के लिए मुझसे माफी मांगेगा और बच्चे की तरह रोएगा। वह वादा करेगा कि गलतियां दोबारा नहीं करेगा, लेकिन फिर प्यार का वही चक्र जारी रहेगा।

मुझे महिला होने पर बहुत बुरा लगता था।

'मैं 11 बच्चे पैदा करने का सपना देखने वाली इंसान थी। इस समय मुझे बच्चे भी नहीं चाहिए। मुझे महिला होने पर बहुत बुरा लगता था। अपनी उपलब्धियों को लेकर भी मुझे बहुत बुरा लगता था। अनुपमा पहले भी अपने पूर्व पार्टनर के साथ रिश्ते के अनुभव के बारे में बात कर चुकी हैं। एक पुराने सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने इस रिश्ते को 'नार्सिसिस्टिक एब्यूज' बताया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि उनके पार्टनर ने धीरे-धीरे उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के अलग-अलग पहलुओं को कंट्रोल करना शुरू कर दिया था।

जानवरों को टारगेट करना बंद करो

को-एग्जिस्ट करना सीखो : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता जानवरों के प्रति खास जुड़ाव रखती हैं और अक्सर उनके प्रति प्यार और सुरक्षा को लेकर अपनी राय रखती रहती हैं। अभिनेत्री ने एक खास पोस्ट की, जिसके जरिए उन्होंने स्ट्रीट डॉग्स की सेफ्टी को लेकर खास अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके मेकअप रूप पर एक स्ट्रीट डॉग बैठा है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके मेकअप रूप पर एक स्ट्रीट डॉग बैठा है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि एक डॉग उनके मेकअप रूप के बाहर असहाय हालत में बैठा था, जिसके बाद उन्होंने उसे अपने मेकअप रूप में बुला लिया। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने लिखा, 'डॉग सेट पर इधर-उधर खाना ढूंढ़ रही थी, लोग उसे नजरअंदाज कर रहे थे या फिर डांटकर भगा रहे थे। उसी समय मैं अपना मेकअप टचअप करवाने आई थी। डॉग दरवाजे से झांक रही थी, जैसे पूछ रही हो, 'क्या मैं अंदर आ सकती हूं?' और बस मुझे इतना कहा कि आजा और वह चुपचाप अंदर आ गई थोड़ी डरी हुई। मैने पूछा कि कुछ खाएंगी? बाद में उसने पूंछ हिलाई और मेरे पास आकर बैठ गई। ' अभिनेत्री ने बताया कि बाद में उनका असिस्टेंट उसके लिए खाना और दूध लेकर आया था। उन्होंने लिखा, 'वह बहुत भूखी थी, मेरे असिस्टेंट ने उसे जो दिया था। उसने तुरंत ही सब कुछ खत्म कर दिया और ज्यादा नहीं मांगा। बस वहीं बैठी रही। शायद कमरे में सेफ महसूस कर थी। उसे देख सभी के चेहरे में स्माइल आ गई थी। अभिनेत्री ने सभी सवाल करते हुए लिखा कि हम उन्हें भगाते, मारते और दूर क्यों करते हैं, जो हम पर डिपेंड हैं? जिनका हमारे साथ रहने का उतना ही हक है? पहले मुझे स्ट्रीट डॉग से बहुत डर लगता था। उन्होंने लिखा, 'मैं अब जब भी देखती हूं कि इन जानवरों को लगातार टारगेट किया जाता है, तो मैं खुद आगे बढ़कर उनकी मदद करती हूं। उन्हें ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, बस थोड़ा खाना और प्यार की चाहत है। हम कौन होते हैं ये तय करने वाले कि हमारे साथ कौन रहेगा और कौन नहीं, ये ऊपर वाले का काम है। उन्होंने आगे लिखा, 'हमारा काम बस ऊपर वाले की कायनात में सबके साथ मिल-जुल कर रहना है। अभी भी मेरे चेहरे पर हल्की सी स्माइल है। मैं उम्मीद करती हूं कि आज कोई और भी उससे दोस्ती करेगा। बाय छोटी... तुमको हमेशा सेफ जगह मिले।

सास-बहू के रिश्ते पर बोलीं मीनाक्षी शेषाद्रि

'मैं पर्सनली चाहती हूं कि शादी के बाद मां और बेटी जैसा रिश्ता हो'

बॉलीवुड फिल्मों में सास और बहू का रिश्ता लंबे समय से एक खास तरह से दिखाया जाता रहा है। कभी दोनों के बीच छोटी-छोटी बातों पर तकरार दिखाई जाती है, तो कभी सास को सख्त और बहू को परेशान रहने वाली महिला के रूप में पेश किया जाता है। 90 के दशक की कई फिल्मों में यह रिश्ता कहानी का बड़ा हिस्सा हुआ करता था।

अब दिग्गज अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्रि ने भी फिल्मों में दिखाए जाने वाले इस रिश्ते पर अपनी बात रखी है। उन्होंने अपनी फिल्म 'घर हो तो ऐसा' को याद करते हुए कहा कि पर्दे पर सास-बहू के रिश्ते को अक्सर नकारात्मक तरीके से दिखाया गया है, जबकि असल जिंदगी में यह रिश्ता प्यार और समझ से भरा होना चाहिए। मीनाक्षी शेषाद्रि ने अपनी 1990 में रिलीज हुई फिल्म 'घर हो तो ऐसा' के मशहूर गाने 'जनवरी फरवरी' का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में वह काफी स्टाइलिश अंदाज में नजर आईं। उन्होंने गाने पर अपने डांस और एक्सप्रेशन से पुरानी यादें ताजा कर दीं।

इस वीडियो के साथ मीनाक्षी ने फिल्म और उसमें दिखाए गए सास-बहू के रिश्ते के बारे में बात की। उन्होंने लिखा, ''फिल्म 'घर हो तो ऐसा' में मैंने ऐसी बहू का किरदार निभाया था, जो अपनी सास के गलत व्यवहार के सामने चुप नहीं रहती। फिल्म में मेरी सास का किरदार दिग्गज अभिनेत्री बिंदू ने निभाया था। मेरे किरदार ने सास को कुछ कड़े सबक सिखाए थे।'' उन्होंने आगे लिखा, ''फिल्म में सास-बहू के बीच होने वाले टकराव को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने के साथ-साथ इसमें कॉमेडी और ड्रामा भी जोड़ा गया था। कहानी में कराटे के सीन भी देखने को मिले थे। फिल्म ने घरेलू रिश्तों से जुड़े एक गंभीर मुद्दे को मनोरंजन के साथ दर्शकों के सामने रखा था। फिल्म में बहू, सास के गलत व्यवहार का सामना करता है और अपने लिए आवाज उठाती है।''

कुब्रा ने शुरू की फर्जी 2 की शूटिंग

फिर नज़र आएंगी सायरा के किरदार में

मुंबई अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले सीज़न में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली कुब्रा अब एक बार फिर सायरा के किरदार में वापसी कर रही हैं। इसके मद्देनज़र कुब्रा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन के बाहर खिंचवाई गईं कई तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर 'सायरा' और 'फ़र्ज़ी 2' लिखा हुआ नजर आ रहा है। तस्वीरों के साथ उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में लिखा है, 'क्या ये झूठी खबर है ?' लेकिन फिर खुद ही इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा है, 'हाँ यार! 'आखिरकार बेहद उत्साहित हूँ... तो चलिए, 'फ़र्ज़ी 2' की शुरुआत करते हैं!' कुब्रा ने इस दिलचस्प पोस्ट के साथ कैप्शन में यह भी लिखा है, 'चलिए, अब इस ढेर सारी खुशी की शुरुआत करते हैं!' फिलहाल इस पोस्ट के ज़रिये शो को लेकर कुब्रा की ख़ुशी और उत्साह, साफ नज़र आ रहा है। वैसे कुब्रा इससे पहले भी बता चुकी हैं कि जब उन्हें 'फर्जी' ऑफर हुई थी, तब उन्होंने दोनों सीज़न के लिए एक साथ कमिटमेंट किया था। अब उनकी यह पोस्ट उस लंबे इंतज़ार के खत्म होने और दूसरे सीज़न की शुरुआत का संकेत है। राज और डीके द्वारा निर्मित 'फर्जी' में कुब्रा सैत के साथ शाहिद कपूर, विजय सेतुपति, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा, के के मेनन और ज़ाकिर हुसैन अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं। पहले सीज़न में कुब्रा ने सायरा का किरदार निभाया था, जो के के मेनन के किरदार मंसूर दलाल से जुड़ी हुई थी। हालांकि दूसरे सीज़न में उनके किरदार की कहानी किस दिशा में आगे बढ़ेगी, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत पिछले साल फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के बाद इस साल निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा की वेब सीरीज़ 'संकल्प' में नजर आई थीं, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों, ने काफी सराहा था। गौरतलब है कि अभिनय के अलावा लेखन, होस्टिंग और हाल ही में स्टैंड-अप कॉमेडी में भी अपनी पहचान बना चुकी कुब्रा सैत, टैलेंट का पावरहाउस बन चुकी हैं। यही वजह है कि 'फर्जी 2' के साथ उनकी वापसी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

लंबे समय से अपनी इस एक आदत से जूझ रहे हैं Suniel Shetty

अभिनेता सुनील शेट्टी ने अपने इंट्रोवर्ट स्वभाव के बारे में बात की है, जिसे वह अपनी कमी मानते हैं और अभिनय की दुनिया में इसे मुश्किल बताते हैं। हर इंसान का अलग-अलग व्यक्तित्व होता है। कुछ लोग बहुत ज्यादा बात करना पसंद करते हैं तो कुछ इंट्रोवर्ट होते हैं जिन्हें ज्यादा लोगों से बात करना पसंद नहीं होता। अभिनेता सुनील शेट्टी का कहना है कि वह भी इंट्रोवर्ट स्वभाव के हैं। हालांकि, वह इसे अपनी कमी मानते हैं। अभिनय की दुनिया में इंट्रोवर्ट होना काफी मुश्किल बात मानी जाती हैं, क्योंकि यहां कलाकार को कई कलाकारों के साथ काम करना पड़ता है।

एंकरिंग के नाम पर हो जाते हैं नर्वस

सुनील कहते हैं,'मैं कभी लोगों से बहुत ज्यादा खुलकर बात नहीं कर पाया। जब भी मुझे कहीं एंकरिंग के लिए कहा जाता था तो मैं नर्वस हो जाता था। यह सच है कि फिल्मों में काम करते हुए इंट्रोवर्ट होने से काम मुश्किल हो जाता है। इसलिए अगर कोई मुझसे कहता कि तुम्हें नाटक करना चाहिए तो मुझे हमेशा लगता था कि मैं अपनी पंक्तियां भूल जाऊंगा। यह अजीब है, लेकिन मैं ऐसा ही हूं। यही मेरा स्वभाव है, यह एक ऐसी कमी है जिससे मैं बाहर नहीं निकल पाया।'

कोई दूसरी शादी नहीं हो रही

गोविंदा के मैनेजर ने सुनीता के दावों को किया खारिज

गोविंदा और सुनीता की शादीशुदा जिंदगी उतार-चढ़ाव से गुजर रही है। बीते दिनों सुनीता ने दावा किया था कि गोविंदा रूमर्ड गर्लफ्रेंड के साथ दूसरी शादी करने की प्लानिंग में हैं। इन दावों पर चीची के मैनेजर का रिएक्शन सामने आया है। अभिनेता गोविंदा और सुनीता आहूजा अपनी शादीशुदा जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। कुछ वक्त पहले भी दोनों के अलगाव की खबरें सामने आई थीं। सुनीता ने तलाक का केस फाइल किया था। वहीं, दो दिन पहले उन्होंने तलाक का केस वापस ले लिया। इस बीच उन्होंने ऐसा दावा किया कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयारी में थे। सुनीता के इन दावों को गोविंदा के मैनेजर ने खारिज किया है। गोविंदा और सुनीता आहूजा की निजी जिंदगी के विवाद ने एक नया मोड़ ले लिया है। बीते दिन सुनीता ने राखी सावंत से बात करते हुए इस बात का खुलासा किया कि गोविंदा दूसरी शादी की तैयार कर रहे थे। सुनीता ने यह बात उस वक्त कही, जब राखी पैपराजी के सामने ही फोन स्पीकर पर रखकर उनसे बातें कर रही थीं।

कॅरियर गाइडेंस देश व दुनिया में आज हेल्थ सेक्टर का जितना विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि आगे चलकर काबिल फिजियोथैरेपी की मांग और बढ़ेगी। फिजियोथैरेपी विज्ञान की ऐसी विधा है जिसके अंतर्गत शारीरिक व्यायाम के जरिए व्यक्ति के रोगों व व्याधियों का उपचार किया जाता है।

फिजियोथैरेपी

वक्त की मांग

फिजियोथैरेपिस्ट का काम रोगियों में किसी बीमारी, चोट, अक्षमता या बढ़ती उम्र की वजह से उपजी शारीरिक व्याधियों का उपचार करना है। आज लोग बीमारी के उपचार के लिए समग्र नजरिया अपनाने लगे हैं। इसकी वजह से दुनिया भर में फिजियोथैरेपिस्ट्स की मांग में तेजी से इजाफा हुआ है।

काम का दायरा

फिजियोथैरेपिस्ट्स अस्पतालों, विकलांगों की लिए बने पुनर्वास केन्द्रों, स्वास्थ्य केन्द्रों, शारीरिक व मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के लिए बने स्कूलों, स्वास्थ्य संगठनों के

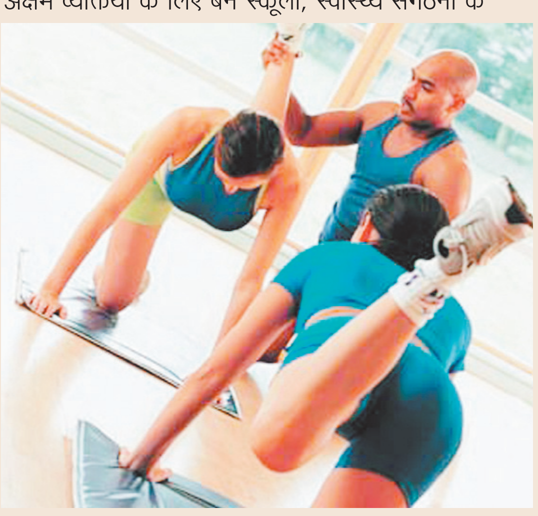

अलावा डिफेंस मेडिकल प्रतिष्ठानों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी अपनी सेवाएं देते है। इंजुरी व फ्रैक्चर्स, जोड़ों के दर्द, खिंचाव, मोच, स्ट्रोक्स के उपचार में काबिल फिजियोथैरेपिस्ट की सेवाएं कारगर साबित होती हैं।

बढ़ती मांग

आज जिस तरह के अत्याधुनिक अस्पताल, स्वास्थ्य केन्द्र व क्लीनिक्स खुल रहे हैं और हेल्थ सेक्टर का विस्तार हो रहा है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि फिजियोथैरेपिस्ट की मांग आगे चलकर और बढ़ेगा। कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी खुद को फिट रखने व फिटनेस संबंधी सुझाव लेने के लिए फुलटाइम पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की सेवाएं लेते हैं। विदेशों में और खासकर अमेरिका कनाडा व आस्ट्रेलिया जैसे देशों में पर्सनल फिजियोथैरेपिस्ट्स की जबदस्त मांग है।

योग्यता

फिजियोथैरेपी में कोई डिग्री अथवा डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कोर्स करने के लिए अभ्यर्थी को फिजिक्स, केमिस्ट्री या बायोलॉजी के साथ 12वीं या इसके समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। अस्पताल व क्लीनिक्स अमूमन ऐसे लोगों को रोजगार देते हैं, जिनके पास फिजियोथैरेपी में बैचलर डिग्री (बीपीटी) हो। बीपीटी करने के बाद छात्र यदि चाहें तो अपनी विशेषज्ञता बढ़ाने के लिए पोस्ट ग्रेजुएशन भी कर सकते हैं। फिजियोथैरेपी में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स की अवधि छह महीने से लेकर दो साल तक हो सकती है। डिग्री स्तर अवधि

तीन से चार साल तक होती है। प्रतिष्ठित संस्थान कॉमन टेस्ट सीईटी के जरिए बीपीटी में छात्रों की दाखिला देते है।

व्यक्तिगत योग्यता

फिजियोथैरेपिस्ट्स बनने के चाह रखने वाले अभ्यर्थियों में लंबे समय तक खड़े रहकर काम करने की क्षमता होनी चाहिए। काबिल फिजियोथैरेपिस्ट वहीं है जो मरीज की जरूरत को अच्छी तरह समझ सके, उसके प्रति संवेदनशील रवैया अपनाए। सफल फिजियोथैरेपिस्ट बनने के लिए व्यक्ति में इन खूबियों के अलावा मानवीय संरचना का सम्पूर्ण ज्ञान होना भी अति आवश्यक है।

पारिश्रमिक

इस क्षेत्र से जुड़े कोई फ्रेश ग्रेजुएट किसी हॉस्पिटल या क्लीनिक में ट्रेनी फिजियोथैरपिस्ट के तौर पर 8,000 से 12,000 रूपए वेतन पाने की उम्मीद कर सकता है। हालांकि प्रतिष्ठित अस्पतालों में आपको और भी अच्छा वेतन मिल सकता है। अनुभव हासिल करने के बाद आपके वेतन में खासा इजाफा हो सकता है। अनुभवी फिजियोथैरपिस्ट चाहे तो निजी क्लीनिक खोल कमाई कर सकते हैं।

डायटीशियन

कॅरियर का बेहतर विकल्प

आहार जीवन की प्राथमिक आवश्यकता है। हम जो आहार लेते है उसका शरीर में पाचन किया जाता है। प्रकृति ने विभिन्न खाद्य-पदाथों को भोजन का रूप दिया है जिसे कच्चा या पका कर हम उपयोग करते हैं ऐसे पदार्थ हमारे पाचक अंगों द्वारा पचा लिए जाते हैं, जिनसे ऊतकों का निर्माण एवं पोषण होता है। चलने, फिरने दौडने या अन्य शारीरिक कार्य करते रहने से शरीर के भीतर के ऊतक टूटते-फूटते एवं घिसते रहते है। भोजन द्वारा हमारे शरीर की संरचना तथा मरम्मत के लिए विभिन्न पोषक तत्व मिलते रहते हैं, जिनसे हमें शक्ति मिलती हैऔर हमारे शीरीरिक के विभिन्न अंग अपना कार्य सुचारू रूप से करते रहते हैं।सन्तुलित आहार और सही आहार हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लिहाजा हमारी शारीरिक जरूरतों के अनुसार कितने पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं और कौन से खाद्य-पदार्थ से सेहत को नुकसान पंहुच सकते है, इसका जवाब डायटीशियन ही बता सकता है। जीवनशैली में आ रहे बदलावों और उसके दुष्णपरिणाम के चलते डायटीशियन एक बेहतर केरियर ऑप्शन के रूप में उभरा है। यह कोर्स अपनाकर आप अपना ही नहीं दूसरो की सेहत का भी ख्याल रख सकते है। एक डायटीशियन के रूप में आप नवजात शिशु से लेकर बुजुर्ग, बीमार, अभिनेताओं और खिलाडियों तक की डाइट का चार्ट बना सकते हैं। डायटीशियन लोगों को सलाह देता है, कि उसे स्वस्थ रहने के लिए किस तरह का भोजन करना चाहिए। डायटीशियन का कार्य जितना आसान दिखाई देता है वास्तव में वह उतना आसान नहीं हैं, क्योंकि रोगियों के लिए व्यक्तिगत आहार योजना बनाते हुए विभिन्न क्लीनिकल घटकों को ध्यान में रखना होता है। साथ ही रोगियों की जीवनशैली, खान-पान की आदतों पर भी विचार करना होता है ।पोरेट स्तर पर डायटीशियन की मांग बढ रही है और पांच सितारा होटलों में भी डायटीशियनों की सेवाएं ली जा रहीं हैं।

कराटे- दुश्मन को बिना किसी हथियार से हराने की तकनीक

कराटे निहत्थे लडने् की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है। जिस व्यक्ति को कराटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक कराटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं करांटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। करांटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है।

करांटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। करांटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं। इन सभी भागों को कड़ी मेहनत और प्रैक्टिस से कठोर बनाया जाता है। एक करांटे एक्सपर्ट कई इंच मोटी लकड़ी को अपने हाथ या पैर से तोड़ सकता है। सही टाइमिंग, कुशलता तथा जज्बा तो इसके लिए जरूरी है ही साथ ही जरूरी होती है शारीरिक कठोरता।

करांटे के खेल में वार को शरीर के संपर्क में आने से एक इंच पहले ही रोक लिया जाता है। करांटे में मैच सिर्फ 3 मिनट के होते हैं। एक खेल के तौर पर इसमें कुशलता का स्तर परखने के लिए दोनों में नकली लड़ाई और औपचारिक परीक्षण दोनों का आयोजन किया जाता है। यदि प्रतियोगी अच्छे से वार न कर पाए तो जज अपना फैसला मूवमैंट्स और डिफैंस तकनीक के आधार पर सुना सकते हैं।जजों द्वारा खिलाडियों के प्रदर्शन को वैसे ही रेटिंग दी

जाती है, जैसे जिम्नास्टिक में होता है। करांटे एशिया में विकसित हुआ जिसे कई शताब्दियां लग गईं और 17वीं शताब्दी के दशक में जाकर यह कला के रूप में व्यवस्थित होने लगा। 1920 के दशक में यह जापान में बहुत प्रसिद्ध हुआ। आज पूरे विश्व में कई स्कूल करांटे की ट्रेंनिंग देते हैं। 1970 में करांटे वर्ल्ड चैम्पियनशिप टाइटल की स्थापना की गई थी।

प्राचीन चीन से शुरू और जापान में प्रसिद्ध हुआ युद्ध कौशल (मार्शल आर्ट) करांटे आज पूरे विश्व में अत्यधिक लोकप्रिय है। करांटे खेल भी, कला भी करांटे निहत्थे लडने् की एक मार्शल आर्ट है। यह एक प्रकार की कला है जिसमें हाथों तथा पैरों से वार करना तथा दुश्मन के वार को रोकना शामिल होता है।

जिस व्यक्ति को करांटे की तकनीक पता हो वह अपने दुश्मन को बिना किसी हथियार के हरा सकता है। एक करांटे एक्सपर्ट सामने वाले को एक ही वार में चित्त भी कर सकता है। जहां जूडो आत्मरक्षा के लिए इस्तेमाल की जाती है वहीं करांटे में दुश्मन पर वार भी किया जा सकता है। करांटे में शारीरिक संपर्क बहुत सीमित रखा जाता है और चोट से बचने के लिए वार को नियंत्रित रखा जाता है। करांटे एक जापानी शब्द है जिसका अर्थ है 'खाली हाथ'। करांटे में शरीर की ताकत स्ट्राइकिंग प्वाइंट पर केंद्रित की जाती है। स्ट्राइकिंग प्वाइंट में हाथ, पैर का अलग भाग, एड़ी, बाजू, घुटना तथा कोहनी शामिल होते हैं।

स्वरोजगार

कागज़ उद्योग

देश में सामाजिक-आर्थिक विकास की दृष्टि से कागज़ उद्योग देश का सबसे पुराना और अति महत्वपूर्ण उद्योग है। इस उद्योग का अनुमानित आकार 25000 करोड़ रुंपये (5.95 बिलियन डॉलर) है। विश्व के कागज और कागज बोर्ड उत्पाद में इसका हिस्सा लगभग 1.6 प्रतिशत है। इस उद्योग से 1.20 लाख लागों को प्रत्यक्ष रूप से और 3.40 लाख लोगों को परेक्ष रूप से रोजगार मिला हे। अधिकतर पेपर मिल पिछले लम्बे अर्से से कार्य कर रहे हैं और इस प्रकार वर्तमान समय में इनमें पुरानी से लेकर अति आधुनिक तकनीक वाली दोनों प्रकार की प्रौद्योगिकियाँ इस्तेमाल हो रही हैं।

पिछले पाँच वर्षों से कागज़ की खपत लगभग 6 प्रतिशत वार्षिक दर से बढ़ रही है। कागज़ उद्योग को कागज के उत्पादन की किस्म के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है; जैसे क्रीमवोव, मैपलिथो, कोपलर, कोटेड पेपर, इंडिस्ट्रयल पेपर और स्पेस्लिटी पेपर। इंडिस्ट्रयल पेपर अधिक मात्रा में इस्तेमाल होता है, जो कि कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत है। अभी तक कागज उद्योग की वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में हुई वृद्धि के बराबर रही है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान इसमें औसतन 6-7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। विश्व स्तर पर भारत में कागज का बाजार तेजी से बढ़ रहा है ओर यह उत्सावर्धक स्थिति को दर्शाता है। आर्थिक संवृद्धि के साथ कागज की खपत में भी अत्याधिक उछाल आने की संभावनाएँ हैं और यह 2015-16 तक 13.95 मिलियन टन तक पहुँच सकता है। भावी अनुमान यह हे कि कागज की खपत में सकल घरेलू उत्पाद के गुणांकों में वृद्धि होगी और इस प्रकार प्रति व्यक्ति 1 किलाग्राम खपत की वृद्धि से उसकी मांग में 1 मिलियन टन की वृद्धि होगी। उद्योग के अनुमानानुसार वर्ष 2012-13 तक कागज़ उत्पादन 8.4 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि कागज की खपत 9 प्रतिशत संचयी वार्षिक वृद्धि दर(सीएजीआर) से बढ़ी है। कम खर्च व लागत में कागज उद्योग स्वरोजगार का बेहतर जरिया बन सकता है।

पैरा-मैडीकल कोर्सेज में संवारें कॅरिअर

यदि आपकी बारहवीं परीक्षा की श्रेणी या अंक बहुत अच्छे नहीं हैं तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। इसकी वजह यह है कि पैरा-मैडीकल कोर्सेज में प्रवेश के लिए सी.पी.एम.टी. जैसी कठिन प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होती। डॉक्टर जब मरीज को देख लेता है उसके बाद (कुछ मामलों में डाक्टर से पहले भी) सारा काम पैरा-मैडीकल के लोग ही संभालते हैं।

मरीज के खून, पेशाब, बलगम, वीर्य, टिश्यू आदि की जांच करनी हो, उसका एक्स-रे, ई.सी.जी., ई.ई.जी., एम.आर.आई., अल्ट्रा साऊंड, सी.टी. स्कैन, टी.एम.टी.,पी.एफ.टी., मैमोग्राफी आदि इंजैक्शन व दवा देनी हो तथा इसके अलावा भी अनेक ऐसे काम हैं जिसे पैरा-मैडीकल स्टाफ ही करता है। आप्रेशन करते समय एक डाक्टर को असिस्ट करने के लिए पैरा-मैडीकल स्टाफ होता है। मैडीकल फील्ड का लगभग सारा टैक्निकल स्टाफ पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही आता है।

इसके तहत प्रमुख कोर्स व संबंधित कार्य इस प्रकार हैं- मैडीकल लैब टैक्नोलॉजी , एक्स-रे टैक्नोलॉजी एंड रेडियोलॉजी/रेडियोग्राफी, ऑप्टोमीट्री या ऑप्थाल्मिक टैक्नोलॉजी, प्रॉस्थैटिक एवं ऑथोटिक इंजीनियरिंग, फिजियोथैरिपी एंड ऑकुपेशनल थैरेपी, डैंटिस्ट असिस्टैंट, स्पीच थैरेपी एंड ऑडियोलॉजी, क्लीनिकल चाइल्ड डिवैल्पमैंट, रिहैबिलिटेशन, मैडीकल ट्रांसक्रिप्शन, कम्युनिटी हैल्थ वर्कर्स कोर्स (मेल/फीमेल/मल्टीपर्पज़) ऑप्रेशनल थैरेपिस्ट असिस्टैंट/ ऑप्रेशन थिएटर असिस्टैंट व टैक्नीशियन कोर्स, कॉर्डियोलॉजी टैक्नीशियन कोर्स, सी.टी. स्कैन टैक्नीशियन कोर्स।

इनके साथ ही फॉर्मेसी, नर्सिंग एवं मिडवाइफरी तथा साइकोलॉजी की गणना भी पैरा-मैडीकल के अंतर्गत ही की जाती है। उपरोक्त सभी कोर्सों में सर्टीफिकेट, डिप्लोमा, बी.एससी., एम.एससी., बैचलर या मास्टर डिग्री विभिन्न मान्यता प्राप्त संस्थानों में प्रदान की जाती है।

संस्थान

- पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल एजुकेशन एंड रिसर्च, सैक्टर-11,चंडीगढ़-1600012
- पंडित भगवत दयाल शर्मा पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीच्यूट ऑफ मैडीकल साइंसेज, रोहतक-124001, हरियाणा।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, कश्मीरी गेट, दिल्ली-110007